फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 123 प्रभात जयपुर, सोमवार 4 दिसम्बर, 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 3.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

BEHIND ENEMY LINES

The beam caught our boat, machine gun fire opened on us, but by this time, we were safely hidden. The firing continued, but the Pakistanis did not cross over to investigate the boat as it had tilted at a rakish angle.

World Wildlife Conservation Day

मुख्यमंत्री के पांच सलाहकार हारे

जयपुर 3 दिसंबर (का.प्र.)। राजस्थान की कांग्रेस सरकार की हार के साथ ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पांच सलाहकारों की भी हार हो गई है। वही राजस्थान विधानसभा में विधानसभा अध्यक्ष, सरकार के मुख्य सचेतक, उप सचेतक, वही नेता प्रतिपक्ष, उप नेता प्रतिपक्ष की भी हार हुई है।

2020 में राजस्थान में कांग्रेस सरकार के बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट जब अपनी बगावत पर उतरे थे उसे दौरान सरकार बच गई। सरकार बचाने के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दूदू से निर्दलीय विधायक बाबूलाल नागर, नवलगढ़ से कांग्रेस विधायक डॉ राजकुमार शर्मा, सवाई माधोपुर से कांग्रेस विधायक दानिश अबरार, मुख्य सचिव से रिटायर होने के बाद में निरंजन आर्य, सिरोही से निर्दलीय विधायक संयम लोढ़ा और गंगापुर सिटी से निर्दलीय विधायक रामकेश मीना को मुख्यमंत्री ने अपना सलाहकार बनाया था,उनमें से मीना को छोड़कर सभी पांच मुख्यमंत्री का सलाहकार चुनाव हार गए।

वही राजस्थान सरकार के मुख्य सचेतक महेश जोशी का टिकट कट गया। वहीं उप सचेतक महेंद्र चौधरी नावां से चुनाव हार गए। इतना ही नहीं राजस्थान सर में नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौर ने चूरू विधानसभा छोड़कर तारानगर जाने का निर्णय किया लेकिन यह निर्णय गलत साबित हुआ और वह चुनाव हार गए वहीं उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पुनिया आमेर से लगातार दूसरी बार चुनाव लड़ने गए, लेकिन वहां से वह कांग्रेस के प्रशांत शर्मा से चुनाव हार गए।

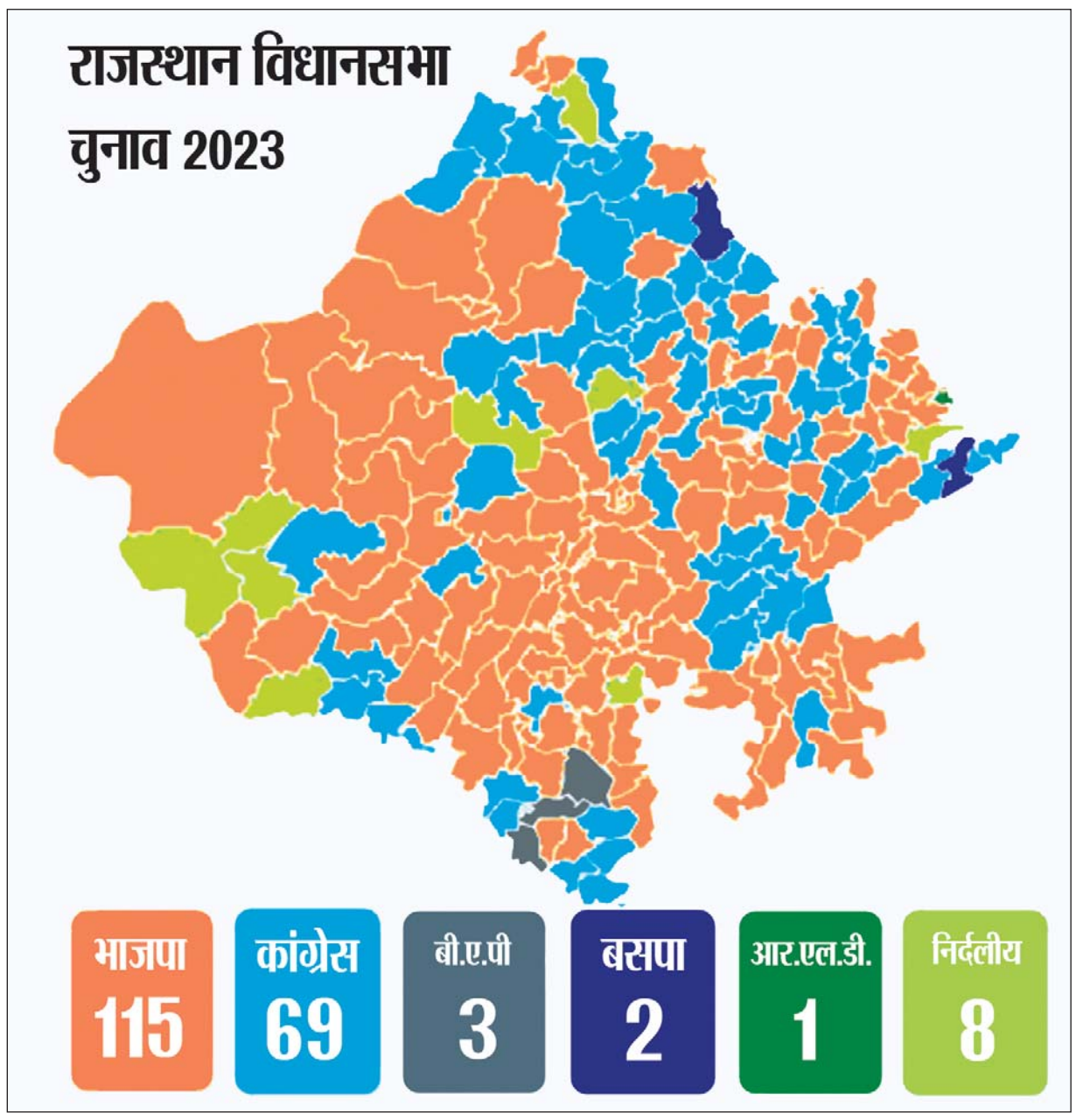

अब गहलोत का टारगेट विपक्ष का नेता या ए.आई.सी.सी. में महासचिव बनना है

राहुल गाँधी शायद यह महत्वाकांक्षा पूरी नहीं होने देना चाहेंगे

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर। राजस्थान ने अशोक गहलोत के अहंकार को हरा दिया। उनके साथ उनके मंत्रियों, उनके सलाहकारों तथा राजनीति में उनके कार्यों को अंजाम देने वाले उनके नज़दीकी सहयोगियों को भी सत्ता से बाहर फेंक दिया गया है तथा भाजपा ने राज्य में स्पष्ट बहुमत प्राप्त कर लिया है।

छोटी सोच तथा तुरन्त लाभ की आशा करने वाले अशोक गहलोत ने कांग्रेस नेतृत्व की बात नहीं सुन कर बिखरी हुई तथा गुटों में बंटी भाजपा को सत्ता सौंप दी।

गहलोत के नेतृत्व में कांग्रेस की हार अशोक गहलोत की लम्बी और विवादास्पद पारी का अन्त दर्शाती है। हालांकि, राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि वे अब भी कांग्रेस विधायक दल के नेता या ए.आई.सी.सी. महासचिव या और कुछ भी बनने की कोशिश करेंगे। पर कांग्रेस पार्टी की रिपोर्टों के अनुसार, राहुल गाँधी उनके किसी भी दावे को मानने को इच्छुक नहीं हैं।

- पर, गहलोत के "मित्र" व "शुभचिन्तक" दिल्ली में अभी भी काफी भारी हैं, वे गहलोत की पैरवी करने में जुटे हैं।

पर, गहलोत के पास कांग्रेस के उच्च स्तर पर वरिष्ठ और प्रभावशाली नेताओं का एक नैटवर्क है, जो उनकी पैरवी करेगा और गाँधी परिवार को यह बताने का प्रयास करेगा कि उन्हें पार्टी चलाने के लिये अनुभवी नेताओं की आवश्यकता है।

इनमें से कई वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत के मासिक पे-रोल पर बताये जाते हैं।

गहलोत का महत्व इस तथ्य में निहित है कि वे कांग्रेस पार्टी के "मनी बैग" (धन उपलब्ध कराने वाले) हैं तथा पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का नियमित रूप से पोषण करते है।

पिछले वर्ष 25 सितम्बर को एक युवा तथा अधिक स्वीकार्य नेतृत्व को सत्ता नहीं सौंपने की उनकी जिद तथा कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गाँधी के खिलाफ उनकी खुली बगावत के कारण ही 25 नवम्बर, 2023 को पार्टी की भारी हार हुई।

अशोक गहलोत कभी भी मुख्यमंत्री रहते कांग्रेस को सत्ता में नहीं लाये हैं और उनका यह ट्रैक रिकॉर्ड इस बार भी कायम रहा है।

मुख्यमंत्री के रूप में अपने गत पांच वर्ष के दौरान गहलोत ने प्रशासन तथा शासन पूर्णतया नौकरशाही को सौंप रखा था। वे और उनके मंत्री भ्रष्टाचार में लिप्त थे, उन्होंने मीडिया पर पूरा नियंत्रण रखा तथा राजस्थान क्षेत्र के सर्वेसर्वा के रूप में व्यवहार किया।

पर, गहलोत के व्यक्तित्व का सबसे रोचक पहलू था, सचिन पायलट के प्रति उनकी "संपूर्ण तथा अत्यधिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस हारी, लेकिन पायलट कैंप का बेहतर प्रदर्शन

- पायलट खेमे के अधिकांश चेहरे जीतकर सदन में पहुंचे।
- पायलट कैंप छोड़ने वालों ने देखा हार का मुंह।

जयपुर 3 दिसंबर (का.प्र.)। राजस्थान में 2023 विधानसभा चुनाव के नतीजे सामने आ चुके हैं और जिससे जाहिर है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में तीसरी बार कांग्रेस ने सरकार गवाई है। दूसरी ओर पूर्व उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस कार्य समिति सदस्य सचिन पायलट सहित उनकी टीम के सदस्य बड़ी संख्या में विधायक बनकर सदन में पहुंचने में सफल हो गए हैं। सचिन पायलट के साथ रहे कई विधायकों सहित पायलट कैंप के नए चेहरे भी इस बार सदन में पहुंचने में सफल हुए हैं।

सचिन पायलट कैंप के जिन चेहरों को विधानसभा चुनाव में जीत मिली है, उनमें टोंक से खुद सचिन पायलट सहित, संगरिया से अभिमन्यु पूनिया, झुंझुनू से बृजेंद्र सिंह ओला, दातारामगढ़ से वीरेंद्र सिंह, नीमकाथाना से सुरेश मोदी, शाहपुरा से मनीष यादव, आमेर से प्रशांत सहदेव शर्मा, फुलेरा से विद्याधर सिंह चौधरी, मुंडावर से ललित यादव, टोडाभीम से घनश्याम मैहर, हिंडौन से अनीता जाटव, लाडनू से मुकेश भाकर, परबतसर से रामनिवास गावड़िया ,पाली से भीमराज भाटी, भीनमाल से समरजीत सिंह, रानीवाडा से रतन देवासी, खानपुर से सुरेश गुर्जर, उदयपुरवाटी से भगवान राम सैनी , देवली उनियारा से हरीश मीणा और दौसा से मुरारी लाल मीणा शामिल है।

वही पायलट कैंप के जो चेहरे चुनाव हार गए उनमें बांदीकुई से गजराज खटाना, विराट नगर से इंद्राज सिंह गुर्जर, चाकसू से वेद प्रकाश सोलंकी, अजमेर उत्तर से महेंद्र सिंह रलावता, पुष्कर से नसीम अख्तर, मसूदा से राकेश पारीक, ब्यावर से पारस जैन, नसीराबाद से शिवप्रकाश गुर्जर शामिल हैं।

वही जो विधायक पायलट कैंप छोड़कर चले गए थे उनमें से कई चुनाव हार गए हैं। उनमें मंत्री विश्वेंद्र सिंह डीग बार फिर से जीत कर सदन में पहुंचने में कामयाब हो गए हैं।

इन नेताओं में भीमराज भाटी का नाम सबसे पहले आता है, जो 1993 में निर्दलीय जीतकर सदन में पहुंचे थे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

JOB/VACANCY
MARKETING EXECUTIVE
TELECALLER (F)
ACCOUNTANT
OFFICE BOY
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
JAIPUR
9352107080

कई नेताओं का हुआ राजनीति पुनर्वास

जयपुर 3 दिसंबर (का.प्र.)। राजस्थान में विधानसभा चुनाव 2023 के नतीजे ने कई नेताओं को फिर से जीवनदान दे दिया है। दो या उससे अधिक चुनाव हारने वाले कई नेता इस

- भीमराज भाटी 30 साल बाद जीते, 25 साल बात जीते हरेन्द्र मिर्धा।
- हरेन्द्र मिर्धा ने कांग्रेस छोड़ भाजपा में गयी ज्योति मिर्धा तथा कांग्रेस के बागी हबीबुर रहमान को हराया।

दिल्ली में तय होगा मुख्यमंत्री का नाम

भाजपा की जीत के बाद जयपुर में बैठकों का दौर जारी

जयपुर 3 दिसंबर (का.प्र.)। विधानसभा चुनावों में भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिलने के बाद भाजपा मुख्यालय में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ता ने जश्न मनाया। इसके साथ ही भाजपा की जीत के बाद भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने बैठकर सरकार बनाने की रणनीति के संबंध में बैठकें की। वही बताया जा रहा हैं कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने राजस्थान के मामले को लेकर बैठक बुलाई। नड्डा ने प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी और चुनाव प्रभारी प्रहलाद जोशी से फीडबैक लिया है। चुनावी नतीजों के बाद शाम को भाजपा की हाईलेवल बैठक बुलाई गई है।

इसमें भाजपा अब औपचारिक रूप से सरकार बनाने का दावा पेश करेगी। केंद्रीय नेतृत्व से इशारा मिलने के बाद वरिष्ठ नेता राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। इसके साथ ही भाजपा में लगातार मंत्रणाओं का दौर चल रहा है। भाजपा

- अभी तक भाजपा के मुख्यमंत्री चेहरों ने किसी तरह के शक्ति प्रदर्शन से खुद को दूर रखा है।
- केंद्रीय नेतृत्व से इशारा मिलने के बाद वरिष्ठ नेता राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे।
- शपथ ग्रहण पहले की तरह सार्वजनिक समारोह में होगा।

में मुख्यमंत्री के फैसले पर अब दिल्ली से लेकर जयपुर तक बैठकों का दौर चलेगा। फिलहाल मुख्यमंत्री चेहरों ने किसी भी तरह के शक्ति-प्रदर्शन से खुद को दूर रखा है। राजस्थान के मुख्यमंत्री पर फैसले के लिए भाजपा के वरिष्ठ नेता अब हाईकमान के रुख का इंतजार कर रहे हैं। भाजपा में नए मुख्यमंत्री को लेकर विधायक दल की बैठक में घोषणा होगी। भाजपा विधायक दल की बैठक बुलाने को लेकर अभी समय तय नहीं हुआ है, जल्द ही विधायक दल की बैठक का समय तय होने की संभावना है। भाजपा में विधायक दल की बैठक में ही मुख्यमंत्री का नाम घोषित करने की परंपरा रही है। गौरतलब हैं कि 2003 में जब वसुंधरा राजे पहली बार मुख्यमंत्री बनी थीं, उस वक्त भी विधायक दल की बैठक में ही घोषणा की गई थी। भाजपा प्रदेश मुख्यालय में उस समय के चुनाव प्रभारी प्रमोद महाजन ने वसुंधरा राजे के नाम की घोषणा की थी। उसके बाद भी यही परंपरा अपनाई जाती रही है।

भाजपा से जुड़े सूत्रों के अनुसार नए मुख्यमंत्री पर फैसला जल्द होने के आसार है। इसके लिए जयपुर में सार्वजनिक समारोह किया जाएगा। जब दो बार वसुंधरा राजे मुख्यमंत्री बनी तब विधानसभा के सामने जनपथ पर शपथ ग्रहण समारोह किया। एक बड़ी सभा का रूप दिया गया था।

मुख्यमंत्री की दौड़ में आधा दर्जन नेता

भाजपा ने इस बार सी.एम. का चेहरा घोषित किए बिना चुनाव लड़ा था। वसुंधरा राजे जब 2003 और 2013 में सी.एम. बनीं तब वे पहले से घोषित चेहरा थीं। इस बार बीजेपी ने बिना सी.एम. चेहरा घोषित किए सामूहिक लीडरशिप में चुनाव लड़ा था। पहले से मुख्यमंत्री चेहरा घोषित नहीं होने की वजह से इस बार नए मुख्यमंत्री को लेकर कई नेताओं के नाम चल रहे हैं।

"25 सितंबर की घटना पूरी तरह से प्रायोजित थी"

हार के लिए अशोक गहलोत जिम्मेदार, मुख्यमंत्री के ओएसडी ने सोशल मीडिया पर लिखा घटनाक्रम

जयपुर, 3 दिसम्बर (का.प्र.)। राजस्थान में कांग्रेस की हार के बाद में अब दोषारोपण शुरू हो गया है। दोषारोपण शुरू करते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओ.एस.डी. लोकेश शर्मा ने, जो एक्स पर लिखा है, उसके अनुसार इस पूरे घटनाक्रम और कांग्रेस की हार के लिए सिर्फ और सिर्फ अशोक गहलोत जिम्मेदार है। लोकेश शर्मा ने स्पष्ट रूप से लिखा है कि 25 सितंबर 2022 को जो घटनाक्रम हुआ, उसी दिन यह खेल शुरू हो गया था।

"लोकेश शर्मा ने लिखा है कि लोकतंत्र में जनता ही माई-बाप है और जनादेश शिरोधार्य है, विनम्रता से स्वीकार है।

मैं नतीजों से आहत जरूर हूँ, लेकिन अचंभित नहीं हूँ.. कांग्रेस पार्टी में निःसंदेह रिवाज़ बदल सकती थी लेकिन अशोक गहलोत जी कभी कोई बदलाव नहीं चाहते थे। यह कांग्रेस की नहीं बल्कि अशोक गहलोत जी की शिकस्त है।

गहलोत के चेहरे पर, उनको फ्री हैंड देकर, उनके नेतृत्व में पार्टी ने चुनाव लड़ा और उनके मुताबिक प्रत्येक सीट पर वे स्वयं चुनाव लड़ रहे थे।

न उनका अनुभव चला, न जादू और हर बार की तरह कांग्रेस को उनकी योजनाओं के सहारे जीत नहीं मिली और न ही अथाह पिंक प्रचार काम आया।

- "जब आलाकमान के खिलाफ़ विद्रोह कर अवमानना की गई और उसी दिन से शुरू हो गया था खेल।"

तीसरी बार लगातार सी.एम. रहते हुए गहलोत ने पार्टी को फिर हाशिये पर लाकर खड़ा कर दिया। आज तक पार्टी से सिर्फ़ लिया ही लिया है लेकिन कभी अपने रहते पार्टी की सत्ता में वापसी नहीं करवा पाए गहलोत..

आलाकमान के साथ फ़रेब, ऊपर सही फीडबैक न पहुँचने देना, किसी को विकल्प तक न बनने देना, अपरिपक्व और अपने फायदे के लिए जुड़े लोगों से घिरे रहकर आत्ममुग्धता में लगातार गलत निर्णय और आपाधापी में फैसले लिए जाते रहना, तमाम फीडबैक और सर्वे को दरकिनार कर अपनी मनमर्जी और अपने पसंदीदा प्रत्याशियों को उनकी स्पष्ट हार को देखते हुए भी टिकट दिलवाने की जिद...

आज के ये नतीजे तय थे। मैं स्वयं मुख्यमंत्री को यह पहले बता चुका था, कई बार आगाह कर चुका था लेकिन उन्हें कोई ऐसी सलाह या व्यक्ति अपने साथ नहीं चाहिए था जो सच बताए।

मैं छः महीने लगातार घूम-घूम कर राजस्थान के कस्बों-गांव-ढाणी में गया, लोगों से मिला, हजारों युवाओं के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किये, लगभग 127 विधानसभा क्षेत्रों को कवर करते हुए ग्राउंड रिपोर्ट सी.एम. को लाकर दी, ज़मीनी हक़ीकत को बिना लाग-लपेट सामने रखा ताकि समय पर सुधारात्मक कदम उठाते हुए फैसले किये जा सकें जिससे पार्टी की वापसी सुनिश्चित हो... मैंने खुद ने भी चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर की थी, पहले बीकानेर से फिर सीएम के कहने पर भीलवाड़ा से, जिस सीट को हम 20 साल से हार रहे थे, लेकिन ये नया प्रयोग नहीं कर पाए, और बीडी कल्ला जी के लिए मैंने 6 महीने पहले बता दिया था कि वे 20 हजार से ज्यादा मत से चुनाव हारेंगे और वही हुआ। अशोक गहलोत जी के पार्ट पर इस तरह फैसले लिए गए कि विकल्प तैयार ही नहीं हो पाए...25 सितंबर की घटना भी पूरी तरह से प्रायोजित थी, जब आलाकमान के खिलाफ़ विद्रोह कर अवमानना की गई और उसी दिन से शुरू हो गया था खेल..."

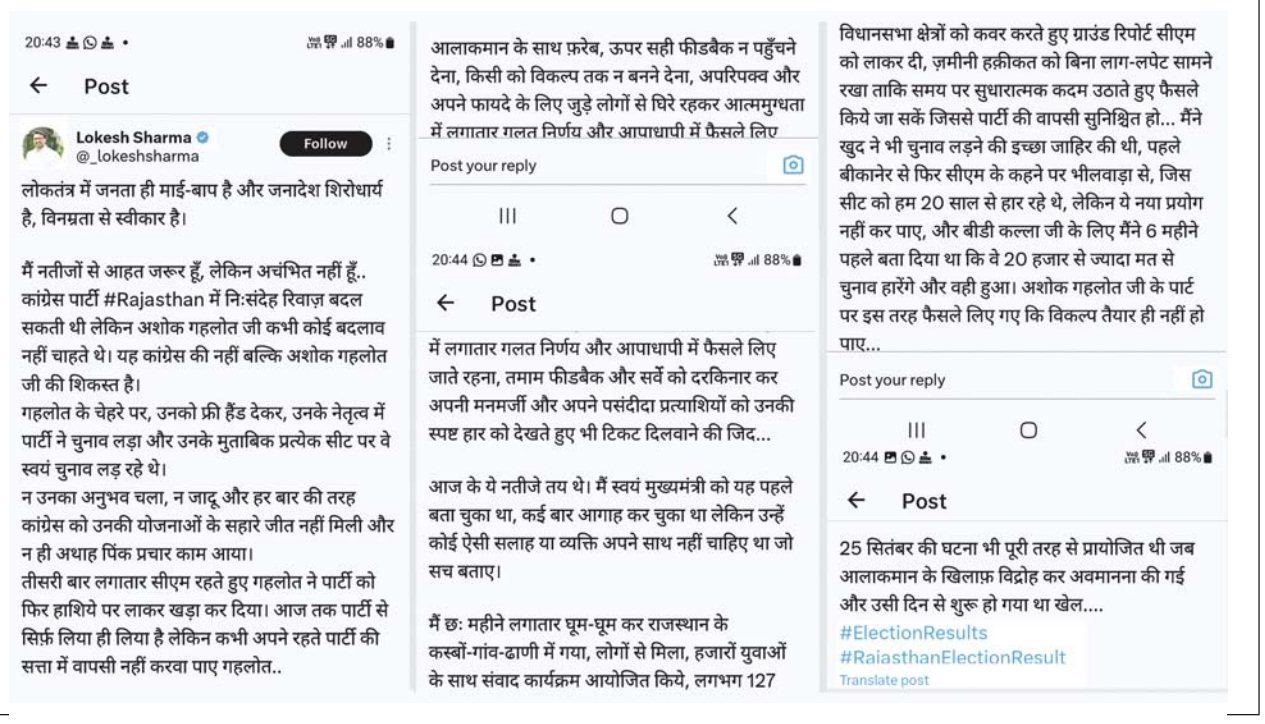

विचार बिन्दु

कलियुग में रहना है या सतयुग में यह तुम स्वयं चुनो, तुम्हारा युग तुम्हारे पास है। –विनोबा

नई सरकारों को शुभकामनाएं!

एक लम्बे चुनाव अभियान के बाद 25 नवंबर को हमने अपने मताधिकार का प्रयोग कर लिया और आज जब आप अपने अखबार में मेरा यह अतिथि संपादकीय पढ रहे होंगे तो इसी अखबार में यह समाचार भी प्रमुखता से छपा हुआ होगा कि राजस्थान सहित पांच राज्यों में अगले पांच बरस किस दल की सरकार जनता की सेवा करेगी। क्योंकि मणिपुर में मतगणना अन्य राज्यों से एक दिन बाद को होगी, वहां के बारे में स्थिति दोपहर तक साफ़ हो सकेगी। चुनाव अभियान के दौरान सभी राजनीतिक दलों ने हमें अर्थात आम मतदाता को यह एहसास कराया कि हम बहुत महत्वपूर्ण हैं और वे हमारे लिए सब कुछ करने को लालायित हैं। वैसे यह एहसास कराने के तौर तरीकों में काफी बदलाव आया है। मुझे तीन-चार दशक पहले का वह ज़माना भी याद है जब उम्मीदवार गली-गली, घर-घर आकर हाथ जोड़कर वोट की याचना करते थे। अब, कम से कम शहरों में प्राय: ऐसा नहीं होता। अधिक से अधिक यह होता है कि पहले चुनाव लड़ रहे नेताजी के समर्थक आकर हमें चेताते हैं कि नेताजी पधारने वाले हैं हम उनका स्वागत करने को तैयार रहें। प्राय: वे मालाएं भी हमें दे जाते हैं जो हम अपने घर के दरवाज़े पर पधारे हुए नेताजी को पहनाएंगे। थोड़ा या बहुत इंतज़ार करवाने के बाद नेताजी पधारते हैं, हम उन्हीं के कार्यकर्ताओं/समर्थकों द्वारा उपलब्ध कराई गई माला उन्हें पहना कर उनका स्वागत-अभिनंदन करते हैं और नेताजी अगले द्वार की तरफ बढ़ जाते हैं। हम धन्य हो जाते हैं। अगर सम्भव होता है तो किसी को कहकर इस ऐतिहासिक क्षण की एक फोटो भी खिंचवा लेते हैं और उस फोटो को तुरंत किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट भी कर देते हैं! हम धन्य हुए हैं तो दुनिया को पता भी तो चलना चाहिए! यह भला कौन सोचता है कि नेताजी वोट मांगने आए थे या अपना स्वागत करवाने! हमारे संतोष के लिए तो यही पर्याप्त है कि नेताजी हमारी गली में, हमारे दरवाज़े पर पधारे। अब पूरे पांच साल तो हमीं उनके दरवाज़े पर जाकर नाक रगड़ेंगे। चुनाव प्रचार पहले से बहुत अधिक भव्य और खर्चीला हो गया है। रैलियां और रोड शो शक्ति के साथ-साथ वैभव के प्रदर्शन का भी माध्यम बन गए हैं। इस बार के चुनाव में सबसे ज़्यादा अखरने वाली बात रही भाषिक शालीनता की विदाई। लगभग सभी दलों के प्रत्याशियों ने खराब भाषा और अशालीन अभिव्यक्तियों के मामले में जम कर प्रतिस्पर्धा की और हमारे लिए यह तय करना कठिन रहा कि इस प्रतिस्पर्धा में कौन अव्वल रहा! जहां तक वास्तविक प्रचार की बात है, कम से कम मैं तो यह समझ पाने में असमर्थ रहा, या विभिन्न दलों के प्रत्याशी मुझे समझाने में असमर्थ रहे कि मैं किसी को क्यों वोट दूं, या किसी को क्यों वोट न दूं! किसी के पास कोई एजेण्डा नहीं था। निश्चय ही सत्तारूढ दल के पास बताने को इतना तो था कि उसने बीते कुछ समय में क्या-क्या काम किए, लेकिन भविष्य का कोई स्पष्ट और विश्वसनीय रोड मैप उसके पास भी नहीं था, और न ही दूसरे पक्षों के पास ऐसा कुछ था। दूसरे पक्षों को तो एक ही काम करना था – वर्तमान सत्तारूढ दल की जम कर लानत-मलामत करना, और यह काम उन्होंने पूरी ताकत से किया। उनके लिए ऐसा करने का मौका भी था, दस्तूर भी। लेकिन अगर किसी ने यह जानने का प्रयास किया कि अगर वे सत्ता पर कबिज़ हो जाएंगे, तो क्या-क्या करेंगे, यह जानना कठिन ही रहा।

चुनाव प्रचार के दौरान मीडिया की भूमिका भी वैसी नहीं रही, जैसी रह सकती थी। पिछले कुछ बरसों में मुझे यह महसूस होने लगा है कि मीडिया पर सत्ता का शिकंजा कसता जा रहा है और वह जो तुमको हो पसंद वही बात कहेंगेवाले मोड में आ चुका है। जिस मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहकर सराहा जाता है और जिससे यह उम्मीद की जाती है कि वह बिना लाग-लपेट के खरी-खरी कहेगा, उसने अब अपनी भूमिका बदल ली है। अगर आप पिछले लगभग एक महीने के अखबारों को खंगालें तो पाएंगे कि उनमें सत्ता पक्ष की बात को ज़रूरत से ज़्यादा स्पेस मिली है। कहना अनावश्यक है कि सत्ता पक्ष में केंद्र की सत्ता और राज्य की सत्ता दोनों ही शामिल हैं। अगर कुछ अखबारों ने, अलग-अलग कारणों से वर्तमान सत्ता के प्रति आलोचनात्मक रवैया भी अख़्तियार किया तो उन्होंने प्राय: अपनी भूमिका को दूसरे पक्ष की प्रेस विज्ञिप्तयों को अधिक स्थान देने से आगे नहीं बढ़ाया। कुछ दलों के मीडिया प्रभाग ने वाकई अपने सक्रिय होने के भरपूर प्रमाण दिये और कुछ दलों के, भले ही वे कितने भी बडे क्यों न हो, मीडिया प्रभाग ने अपनी काहिली का परिचय देने में भी कोई कसर नहीं छोडी। अखबारों ने अपने-अपने चुने हुए पक्षों का महिमामण्डन और दूसरे पक्ष का ध्वस्तीकरण करने में इस बात की भी परवाह नहीं की कि ऐसा करके वे स्वयं अपनी छवि को भी धूमिल कर रहे हैं। इस दौरान अखबारों को पढते हुए प्राय: यह भ्रम हुआ कि उनका प्रकाशन किसी दल विशेष द्वारा किया जा गया है। और ऐसा ही हुआ एक्जिट पोल्स के मामले में भी। उन्हें देखकर लगा कि यह पहले से तय कर लिया गया है कि किसे जिताना और किसे हराना है। यह तय कर लेने के बाद खाली जगहों में आंकड़े भर दिये गए।

अब जबकि चुनाव परिणाम आ चुके हैं और हम सब यह जान चुके हैं कि ऊंट किस करवट बैठा है, अब यह उपयुक्त होगा कि चुनाव प्रचार के दौरान विभिन्न प्रत्याशियों और दलों द्वारा एक दूसरे के खिलाफ़ जो भी कहा गया, उसे भुला दिया जाए और जिस दल की सरकार बने उसे अन्य सभी पूरा सहयोग दें ताकि वह भली भांति अपना काम कर सके।

अब जबकि चुनाव परिणाम आ चुके हैं और हम सब यह जान चुके हैं कि ऊंट किस करवट बैठा है, अब यह उपयुक्त होगा कि चुनाव प्रचार के दौरान विभिन्न प्रत्याशियों और दलों द्वारा एक दूसरे के खिलाफ़ जो भी कहा गया, उसे भुला दिया जाए और जिस दल की सरकार बने उसे अन्य सभी पूरा सहयोग दें ताकि वह भली भांति अपना काम कर सके। विजेता पक्ष पर भी यह दायित्व है कि वह प्रतिपक्ष को पूरा सम्मान दे और उसकी बातों को सद्भावना के साथ सुने। चुनाव के समय एक दूसरे का विरोध समझ में आता है, लेकिन चुनाव हो जाने के बाद सबको मिल-जुलकर एकजुट होकर अपने प्रदेश के हित में काम करने में कृपणता नहीं बरतनी चाहिए। प्रदेश के विकास का दायित्व सभी का साझा दायित्व है। नई सरकार का यह भी दायित्व है कि वह चुनाव के दौरान उत्पन्न हुई कटुता को तुरंत विस्मृत कर दे और सबको साथ लेकर चले। इन सब में उसके अपने दल के सभी लोग भी शामिल हैं।

हम पिछले कुछ समय से देखते रहे हैं कि चुनाव हो जाने और सरकार बन जाने के बाद काफी समय तक विजेताओं और विशेष रूप से सरकार का हिस्सा बने जन प्रतिनिधियों के स्वागत सत्कार का सिलसिला चलता रहता है। इस सिलसिले को संक्षिप्त किया जाना ज़रूरी है। और यह प्रयास समर्थकों या अनुयाइयों द्वारा नहीं स्वयं विजेता और नव सत्तासीनों द्वारा ही हो सकता है। आप अपना स्वागत करवाने में जितना समय नष्ट कर रहे हैं उतने समय में कोई जन कल्याणकारी काम करें तो आपके समर्थकों और मतदाताओं को भी महसूस होगा कि उन्होंने अपने मत का सही प्रयोग किया है। हम हर चुनाव के बाद देखते हैं कि सत्ता में आए लोग इस आशय की घोषणा करते हैं कि वे वीआईपी संस्कृति को खत्म कर देंगे, शुरू-शुरू में दो-चार बार वे ऐसा करते भी हैं लेकिन फिर वे ख़ुद भूल जाते हैं कि उन्होंने क्या कहा था, और जैसे वीआईपी बने रहने में उन्हें खुद आनंद मिलने लगता है। मैं चाहूंगा कि अगर उनका इरादा वास्तव में इस व्यवस्था को छेडने का नहीं है तो कृपा करके इसे ख़त्म करने की मिथ्या घोषणा भी न करें। जनता का क्या है? उसे तो आदत है वीआईपी मूवमेण्ट के नाम पर असुविधाएं सहने की। पहले भी सह रही थी, आगे भी सहती रहेगी। कम से कम आप तो जनता की निगाहों में झूठे न बनें।

इसी तरह नए बने मंत्री अपने विभाग के कुछ कार्यालयों का दौरा करते हैं, औचक निरीक्षण करते हैं और यह सब अखबारों की सुर्खियों में आता है, लेकिन चार छह माह बीतते-बीतते मंत्री जी 'अन्य' कामों में इतने अधिक व्यस्त हो जाते हैं कि विभागीय कार्यालयों के निरीक्षण के लिए उनके पास कोई समय नहीं बचता है। मुझे याद नहीं आता कि सत्ता के दूसरे तीसरे बरस में किसी मंत्री ने अपने विभागीय कार्यालय का औचक निरीक्षण करने का कष्ट किया हो। अगर आप नियमित रूप से ऐसा नहीं कर सकते हैं, तो इसे शुरू भी न करें। माननीय विधायक गण अगर आगामी वर्षों में अपने मतदाताओं से जीवंत सम्पर्क बनाए रखेंगे तो इसका लाभ उन्हें अगले चुनाव में भी मिलेगा।

अंतिम बात मैं आम जन से, अर्थात अपने आप से कहना चाहता हूं। हमने जिन्हें चुना है, बेशक उनका सम्मान हमें करना चाहिए। लेकिन यह सम्मान करते हुए हमें उन्हें भगवान नहीं बना देना है। बशीर बद्र ने क्या खूब कहा है सर झुकाओगे तो पत्थर देवता हो जाएगा/ इतना मत चाहो उसे वो बेवफ़ा हो जाएगा। यह बात हमें भी याद रखनी है और उन्हें भी याद दिलाते रहना है कि वे अंतत: हमारे लिए हैं, हमारी बेहतरी के लिए हैं। अगर वे हमारी अपेक्षाएं पूरी न करें तो उन्हें टोकने का भी हमें हक़ है। असल में ऐसा नहीं है कि चुनाव के बाद नेता ही जनता को भूल जाते हैं, सच तो यह है कि वोट देने के बाद हम भी भूल जाते हैं कि हमने किसी को चुना था।

आइये, कामना करें कि अब ऐसा नहीं होगा। नई सरकार को अनंत शुभ कामनाएं!

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

मनुष्य सामाजिक प्राणी होने के नाते मनुष्यों के समूह के साथ अपनी पहचान बनाता है

महावीर सिंह

जाति भारतीय समाज की हकीकत है। अधिकांश भारतीय धर्म शास्त्रों में किसी न किसी प्रकार से जातियों का विवरण है। विभिन्न जातियों के बीच सामाजिक व्यवहार कैसा है, कैसा हो इसके भी उल्लेख मिल जाएंगे। बहुत सी जातियों के देवता धर्मस्थल भी अलग अलग मिल जाते है। भारत में जाति तो व्यक्ति के मरने के बाद भी उसका पीछा नहीं छोड़ती,श्मसान भी जातियों के अनुसार।

जाति व्यक्ति की एक बड़ी पहचान है। मनुष्य सामाजिक प्राणी होने के नाते, मनुष्यों के समूह के साथ अपनी पहचान बनाता है। उसकी सबसे पहली इडेन्टिटी उसके माता-पिता, बाद में परिवार, फिर गांव-शहर-देश-प्रदेश, से बनती है। धर्म, भाषा दूसरी बड़ी पहचान है। इनके अलावा एक जैसे प्रोफेसन्स-सेवा-समाज चेतना-सेवा कार्यों वाले ग्रुप्स, राजनीतिक विचारधाराओं पर आधारित ग्रुप्स व अन्य ऐसी ही समूह भी इडेन्टिटी का बड़ा आधार है। कुल मिलाकर, जाति भारतीय समाज में एक बड़ी इडेन्टिटी है जिसके आधार पर समाजों के लोग इक्कठे होकर अपने समाज से सम्बंधित विभिन्न बातों-समस्याओं-उप्लब्धदियों पर विचार करते हैं। भारतीय समाज में रीतिरिवाज, परिपाटियां, घोर अशिक्षा, अंधविश्वास, कुरीतियां, जाति आधारित पूर्वाग्रहों-दुराग्रहों के फैलने-फैलाने के अनेक धार्मिक, इतिहास से जुड़े कारण रहे है। इसी प्रकार बहुत से जातीय समूहों की सरकारों से कुछ अपेक्षाएं, मांगे होती है ।

यदि विभिन्न समाजों के लोग एकत्र होकर इन सब मुद्दों पर समय की मांग के अनुसार विचार कर, निर्णय करते है तो यह उन संगठनों की सार्थकता है और समाज के आव्हान पर लोग विभिन्न प्रतिगामी रीतिरिवाजों, अन्ध विश्वसों, जाति आधारित पूर्वाग्रहों-दुराग्रहों से दूर होते है तो यह उनके सामर्थ्य-प्रसांगिकता के प्रमाण होंगे।

उदाहरणार्थ समाज के लिए डाईन प्रथा, झाड़ फूंक से इलाज का अंधविश्वास-झोलाछाप डॉक्टरों से इलाज करवाना, तीव्र गति से फैलता तरह तरह के नशों का नाशूर, गैंगस्टरस को रोल मॉडल मान कर घृणित वारदातों की ओर आकर्षित होते युवा, दहेज प्रथा व उस से होने वाली मोतें या इस सम्बंध में लगने वाले झूठे आरोप, बाल विवाह कुप्रथा, मृत्युभोज के नाम पर दशो दिन बहुत बड़ी संख्या में लोगों को भोजन करवाना, शादी समरोह-जन्मोत्सव पर होने वाला अपव्यय, इस प्रकार के मसले हैं जिनमें सामूहिक सामाजिक निर्णय बहुत ही असरकारक हो सकते है बशर्ते इन संगठनों के कर्ताधर्ता स्वयं उदाहरण बनें।

दहेज के सम्बंध में जयपुर के पारीक समाज का एक बड़ा रोचक किस्सा है। 1699 में सांगानेर व आमेर के दो पारीक परिवारों हुई शादी में इतने धन का अपव्यय हुआ कि प्रबुद्ध नागरिकों नें यह निर्णय किया कि पारीक समाज में दहेज/पहरावणी में एक तय रकम से अधिक नहीं दिए जाएंगे। वर्तमानं में यह रकम 217 रु है। कुछ दूसरे समाज भी समय समय यह निर्णय करते है कि शादी में दहेज के नाम पर नारीयल व एक सौ रुपए दिए जाएं। विभिन्न समाज भी इसी प्रकार की कोई स्वस्थ परम्परा करें तो यह बहुत बड़ी बात होगी। यदि,जो समर्थ होता है वह दहेज का बड़ा दिखावा करता है तो उसके कम सामर्थ्यवान परिवार-कुन्बे वालों पर वैसा ही कुछ करने का मानसिक दबाव बनता है।ऐसा करने वालों की वितीय स्थिति खराब हो जाती है। विभिन्न जातियों की राज्य सरकार के निर्णयों से जुड़ी समस्याएं भी होती है। जाति उत्थान के लिए कुछ मांगे भी राज्य सरकार से सम्बंधित हो सकती है। उदाहरण के लिए लुहार, बढई, खाती, कुम्हार जतियों के पारम्परिक धंधों से जुड़े औजारों के उन्नयन की बात हो सकती है, बैंक ऋणों से सम्बंधित समस्या हो सकती है। इनके संगठन इस प्रकार की मांगें राज्य से कर सकते है।सरकार ही इस सम्बंध में कार्यवाही कर सकती है। किसान जातियों से जुड़े संगठन कृषि,पशुपालन से जुड़ी समस्याओं के समाधान की मांगें सरकार के समक्ष रख सकती है। उदहारण के लिए कृषि विविधीकरण के लिए प्रोत्साहन, कृषि उपजों के लिए लाभकारी मूल्य व उस पर क्रय की व्यवस्था, अन्य देशों से सब्सिडाइज्ड उत्पादों के सस्ते आयतों से किसानों की रक्षा, कम पानी की फसलों के लिए फार्म लेवल पर डिमोंस्टरेसन्स, विभिन्न अनुदान योजनाओं के ओर अधिक सरलीकरण, गलत नीतियों व कुछ संगठनों द्वारा की जाने वाली डराने-धमकाने जैसी कार्यवाहियों के चलते उत्पन्न आवारा पशुओं की समस्या, इन सब से से निजात इत्यादि।

विभिन्न राजकीय सेवाओं में विभिन्न वर्गों को आरक्षण देना केंद्र और राज्य सरकारों की नीतियां है। इनके अंतर्गत जारी आदेशों और उनके क्रियान्वयन से जुड़ी ग्रीवानसेज समय समय पर सामने आती रहती है। छोटे-बड़े आंदोलन भी होते रहते है। इन समस्याओं को इन संगठनों के माध्यम से सरकारों के सामने रखे जा सकती है।

सम्मेलन के समय संगठनों का दायित्व:-कुछ बड़ी जातियां,जब इस प्रकार के सम्मेलन करती है तो बड़ा जन समूह एक साथ होता है। इसलिए आयोजकों का दायित्व बनता है कि शहरियों का सामान्य यातायात, कानून व्यवस्था दुष्प्रभावित न हो। अत्यावश्यक कार्यों के लिए जाने वालों को परेशनियों का सामना न करना पड़े। इसके लिए समाज के बड़ी संख्या में वोलेंट्रीयस तैयार कर उन्हें इन सब व्यवस्थाओं के लिए ट्रेनिंग देकर तैनात किया जाए। बड़ी गेदरिंग्स सामने होने पर पोलिटीसियन्स उसका दुरुयोग करने के लालच का संवरण नहीं कर पाते। आयोजकों के लिए यह अत्यंत कठिन दायित्व बन जाता है कि ऐसा न हो पाए।असामाजिक तत्व भी विभिन्न प्रकार से ऐसे अवसरों का दुरुपयोग कर सकते हैं।आयोजकों के दायित्व होता है कि ऐसा न हो पाए।

नवाचार : हर समाज में विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले अत्यंत समान्नित लोग होते है। इन मंचों का अत्यंत सकारात्मक उपयोग होगा यदि ऐसे सहित्यकारों, कलाकारों, शिक्षकों, संगीतज्ञों, समाज सेवियों, प्रगतिशील कृषकों-कामगारों, अनेक लोगों को रोजगार देने वाले उद्यिमयों, व्यवसायियों, इत्यादि का सम्मान इन मंचों से किया जाए। पुछले कुछ समय से इस प्रकार के समाचार भी यदाकदा आते है जिसमें एक रुपया नातीयल में शादियां सम्पन्न हुई है। ऐसे जोड़ों को भी इन संगठनों के मंचों से सम्मानित किया जाना प्रशंसनीय होगा।इस से जातीय संगठनों की स्वीकार्यता बढेगी।

किसी भी संगठन की सबसे बड़ी ताकत उसकी सदस्यता प्रक्रिया, पदाधिकारीयों के चयन की पारदर्शी कार्य प्रणाली, नियमित बैठकें-विचार विमर्श व उधेयशयों की प्राप्ति के लिए सतत गतिविधियां होती है। ऐसे संगठन शिक्षा,स्वास्थ्य, समाज सुधार,विभिन्न लोगों को विभिन्न प्रकार से प्रोत्साहन देने के क्षेत्रों में ज्यादा व्यापक व लंबे समय तक,समाज की सर्व स्वीकार्यता के साथ समाज हित कार्य कर सकते है।

- महावीर सिंह
पूर्व आईएएस

ख्वाजा साहब का उर्स चांद दिखने पर 12 जनवरी को

अजमेर, (कासं)। ख्वाजा साहब के 812वें उर्स की शुरुआत चांद दिखाई देने पर 12 जनवरी की रात से हो सकती है। इस दिन सुबह जन्नती दरवाजा खोला जाएगा। उर्स का समापन 21 या 22 जनवरी को होगा। दरगाह कमेटी की ओर से जारी उर्स कार्यक्रम के अनुसार इस्लामी कैलंडर के जमादिल आखिरी महीने की 25 तारीख यानी 8 या 9 जनवरी को दरगाह के बुलंद दरवाजे पर झंडा चढ़ाया जाएगा। चांद की 29 तारीख को यानी 12 या 13 जनवरी को सुबह 4:30 बजे जन्नती दरवाजा खोला जाएगा। रजब महीने का चांद दिखाई देने पर महफिल ए समां और मजार शरीफ को गुसू देने का सिलसिला शुरू हो जाएगा। चांद नजर नहीं आने पर अगले दिन से ये रसुमात शुरू होंगी। 16 या 17 जनवरी को रात की अंतिम महफिल होगी और मजार शरीफ को गुसू दिया जाएगा।

प्रस्तावित कार्यक्रम में जानकारी दी गई है कि 18 या 19 जनवरी को 6 रजब के मौके पर कुल होगा। सुबह 11 बजे से महफिल खाना में कुल की महफिल शुरू होगी। दोपहर 1:15 बजे कुल की रस्म के साथ ही उर्स का समापन होगा। बड़ा कुल 21 या 22 जनवरी को होगा। उर्स के दौरान अकीदतमंद 12 व 19 जनवरी को जुमे की नमाज अदा करेंगे।

मतगणना केन्द्र के पास कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने बल प्रयोग किया

- **भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक जीते हुए प्रत्याशियों के लिए भीड़ में नारेबाजी कर रहे थे**

अजमेर, (कासं)। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा मतगणना केन्द्र व आसपास के क्षेत्र समेत अजमेर जिले व शहर में जुलूस व डीजे बजाने सहित आतिशबाजी पर प्रतिबंध लगाते हुए धारा 144 लागू की गई लेकिन रविवार को अजमेर शहर में नसीराबाद रोड स्थित पर्बतपुरा चौराहे पर पॉलिटेक्निक कॉलेज के बाहर पुलिस ने भाजपा समर्थकों पर लाठीचार्ज कर दिया।

भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक यहां पॉलिटेक्निक कॉलेज के बाहर जीते हुए प्रत्याशियों के लिए भीड़ में नारेबाजी कर रहे थे। पुलिस ने बेरिकेडिंग कर पहले तो भीड़ को रोकने का प्रयास किया, लेकिन भीड बेरिकेडिंग से निकल कर मतगणना केन्द्र की ओर बढ़ने लगी तो मामला बिगड़ता देख पुलिस को लाठियां चलानी पड़ी। गौरतलब है कि पॉलिटेक्निक कॉलेज को काउंटिंग सेंटर बनाया गया था। ऐसे में यहां भीड़ जुटती देख पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा।

मावठ से किसानों के चेहरे खिले, तापमान गिरने से धूजणी छूटी

- **करौली जिला मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में कभी कम तो कभी तेज बारिश हुई**
- **हिण्डौन सिटी शहर सहित आसपास के क्षेत्र में बारीश से तापमान में 5 से 7 डिग्री की गिरावट**

गंगापुर सिटी में मावठ से सड़कों पर पानी भर गया।

गंगापुर सिटी/करौली/हिण्डौन सिटी, (निसं)। रविवार को सुबह से ही वर्षा शुरू होने के कारण फसलो को अमृत मिल गया जिससे किसानों के चेहरे खिल उठे। वहीं दिनभर बरसात व हवा के चलने से तापमान गिर गया जिससे लोगों को दिनभर धूजणी लगती रही वहीं लोगों ने अलाव का सहारा लेते गर्म कपड़ों में लिपटे दिखे। इसके साथ ही गजक-मूंगफली सहित चाट-पकोड़ी की दुकानों पर भीड़ देखी गई। बरसात व सर्दी के कारण जहां दिन में देरी बाजार खुले वहीं शाम को पांच बजे ही बाजार बंद हो गए। इसके साथ ही लोगों ने रविवार को चुनाव परिणामों की घोषणा का आनंद भी सर्दी की वजह से घरों पर लिया। दिनभर चली बरसात से गंगापुर शहर के बाजारों में कीचड हो गया वहीं नालियों की सफाई नहीं होने से गंदापानी सडको पर बह निकला।

करौली जिला मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में रविवार को दिनभर कभी कम तो कभी तेज बारिश होती रही जिसके चलते सड़क पानी से जलमग्न हो गई। रविवार को मौसम ने अचानक पलटा खाया और प्रात: के समय सर्द हवाओं के बीच बूंदाबांदी का दौर शुरू हुआ। जिसके चलते कभी कम तो कभी तेज बारिश हुई। दिनभर आसमान में घने काले बादल छाए रहने से लोगों को सर्दी का एहसास हुआ और बाजारों में लोगों ने आलाप जलाकर सर्दी से बचाव किया वहीं मतगणना होने के कारण शहर के बाजार भी जल्दी बंद होने लग गए और लोगों ने अपने-अपने घरों पर पहुंचकर टीवी और मोबाइल के माध्यम से चुनाव परिणाम जाने।

हिंडौन में मावठ का दौर जारी, ठिठुरन बढ़ी किसान खुश : - हिण्डौन सिटी शहर सहित आसपास के क्षेत्र में रविवार दोपहर बाद शुरू हुआ जो देर रात तक जारी रहा इस दौरान तापमान में 5 से 7 डिग्री की गिरावट आ गई। जिससे ठिठुरन बढ़ गई तो वहीं रबी की फसल के लिए भारी फायदेमंद मानी जा रही मावट से किसान खुश नजर आ रहे हैं। उल्लेखनीय है कि गत लगभग एक सप्ताह से हिंडौन से आसपास के क्षेत्र में आसमान में कभी बदल घिरते तो कभी छट जाते यह दौर जारी रहा। इससे तापमान में थोड़ी गिरावट दर्ज जरूर हुई लेकिन मावट का इंतजार कर रहे किसान आसमान की ओर ताकते नजर आए। इसी बीच रविवार दोपहर चारों तरफ घने बादल घिर आए और बूंदाबांदी के साथ मावट का दौर शुरू हो गया। हालांकि बारिश की गति ज्यादा तेज नहीं थी। लेकिन रुक-रुक कर हुई बारिश का दौरा देर रात तक जारी रहा। जिससे शाम ढलने से पहले ही चारों तरफ अंधेरा छा गया। इस दौरान जहां पहले दिन का तापमान लगभग 20 से 25 डिग्री दर्ज किया जा रहा था, वही पारा 18 डिग्री पर जा गिरा जिससे मौसम में ठंडक बढ़ गई। लोग सर्दी से बचने के लिए अलाप का सहारा लेते हुए देखे गए तो वही शाम ढलने से पहले बाजार भी सुनसान नजर आए। हालांकि मौसम विभाग ने सुबह से ही क्षेत्र के 11 जिलों में अलर्ट जारी कर दिया था। जिसमें तेज गर्जना और हवा के साथ बारिश की संभावना जताई गई थी। मौसम विभाग का अनुमान सही निकला और मावट का दौर जारी रहा। इस तरह पानी की समस्या से जूझ रहे क्षेत्र के किसानों जो गत दिनों से बारिश की बाट जोह रहे थे उन्होंने राहत की सांस ली। क्षेत्र में पानी की बेहद कमी है जलस्तर ज्यादा गहरा होने के कारण पूरी कृषि बारिश पर निर्भर है। इस समय सरसों और गेहूं की फसल के लिए पानी की बेहद सख्त जरूरत मानी जा रही है। यह मावट इस फसल के लिए उर्वरक का काम करेगी। वहीं चना, तारामीरा आदि की फसल की बुवाई के लिए भी यह मावट बेहद फायदेमंद साबित होगी। जिससे किसानों के चेहरे खिले हुए हैं।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 4 दिसम्बर, 2023

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, सप्तमी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2080, मघा नक्षत्र रात्रि 12:35 तक, वैधृति योग रात्रि 9:17 तक, विष्टि करण सांय 7:28 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-वृश्चिक, बुध-धनु, गुरू-मेष, शुक्र-कन्या, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

रवियोग रात्रि 12:35 तक है। भद्रा प्रात: 8:44 तक रहेगी। आज वैधृति पूण्य, खरतगच्छ (जैन) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 8:23 तक, शुभ 9:41 से 10:59 तक, चर 1:35 से 2:53 तक, लाभ-अमृत 2:35 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 7:04, सूर्यास्त 5:29

मेष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

वृष

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी।

मिथुन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कर्क

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित योजना बनेगी।

सिंह

व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

कन्या

आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तुला

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

वृश्चिक

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

धनु

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है।

मकर

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कुंभ

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

प्रदेश में भाजपा ने 115 सीटें जीतीं

कांग्रेस को मिलीं केवल 69 सीट

सार्दुलशहर	भाजपा	गुरवीर सिंह	15460	ओम बिश्नोई	अजमेर दक्षिण	भाजपा	अनिता भदेल	4446	डॉ.द्रोपदी कोली
गंगानगर	भाजपा	जयदीप बिहानी	29779	करूणा अशोक चाण्डक	नसीराबाद	भाजपा	रामस्वरूप लांबा	1135	शिवप्रकाश गुर्जर
सूरतगढ़	कांग्रेस	डूंगाराम गेदर	50459	रामप्रताप कसानिया	ब्यावर	भाजपा	शंकर सिंह रावत	8878	पारसमल जैन
रायसिंह नगर	कांग्रेस	सोहनलाल नायक	14025	बलवीर सिंह लूथरा	मसूदा	भाजपा	वीरेन्द्र सिंह	26716	राकेश
अनूपगढ़	कांग्रेस	शिमला देवी	37881	संतोश बावरी	केकडी	भाजपा	शत्रुघन गौत्तम	7542	डॉ.रघु शर्मा
संगरिया	कांग्रेस	अभिमन्यू	42010	गुरदीप सिंह	लांडनू	कांग्रेस	मुकेश भाकर	15954	करणी सिंह
हनुमानगढ़	निर्दलीय	गणेश राज बंसल	9698	अमित साहू	डीडवाना	निर्दलीय	युनूस खान	2392	चेतन सिंह चौधरी
पीलीबंगा	कांग्रेस	विनोद कुमार	55273	धर्मेन्द्र कुमार	जायल	भाजपा	डॉ.मंजू बघमार	1565	डॉ.मंजू देवी
नोहर	कांग्रेस	अमित चांचन	895	अभिषेक मटोरिया	नागौर	कांग्रेस	हरेन्द्र मिर्धा	14620	ज्योति मिर्धा
भद्रा	भाजपा	संजीव कुमार	1132	बलवान पूनिया	खींवसर	रालोपा	हनुमान बेनीवाल	2059	रेवंत राम डांग
खाजूवाला	भाजपा	डॉ.विश्वनाथ मेघवाल	17374	गोविन्दराम मेघवाल	मेडता	भाजपा	लक्ष्मण राम	17515	शिवरतन
बीकानेर पश्चिम	भाजपा	जेठानंद व्यास	20194	भूलाकी दास कल्ला	डेगाना	भाजपा	अजय सिंह	7755	विजय पाल मिर्धा
बीकानेर पूर्व	भाजपा	सिद्धी कुमारी	19303	यशपाल गहलोत	मकराना	कांग्रेस	जाकिर हुसैन गैसावत	29314	सुमिता भींचर
कोलायत	भाजपा	अंशुमान सिंह भाटी	32933	भंवर सिंह भाटी	परबतसर	कांग्रेस	रामनिवास गवरिया	10316	मानसिंह किंसरिया
लूंणकरणसर	भाजपा	सुमित गोदारा	8869	डॉ. राजेन्द्र मूंड	नावां	भाजपा	विजय सिंह	23948	महेन्द्र चौधरी
डूंगरगढ़	भाजपा	ताराचंद	8125	मंगलाराम गोदारा	जैतारण	भाजपा	अविनाश गहलोत	13526	सुरेन्द्र गोयल
नोखा	कांग्रेस	सुशीला रामेश्वर डूडी	8149	बिहारी लाल	सोजत	भाजपा	शोभा चौहान	31772	निरंजन आर्य
सार्दुलपुर	बसपा	मनोज कुमार पुत्र सवाई सिंह	2574	कृष्णा पूनिया	पाली	कांग्रेस	भीमराज भाटी	7888	ज्ञानचन्द पारख
तारानगर	कांग्रेस	नरेन्द्र बुडानिया	10345	राजेन्द्र राठौड	मारवाड जं.	भाजपा	केसाराम चौधरी	33021	खुशवीर सिंह
सरदारशहर	कांग्रेस	अनिल कुमार शर्मा	22332	रामकरण चौधरी	बाली	भाजपा	पुष्पेन्द्र सिंह	10493	बद्रीराम जाखड
चूरू	भाजपा	हरलाल सहारन	6874	रफीक मंडेलिया	सुमेरपुर	भाजपा	जोराराम कुमावत	27382	हरीशंकर
रतनगढ़	कांग्रेस	पूसाराम गोदारा	29663	अभिनेश महर्षि	फलौदी	भाजपा	पब्बाराम बिश्नोई	10784	प्रकाश चन्द्र छंगानी
सुजानगढ़	कांग्रेस	मनोज कुमार	2453	संतोष मेघवाल	लोहावत	भाजपा	गजेन्द्र सिंह	10549	किशनाराम विश्नोई
पिलानी	कांग्रेस	पितराम सिंह काला	14845	राजेश कुमार दहिया	शेरगढ़	भाजपा	बाबू सिंह राठौड	25044	मीना कंवर
सूरतगढ़	कांग्रेस	सरवन कुमार पुत्र गोकल राम	37414	संतोष अहलावत	ओसियां	भाजपा	भेराराम चौधरी	2807	दिव्या मदेरना
झुंझुनूं	कांग्रेस	बृजेन्द्र सिंह ओला	28863	निशीत कुमार	भोपालगढ	कांग्रेस	गीता बरवार	24298	पुखराज गर्ग
मंडावा	कांग्रेस	कुमारी रीटा चौधरी	18717	नरेन्द्र कुमार	सरदारपुरा	कांग्रेस	अशोक गहलोत	26396	प्रो.डॉ.महेन्द्र राठौड
नवलगढ़	भाजपा	विक्रम सिंह जाखल	23180	डॉ.राजकुमार शर्मा	जोधपुर	भाजपा	अतुल भंसाली	13525	मनीषा पंवार
खेतड़ी	भाजपा	धर्मपाल	9114	मनोज घुमरिया	सूरसागर	भाजपा	देवेन्द्र जोशी	38759	शहजाद अयूब खान
फतेहपुर	कांग्रेस	हाकम अली खान	25993	श्रवण चौधरी	लूनी	भाजपा	जोगाराम पटेल	24678	महेन्द्र बिश्नोई
लछमनगढ़	कांग्रेस	गोविन्द सिंह डोटासरा	18970	सुभाष महरिया	बिलारा	भाजपा	अर्जुन लाल	10424	मोहनलाल कटारिया
धोद	भाजपा	गोर्धन	13378	पेमा राम	जैसलमेर	भाजपा	छोटू सिंह	18687	रूपाराम
सीकर	कांग्रेस	राजेन्द्र पारीक	30038	रतनलाल जलधारी	पोखरण	भाजपा	प्रताप पूरी	35427	शाले मोहम्मद
दांतारामगढ़	कांग्रेस	वीरेन्द्र सिंह	7997	गजानंद कुमावत	शिव	निर्दलीय	रविन्द्र सिंह भाटी	3850	फतेह खान
खण्डेला	भाजपा	सुभाष मील	42639	महादेव सिंह	बाडमेर	निर्दलीय	डॉ.प्रियंका चौधरी	13337	मेवाराम जैन
नीमकाथाना	कांग्रेस	सुरेश मोदी	33090	प्रेम सिंह बाजोर	बायतू	कांग्रेस	हरीश चौधरी	910	उम्मेदा राम बेनिवाल
श्रीमाधोपुर	भाजपा	झाबर सिंह खर्रा	14459	दीपेन्द्र सिंह	पचपदरा	भाजपा	अरूण चौधरी	2529	मदन प्रजापत
कोटपूतली	भाजपा	हंसराज पटेल	321	राजेन्द्र सिंह यादव	सिवाना	भाजपा	हमीर सिंह भायल	11807	सुनील परिहार
विराटनगर	भाजपा	कुलदीप	17589	इन्द्रराज सिंह गुर्जर	गुढामलानी	भाजपा	कृष्ण कुमार विश्नोई	15217	क.सोनाराम चौधरी
शाहपुरा	कांग्रेस	मनीष यादव	64908	आलोक बेनीवाल	चौहटन	भाजपा	अदुराम मेघवाल	1428	पदमाराम
चौमूं	कांग्रेस	डॉ.शिखा मील बराला	5695	राम लाल शर्मा	आहौर	भाजपा	छगन सिंह राजपुरोहित	11215	सरोज चौधरी
फुलेरा	कांग्रेस	विद्याधर सिंह	26898	निर्मल कुमावत	जालौर	भाजपा	जोगेश्वर गर्ग	19536	रमिला मेघवाल
दूदू	भाजपा	डॉ.प्रेम चन्द बैरवा	35743	बाबूलाल नागर	भीनमाल	कांग्रेस	समरजीत सिंह	1027	पूराराम
झोटवाडा	भाजपा	क.राज्यवर्धन राठौड़	50167	अभिषेक चौधरी	सांचौर	निर्दलीय	जीवाराम चौधरी	4671	सुखराम विश्नोई
आमेर	कांग्रेस	प्रशान्त शर्मा	9092	सतीश पूनिया	रानीवाडा	कांग्रेस	रतन देवासी	22362	नारायण सिंह देवल
जमवारामगढ़	भाजपा	महेन्द्र पाल मीणा	38427	गोपाल लाल मीणा	सिरोही	भाजपा	ओटाराम देवासी	35805	संयम लोढा
हवामहल	भाजपा	बालमुकुन्दाचार्य	974	आर.आर.तिवारी	पीण्डवाडा आबू	भाजपा	समाराम	13094	लीलाराम गरासिया
विद्याधर नगर	भाजपा	दिया कुमारी	71368	सीताराम अग्रवाल	रेवदर	कांग्रेस	मोतीराम	3564	जगसीराम
सिविल लाईन्स	भाजपा	गोपाल शर्मा	38329	प्रतापसिंह खाचरियावास	गोगुंदा	भाजपा	प्रताप लाल भील	3665	डॉ.मांगीलाल गरासिया
किशनपोल	कांग्रेस	अमीन कागजी	7056	चन्द्रमनोहर बटवाडा	झडौल	भाजपा	बाबूलाल खरादी	6488	हीरालाल दरांगी
आदर्श नगर	कांग्रेस	रफीक खान	14073	रवि कुमार नैय्यर	खेरवाडा	कांग्रेस	डॉ.दयाराम परमार	17244	नानालाल अहरी
मालवीय नगर	भाजपा	कालीचरण सर्राफ	35494	अर्चना शर्मा	उदयपुर ग्रामीण	भाजपा	फुलसिंह मीणा	27345	डॉ.विवेक कटारा
सांगानेर	भाजपा	भजन लाल शर्मा	48081	पुष्पेन्द्र भारद्वाज	उदयपुर	भाजपा	ताराचन्द जैन	32771	प्रो.गौरव वल्लभ
बगरू	भाजपा	कैलाश चन्द वर्मा	45250	गंगा देवी	मावली	कांग्रेस	पुष्कर लाल डांगी	1567	कृष्णगोपाल पालीवाल
बस्सी	कांग्रेस	लक्ष्मण	6314	चन्दमोहन मीणा	वल्लभनगर	भाजपा	उदयलाल डांगी	20060	प्रीति गजेन्द्रसिंह शेखावत
चाकसू	भाजपा	रामअवतार बैरवा	49380	वैद प्रकाश सौलंकी	सलूम्बर	भाजपा	अमृत लाल मीणा	14691	रघुवीर सिंह मीणा
तिजारा	भाजपा	महन्त बालक नाथ	6173	इमराम खान	धरियावद	भाआपा	थावर चन्द	6691	कन्हैयालाल
किशनगढ बास	कांग्रेस	दीपचन्द खेरिया	10496	रामहेत सिंह यादव	डूंगरपुर	कांग्रेस	गणेश घोघरा	19053	कांतीलाल रोट
मूंडावर	कांग्रेस	ललित यादव	35624	मंजित धर्मपाल चौधरी	आसपुर	भाआपा	उमेश मीणा	28940	गोपीचंद
बहरोड	भाजपा	डॉ.जसवंतसिंह यादव	17223	बलजीत यादव	सागवाडा	भाजपा	शंकरलाल डेचा	11999	मोहनलाल रोट
बानसूर	भाजपा	देवी सिंह शेखावत	7420	रोहिताश कुमार	चौरासी	भाआपा	राजकुमार रोट	69166	सुशील कटारा
थानागाजी	कांग्रेस	कांती प्रसाद	1939	हेमसिंह	घाटौल	कांग्रेस	नानालाल निनामा	3691	अशोक कुमार
अलवर ग्रामीण	कांग्रेस	टीकाराम जूली	27333	जयराम जाटव	गढी	भाजपा	कैलाश चन्द मीणा	15107	शंकरलाल चरपोटा
अलवर शहर	भाजपा	संजय शर्मा	9087	अजय अग्रवाल	बांसवाडा	कांग्रेस	अर्जुन सिंह बामनिया	1400	धनसिंह रावत
रामगढ़	कांग्रेस	जुबैर खान	19696	सुखवंत सिंह	बागीडोरा	कांग्रेस	महेन्द्रजीतसिंह मालवीय	41355	जयकृष्ण पटेल
राजगढ़-लक्ष्मणगढ	कांग्रेस	मांगीलाल मीणा	22567	बन्नाराम मीणा	कुशलगढ	कांग्रेस	रमिला खदीया	9804	भीमा भाई
कठूमर	भाजपा	रमेश खींची	409	संजना	कपासन	भाजपा	अर्जुन लाल जींगर	21344	शंकरलाल बैरवा
कामां	भाजपा	नौक्षम	13906	मुख्त्यार अहमद	बेगूं	भाजपा	डॉ.सुरेश धाकड	50661	गुर्जर राजेन्द्रसिंह बिधूरी
नगर	भाजपा	जवाहर सिंह बेढम	1531	वाजिब अली	चित्तौडगढ	निर्दलीय	चन्द्रभानसिंह चौहान	6823	सुरेन्द्र सिंह जडावत
डीग-कुम्हेर	भाजपा	डॉ.शैलेश सिंह	7895	विश्वेन्द्र सिंह	निम्बाहेडा	भाजपा	श्रीचन्द कृपलानी	3845	अंजना उदयलाल
भरतपुर	रालोद	डॉ.सुभाष गर्ग	5387	विजय बंसल	बड़ी सादड़ी	भाजपा	गौतम कुमार	11832	बद्रीलाल जाट
नदबई	भाजपा	जगत सिंह	15767	जोगिन्दरसिंह अवाना	प्रतापगढ़	भाजपा	हेमंत मीणा	25109	रामलाल मीणा
वैर	भाजपा	बहादुर सिंह	6972	भजन लाल जाटव	भीम	भाजपा	हरी सिंह रावत	31768	सुदर्शन सिंह रावत
बयाना	निर्दलीय	डॉ.ऋतु बनावत	40642	अमर सिंह	कुम्भलगढ़	भाजपा	सुरेन्द्रसिंह राठौड़	22060	योगेन्द्र सिंह परमार
बसेडी	कांग्रेस	संजय कुमार	27110	सुखराम	राजसमंद	भाजपा	दीप्ति किरण माहेश्वरी	31962	नारायण सिंह भाटी
बारी	बसपा	जसवंतसिंह गुर्जर	27424	गिर्रराज सिंह मलिंगा	नाथद्वारा	भाजपा	विश्वराज सिंह मेवाड़	7504	सीपी जोशी
धौलपुर	कांग्रेस	शोभा रानी कुशवाह	16789	रितेश शर्मा	असींद	भाजपा	जब्बर सिंह सांखला	1526	हगिमीलाल मेवाड़ा
राजाखेडा	कांग्रेस	रोहित बोहरा	15557	नीरजा शर्मा	मांडल	भाजपा	उदयलाल भडाना	35878	रामलाल जाट
टोडाभीम	कांग्रेस	घनश्याम	28861	रामनिवास मीणा	सहाडा	भाजपा	लादूलाल पितलिया	62519	राजेन्द्र त्रिवेदी
हिण्डौन	कांग्रेस	अनीता जाटव	38276	राजकुमारी जाटव	भीलवाड़ा	निर्दलीय	अशोक कुमार कोठारी	10778	ओमप्रकाश नारानीवाल
करौली	भाजपा	दर्शन सिंह	2183	लखन सिंह	शाहपुरा	भाजपा	लालाराम बैरवा	59298	नरेन्द्र कुमार रैगर
सपोटरा	भाजपा	हंसराज मीणा	43834	रमेश चन्द मीणा	जहाजपुर	भाजपा	गोपीचंद मीणा	580	धीरज गुर्जर
बांदीकुई	भाजपा	भागचंद टंकडा	12380	गजराज खटाना	मांडलगढ़	भाजपा	गोपाललाल शर्मा	8194	विवेक धाकड़
महुवा	भाजपा	राजेन्द्र	7917	ओमप्रकाश हुडला	हिंडौली	कांग्रेस	अशोक	45004	प्रभुलाल सैनी
सीकराय	भाजपा	विक्रम बंसीवाल	9428	ममता भूपेश	केशवराय पाटन	कांग्रेस	चुन्नीलाल सीएल प्रेमी बैरवा	17087	चन्द्रकांता मेघवाल
दौसा	कांग्रेस	मुरारीलाल मीणा	31204	शंकर लाल मीणा	बूंदी	कांग्रेस	हरिमोहन शर्मा	18814	अशोक डोगरा
लालसोट	भाजपा	रामविलास	47068	परसादी लाल	पीपलदा	कांग्रेस	चेतन पटेल कोलाना	21005	प्रेमचंद गोचर
गंगापुर	कांग्रेस	रामकेश	19268	मानसिंह गुर्जर	सांगोद	भाजपा	हीरालाल नागर	25586	भानुप्रताप सिंह
बामनवास	कांग्रेस	इन्द्रा	7865	राजेन्द्र	कोटा उत्तर	कांग्रेस	शांतिलाल धारीवाल	2486	प्रहलाद गुंजल
सवाईमाधोपुर	भाजपा	किरोड़ी लाल	22510	दानिश अबरार	कोटा दक्षिण	भाजपा	संदीप शर्मा	11962	राखी गौतम
खंडार	भाजपा	जितेन्द्र कुमार गोठवाल	14015	अशोक	लाडपुरा	भाजपा	कल्पना देवी	25522	नईमुद्दीन गुड्डू
मालपुरा	भाजपा	कन्हैयालाल	16189	घासीलाल चौधरी	रामगंज मंडी	भाजपा	मदन दिलावर	18422	महेन्द्र राजोरिया
निवाई	भाजपा	रामसहाय वर्मा (रैगर)	12941	प्रशान्त बैरवा	अंता	भाजपा	कंवरलाल	5861	प्रमोद जैन
टोंक	कांग्रेस	सचिन पायलट	29475	अजीत सिंह मेहता	किशनगंज	भाजपा	ललित मीणा	22281	निर्मला
देवली-उनियारा	कांग्रेस	हरीश चन्द मीणा	19175	विजय सिंह बैंसला	बारां अटरू	भाजपा	राधेश्याम बैरवा	19754	पानाचंद मेघवाल
किशनगढ़	कांग्रेस	विकास चौधरी	3620	सुरेश टाक	छबड़ा	भाजपा	प्रतापसिंह सिंघवी	5108	करन सिंह
पुष्कर	भाजपा	सुरेश सिंह रावत	13869	नसीम अख्तर	डग	भाजपा	कालूराम	22261	चेतराज
अजमेर उत्तर	भाजपा	वासुदेव देवनानी	4644	महेन्द्र सिंह रलावता	झालरापाटन	भाजपा	वसुंधरा राजे	53193	रामलाल
					खानपुर	कांग्रेस	सुरेश गुर्जर	8425	नरेन्द्र नागर
					मनोहर थाना	भाजपा	गोविंद प्रसाद	24865	कैलाशचंद

दीया कुमारी ने विद्याधर नगर के निवासियों को दिया जीत का श्रेय

जयपुर। राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 के परिणामों में, दीया कुमारी ने विद्याधर नगर विधानसभा सीट से 71,368 मतों से शानदार जीत दर्ज की है। यह राजस्थान में किसी भी उम्मीदवार द्वारा दर्ज की गई सबसे बड़ी जीत है। दीया कुमारी की जीत को राजस्थान में भाजपा की बढ़ती लोकप्रियता का प्रतीक माना जा रहा है।

इस अवसर पर दीया कुमारी ने विद्याधर नगर के निवासियों को जीत का श्रेय दिया। कहा यह जीत सिर्फ मेरी नहीं है, यह विद्याधर नगर के हर वासी की है, हर भाई-बहन-बेटी की है, पार्टी के सभी कर्मठ कार्यकर्ताओं की है, जिन्होंने अपने निश्छल प्रेम और अथक परिश्रम से मुझे विद्याधर नगर की सेवा का यह स्वर्णिम अवसर प्रदान किया है। उन्होंने जनता को आश्वस्त करते हुए कहा कि मैं विद्याधर नगर की जनता की सेवा के लिए प्रतिबद्ध हूं। मैं क्षेत्र के विकास के लिए हर संभव प्रयास करूंगी। गौरतलब है कि दीया कुमारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उम्मीदवार थीं, जिन्होंने कांग्रेस के उम्मीदवार सीताराम अग्रवाल को हराया। दीया कुमारी को 1,58,516 वोट मिले, जबकि सीताराम अग्रवाल को 89,780 वोट मिले।

'भाजपा की यह जीत प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी की जीत है'

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे ने कहा कि राजस्थान में भाजपा की यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी की जीत है। उनके मंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास की जीत है। उन्होंने कहा कि यह जीत केंद्रीय मंत्री अमित शाह की रणनीति व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के कुशल नेतृत्व की जीत है। अपने सरकारी आवास पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि यह जीत 2024 में मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाने की जीत है। राजे ने कहा कि यह जीत हमारे कार्यकर्ताओं की जीत है, जो दिन रात प्रधानमंत्री के सपने को साकार करने की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं। यह जीत राजस्थान की जनता जनार्दन की जीत है, जिसने कांग्रेस के कुराज को ठुकराया और भाजपा के सुराज को अपनाया। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं और मतदाताओं का भी आभार व्यक्त किया।

भाजपा की जीत जनता की जीत है : गजेन्द्र सिंह

जयपुर। विधानसभा चुनाव 2023 के परिणाम आने के बाद भाजपा को पूर्ण बहुमत मिला है। भाजपा प्रदेश कार्यालय में आज दिनभर कार्यकर्ताओं ने भाजपा की जीत पर जश्न मनाया इस दौरान कार्यकर्ता ढोल और डीजे पर जमकर नाचे मिठाईयां बांटी गई। साथ ही जमकर आतिशबाजी भी की गई।

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने भाजपा की जीत पर जनता जनार्दन का अभिनंदन और स्वागत किया। शेखावत ने कहा कि प्रदेश की जनता ने सुशासन को चुना है, अब राजस्थान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार सर्वांगीण विकास के लिए काम करेगी। भाजपा की जीत जनता की जीत है क्योंकि भाजपा अत्योंदय की दिशा में समाज के वंचित शोषित और अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के हित में काम करती है। भाजपा के संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने भाजपा की जीत को जन-जन की जीत बताते हुए कहा कि प्रदेश की जनता कांग्रेस के कुशासन से पूरी तरह त्रस्त थी इसलिए जनता ने गहलोत सरकार की गारंटियों को नकार दिया है।

मुख्यमंत्री गहलोत ने दिया इस्तीफा

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को राजभवन पहुंचकर राज्यपाल कलराज मिश्र को मुख्यमंत्री पद से अपना त्यागपत्र सौंपा। राज्यपाल ने त्यागपत्र स्वीकार करते हुए उनसे राज्य में नई सरकार के गठन होने तक कार्य करते रहने का आग्रह किया है।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

अशोक गहलोत के नेतृत्व में तीसरी बार सत्ता गंवाई कांग्रेस ने

- अशोक गहलोत के मंत्रिमंडल के अधिकांश चेहरे सदन से बाहर हुए, 17 मंत्री चुनाव हारे

जयपुर (का.प्र.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में कांठोस ने राजस्थान में लगातार अपनी सरकार को तीसरी बार गंवा दिया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की खुद का चेहरा चमकाने के तमाम प्रयासों के बावजूद राजस्थान की जनता ने स्पष्ट जनादेश देते हुए भाजपा को सत्ता के शिखर पर पहुंचा दिया।

राजस्थान में 199 सीटों पर हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे में भाजपा ने 115 सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं कांग्रेस 68 सीटों पर समेट गई। वहीं सहयोगी आरएलडी एक सीट जीत पाई। ऐसे में राजस्थान में भाजपा स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में पहुंच गई है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपनी हार स्वीकार करते हुए रविवार शाम को राज भवन पहुंचकर अपना इस्तीफा राज्यपाल कलराज मिश्र को सौंप दिया। गहलोत ने राजस्थान के नतीजों के बाद अपनी हार स्वीकार करते हुए कहा कि राजस्थान की जनता द्वारा दिए गए जनादेश को हम विनम्रतापूर्वक स्वीकार करते हैं। यह सभी के लिए एक अप्रत्याशित परिणाम है। यह हार दिखाती है कि हम अपनी योजनाओं, कानूनों और नवाचारों को जनता तक पहुंचाने में पूरी तरह कामयाब नहीं रहे। उन्होंने नई सरकार को शुभकामनाएं दी।

चुनाव परिणाम से एक बार फिर साबित हो गया है कि सरकार का वर्तमान मंत्रिमंडल जनता की नाराजगी का शिकार होता है और अधिकांश मंत्री चुनाव हार जाते हैं। यह बात साबित करती है कि लोगों की नाराजगी कांग्रेस से नहीं, बल्कि कांग्रेस के फिर से रिपीट होने वाले चेहरों से ज्यादा थी। यही कारण है कि गहलोत मंत्रिमंडल में शामिल अधिकांश चेहरे चुनाव हार कर सदन से बाहर हो गए।

गहलोत सरकार के आधे से ज्यादा मंत्री चुनाव हार गए हैं। 25 में से 17 मंत्रियों की हार हुई है। हारने वाले मंत्रियों में कैबिनेट मंत्री विश्वेंद्र सिंह, परसादी लाल मीणा, रमेश मीणा और गोविंद राम मेघवाल के नाम प्रमुख है। कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास जयपुर की सिविल लाइंस और मंत्री भंवर सिंह भाटी कोलायत से चुनाव हार गए हैं। जबकि सहाकारिता मंत्री उदयलाल आंजना भी चुनाव हार गए हैं। गहलोत सरकार में उद्योग मंत्री शकुंतला रावत अलवर जिले की बानसूर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव हार गई हैं, जबकि दौसा जिले की सिकराय महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश चुनाव हार गई है।

खाजूवाला से मंत्री गोविंद राम मेघवाल, कोलायत से भंवर सिंह भाटी, सपोटरा से रमेश मीणा, लालसोट से परसादीलाल मीणा, डीग-कुम्हेर से विश्वेंद्र सिंह, सिविल लाइंस से प्रताप सिंह खाचरियावास, सिकराय से ममता भूपेश, बानसूर से शकुंतला रावत, कोटपूतली से राजेंद्र यादव, बीकानेर पश्चिम से बी डी कल्ला, पोकरण से सालेह मोहम्मद, मांडलगढ़ से राम लाल जाट, सांचौर से सुखराम विश्नोई, निंबाहेड़ा से उदयलाल आंजना, कामां से जाहिदा खान, अंता से प्रमोद जैन भाया और वैर से भजन लाल जाटव चुनाव हार गये हैं।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व वाले राजस्थान मंत्रिमंडल के 17 मंत्री जहां चुनाव हार गए, वहीं चुनाव जीतने वाले मंत्रियों में महेंद्रजीत सिंह मालवीय अर्जुन सिंह बामनिया, गहलोत सरकार में नंबर दो माने जाने वाले यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल भी चुनाव जीतने में सफल रहे हैं।

वही मंत्री अशोक चांदना भी एक बार फिर सदन में पहुंचने में कामयाब हुए हैं। इसके साथ ही सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली अलवर ग्रामीण से चुनाव जीतने में सफल रहे हैं। जबकि दौसा से सचिन पायलट समर्थक माने जाने वाले मंत्री मुरारी लाल मीणा चुनाव जीत गए हैं। इसी प्रकार परिवहन मंत्री बृजेंद्र ओला झुंझुनूं से चुनाव जीत गए हैं।

गहलोत सरकार के दो मंत्रियों ने इस बार चुनाव नहीं लड़ा। वन मंत्री हेमाराम चौधरी और कृषि मंत्री लालचंद कटारिया ने चुनाव नहीं लड़ा था, वहीं मंत्री महेश जोशी को टिकट नहीं दिया गया था।

भाजपा कार्यालय में रहा जश्न का माहौल

भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर कार्यकर्ताओं ने भाजपा की जीत का जश्न मनाया और नरेन्द्र मोदी व अमित शाह के मुखौटे पहन नारेबाजी की।

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर ढोल-नगाड़ों के साथ जश्न हुआ। सुबह 8 बजे से शुरू हुई मतगणना में बैलेट पेपर से आए रुझानों में भाजपा ने जो बढ़त हासिल की। उसे कांग्रेस आखिरी तक पछाड़ने में नाकामयाब रही। उसके बाद भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर ढोल-नगाड़े और डीजे के साथ जश्न में कार्यकर्ता झूमने-नाचने लगे। इस दौरान भाजपा मुख्यालय पर जय श्री राम, हर घर मोदी और भगवा आएगा जैसे नारे गूंजते रहे।

खास बात यह रही कि नारेबाजी या कार्यकर्ताओं के हाथ में बैनर में प्रदेश नेतृत्व के किसी नेता का चेहरा मौजूद नहीं था, यहां तक की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की चर्चा भी प्रदेश मुख्यालय से नदारद रही, हालांकि शमा को राजे मुख्यालय पहुचकर प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, सगठन महामंत्री चन्द्रशेखर, प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह सहीत भाजपा नेताओं से मुलाकात की।

प्रदेश मुख्यालय पर जारी जश्न और नाच-गाने के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के मुखौटे नजर आए। लगातार कार्यकर्ता इन दोनों के चेहरे को आगे रखकर जश्न मनाते हुए दिखे। छोटे-बडे कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुखौटे को लगाकर यह संकेत दे दिया कि प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे के दम पर भाजपा जीत कर आई है।

MSME
MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
एमएसएमई-डवलपमेंट एण्ड फेंसीलिटेशन ऑफिस
माइक्रो, लघु एवं मध्यम एन्टरप्राइजेज मंत्रालय
भारत सरकार
22 गोदाम औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर-302006
फोन- 0141-2210553 ईमेल- dcdi-jaipur@dcmsme.gov.in
एमएसएमई- डवलपमेन्ट एंड फेसीलिटेशन ऑफिस, जयपुर को विश्वकर्मा आर्ट एण्ड डिजाइन फैडरेशन से फर्नीचर निर्माण समूह, जयपुर के लिये कामन फेसीलिटी सेन्टर बनाने के लिये प्रस्ताव प्राप्त हुआ है।
इस संदर्भ में, उसी समूह/स्थान के लिये किसी अन्य एन्टरप्राइजेस ग्रुप से प्रस्ताव आमंत्रित है, यदि वे तथा प्रस्ताव प्रस्तुत करना चाहे अथवा पहले से प्रस्तुत प्रस्ताव वाले ग्रुप में जुडना चाहे।
इस विज्ञापन के प्रकाशित होने के 15 दिन में कृपया इस इन्सीट्यूट को अपना प्रस्ताव भेजें।
CBC 25113/12/0063/2324

मारवाड़-जोधपुर में अशोक गहलोत कोई प्रभाव नहीं छोड़ सके

गहलोत का पायलट को सत्ता से दूर रखने के चलते भाजपा सत्ता पर काबिज हुई

जालोर, (कासं)। प्रदेशभर में मारवाड़ क्षेत्र की नजरें टिकी हुई थी। मारवाड़ जोधपुर में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपने क्षेत्र में कोई प्रभाव नहीं छोड़ सके। वहीं इस क्षेत्र में पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट द्वारा भी एक भी सभा नहीं करने से इसका भी असर सीधा देखा गया। गहलोत का पायलट को सत्ता से दूर रखने के चलते इस बार भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता पर काबिज हुई। मारवाड़ में भाजपा को 23, कांग्रेस को 7 व निर्दलीय तीन प्रत्याशी ने जीत दर्ज की।

प्रदेशभर में इस बार कई जगह परिणाम चौकाने वाले नजर आये। मारवाड़ क्षेत्र मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का क्षेत्र होने से यह हमेशा भाजपा का गढ़ रहा है। तथा मुख्यमंत्री ने इस क्षेत्र में अपने कार्यकाल में कई विकास कार्य करवाये। लेकिन उनके विकास कार्य भी इस बार चुनाव में बौने साबित हुए। सिरोही जिले की तीन सीटो में सिरोही सीट से मुख्यमंत्री के सलाहकार कांग्रेस के संयम लोढा को भाजपा के ओटाराम देवासी ने 35805 मतों से पराजित किया। भाजपा के ओटाराम देवासी को 114729 मत, कांग्रेस के संयम लोढा को 78924 मत मिले। वही पिण्डवाडा आबू से भाजपा के समाराम गरासिया ने कांग्रेस के लीलाराम गरासिया को 13094 मतों से पराजित किया। भाजपा के समाराम गरासिया ने 70647, कांग्रेस के 57553 मत प्राप्त किये। वही रेवदर से कांग्रेस के मोतीराम ने भाजपा के जगसीराम को 3564 मतों से पराजित किया। कांग्रेस के मोतीराम कोली 93120 मत व जगसीराम कोली को 89556 मत मिले। वही जैसलमेर की दोनो सीटें भाजपा की झोली जाती नजर आई। जैसलमेर सीट पर भाजपा के छोटूसिंह ने कांग्रेस के रूपाराम को 18687 मतो से पराजित किया। भाजपा के छोटू सिंह को 104636 मत व कांग्रेस के रूपाराम को 85949 मतों से पराजित किया।

- **गहलोत ने इस क्षेत्र में अपने कार्यकाल में कई विकास कार्य करवाये लेकिन वे भी बौने साबित हुए**
- **मारवाड़ में भाजपा को 23, कांग्रेस को सात व तीन निर्दलीय प्रत्याशी को जीत मिली**

वही पोकरण सीट सबसे होट सीट थी। इस सीट पर मुख्यमंत्री के मंत्री रहे कांग्रेस के साले मोहम्मद को भाजपा के प्रतापपुरी ने 35427 मतो से पराजित किया। भाजपा के प्रतापपुरी को 112925 मत व कांग्रेस के साले मोहम्मद को 77498 मत हासिल किये। बाड़मेर जिले की सात सीटों में से चार सीटो पर भाजपा व दो सीटों पर कांग्रेस एवं एक सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी विजयी हुए। बाड़मेर जिले में कांग्रेस के मेवाराम जैन को भाजपा की बागी निर्दलीय प्रियंका चौधरी ने प्रत्याशी 13337 मतों से पराजित किया। भाजपा की बागी निर्दलीय प्रियंका चौधरी ने 106948 मत व कांग्रेस के मेवाराम जैन को 93611 मत व भाजपा के दीपक कडवसरा को 5355 मत मिले। भाजपा प्रत्याशी को सबसे कम मत मिले। वही बायतु सीट से कांग्रेस के हरीश चौधरी ने आरएलपी के उम्मेदाराम बेनीवाल को 910 तो से पराजित किया। कांग्रेस के हरीश चौधरी ने 76821 मत व आरएलपी के उम्मेदाराम बेनीवाल को 75911 मत भाजपा के बाला मूढ को 51720 मत मिले।

वहीं चौहटन सीट पर भाजपा के आदूराम मेघवाल ने भाजपा के पदमाराम को 1428 मतों से पराजित किया। गुडामालानी विधानसभा क्षेत्र से मंत्री हेमाराम चौधरी के चुनाव नहीं लड़ने से कांग्रेस से सीट खिसक गई। गुड़ामालानी में पूर्व विधायक लादूराम के पुत्र कृष्ण कुमार विश्नोई ने कांग्रेस के कर्नल सोनाराम चौधरी को 15217 मतो से पराजित किया। भाजपा के के के विश्नोई ने 107632 मत, कांग्रेस के सोनाराम को 92415 मत मिले। वहीं पचपदरा सीट से कांग्रेस के मदन प्रजापत ने बालोतरा को जिला बनने के बाद भी जनता ने नकारते हुए पूर्व मंत्री अमराराम के पुत्र अरूण चौधरी ने कांग्रेस के प्रजापत को 2529 मतो से पराजित किया। सिवाना सीट से भाजपा के हमीरसिंह ने निर्दलीय सुनील परिहार को 11807 मतो से पराजित किया। पाली जिले की छह सीटो में से पांच सीट पर भाजपा व एक सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी ने जीत दर्ज की। पाली जिले से भाजपा के ज्ञानचंद को कांग्रेस के भीमराज भाटी ने 7874 मतों से पराजित किया।

जैतारण से भाजपा के अविनाश गहलोत ने कांग्रेस के सुरेन्द्र गोयल को 13526 मतो से पराजित किया। बाली से भाजपा के पुष्पेन्द्रसिंह ने कांग्रेस के बद्रीराम जाखड को 10493 मत से पराजित किया। सोजत से भाजपा के शोभा चौहान ने कांग्रेस के निरंजन आर्य को 31772 मतो से पराजित किया। भाजपा की शोभा चौहान को 94852 मत व कांग्रेस के निरंजन आर्य को 63080 मत मिले। वही सुमेरपुर से भाजपा के जोराराम कुमावत ने कांग्रेस के हरिशंकर मेवाडा को 27382 मतो से पराजित किया। मारवाड़ जंक्शन से भाजपा के केसाराम ने कांग्रेस के खुशवीर जोजावर को 33021 मतो से पराजित किया। जोधपुर की दस सीटों में से आठ में भाजपा व दो में कांग्रेस प्रत्याशी विजयी हुए। जोधपुर में भाजपा के अतुल भंसाली ने कांग्रेस की मनीषा पंवार को पराजित किया। वहीं फलोदी से भाजपा के पब्बाराम ने कांग्रेस के प्रकाशचन्द्र छंगाणी को, लोहावट से भाजपा के गजेन्द्रसिंह , शेरगढ से भाजपा के बाबूसिंह ने कांग्रेस की मीना कंवर को पराजित किया। वहीं ओसिया से भाजपा के भेराराम सियोल ने कांग्रेस की दिव्या मदेरणा को, भोपालगढ में कांग्रेस की गीता बरबड ने भाजपा की कमसा मेघवाल को, सरदारपुरा से कांग्रेस के अशोक गहलोत ने भाजपा के महेन्द्रसिंह को, सुरसागर से भाजपा के देवेन्द्र जोशी ने कांग्रेस के शहजाद खान को, लुणी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के जोगाराम पटेल व बिलाडा से भाजपा के अर्जुनलाल गर्ग ने जीत दर्ज की। भाजपा मारवाड़ से 23 सीट प्राप्त की। वहीं कांग्रेस ने 7 व निर्दलीय तीन पर विजयी हुए।

तीनो निर्दलीय भाजपा खेमे से : मारवाड़ क्षेत्र के बाड़मेर से प्रियंका चौधरी व शिव से रविन्द्रसिंह भाटी व जालोर के सांचोर से जीवाराम चौधरी ने जीत दर्ज की। जबकि तीनों ने भाजपा से टिकट मांगा था। लेकिन टिकट नहीं देने पर निर्दलीय चुनाव लड़ने से तीनों प्रत्याशी ने जीत दर्ज की।

बाड़मेर में जनता ने कांग्रेस को सिरे से खारिज करते हुए भाजपा पर विश्वास जताया

पार्टियों के बागियों ने निर्दलीय ताल ठोक कर दिग्गजों के समीकरण बिगाड़ दिये

बाड़मेर, (कासं)। बाड़मेर जिले की सात विधानसभा सीटों में से चार पर भाजपा, दो पर निर्दलीय और एक पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की हैं। इस बार के विधानसभा चुनावों के नतीजों में जनता ने कांग्रेस को सिरे से खारिज करते हुए भाजपा पर विश्वास जताया। वहीं दोनों पार्टियों के बागियों ने निर्दलीय ताल ठोक कर दिग्गजों के समीकरण बिगाड़ते हुए उन्हें हार का स्वाद चखा दिया। पिछले चुनावों में जहां कांग्रेस 6 सीटों पर जीती थी वहीं इस बार एक सीट पर ही जीत हासिल कर पाई हैं।

बाडमेर शहर से भाजपा से बागी हुई निर्दलिय प्रत्याशी डॉ. प्रियंका चौधरी ने लगातार तीन बार के विधायक रहे मेवाराम जैन को 13 हजार से अधिक मतों से पराजित किया। हॉट सीट में शुमार शिव विधानसभा से भाजपा में शामिल होने के बाद कुछ दिन में ही बागी होने वाले निर्दलीय प्रत्याशी पूर्व छात्र नेता रविन्द्र सिंह भाटी साढे तीन हजार से अधिक मतों से विजयी हुए। इस सीट पर प्रदेश भर की नजर थी। इस सीट से भाजपा से उनके जिलाध्यक्ष स्वरूप सिंह खारा, बाडमेर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष फतेह खान जिन्होंने बागी होकर निर्दलीय ताल ठोकी, कांग्रेस के पांच बार के विधायक रहे अमीन खान और भाजपा से बागी हुए शिव के पूर्व विधायक जालम सिंह मैदान में थे। इसी तरह सिवाना से भाजपा के हमीर सिंह भायल ने कांग्रेस प्रत्याशी मानवेंद्र सिंह और कांग्रेस से बागी हुए निर्दलीय प्रत्याशी सुनील परिहार को हराया।

- **बाड़मेर जिले की सात विधानसभा सीटों में से चार पर भाजपा, दो पर निर्दलीय और एक पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की**
- **पिछले चुनावों में जहां कांग्रेस 6 सीटों पर जीती थी, वहीं इस बार एक सीट पर ही जीत हांसिल कर पाई**
- **बाडमेर शहर से भाजपा से बागी हुई निर्दलीय प्रत्याशी डॉ. प्रियंका चौधरी ने जीत हांसिल की**

चोहटन से भाजपा के आदूराम मेगवाल ने वर्तमान विधायक पदमाराम मेघवाल को दो हजार से अधिक मतों से पराजित किया। वहीं गुडामलानी से भाजपा प्रत्याशी के.के. विश्नोई ने कर्नल सोनाराम चौधरी को हराया। कर्नल सोनाराम चौधरी ने चुनाव से पहले भाजपा छोडकर कांग्रेस का दामन थाम कर चुनाव लडे। इस सीट पर वर्तमान विधायक कैबिनेट मंत्री हेमाराम चौधरी ने भी कर्नल सोनाराम चौधरी का साथ देते हुए प्रचार किया था। पचपदरा से भाजपा प्रत्याशी अरुण कुमार ने पहली बार चुनाव लडते हुए जीत हासिल की। जिले की एकमात्र सीट बायतु कांग्रेस की झोली में गई जहां पूर्व मंत्री हरीश चौधरी विजयी रहे।

इस बार के चुनावों नतीजों ने सबको चौकाया है। एक तरफ जहा राजनीति के दिग्गज शिव से पांच बार के विधायक व मंत्री रहे अमीन खान, बाडमेर से लगातार तीन बार के विधायक रहे मेवाराम जैन, चोहटन के दो बार विधायक रहे पदमाराम मेघवाल, बालोतरा जिला बनाने की मांग को लेकर चरण पादुका त्यागने वाले पचपदरा विधायक मदन प्रजापत, सांसद व विधायक रहे कर्नल सोनाराम चौधरी व कर्नल मानवेंद्र सिंह को हार का मुंह देखना पड़ा। वहीं पहली बार चुनाव लड़ रहे युवा नेता रविन्द्र सिंह भाटी व अरुण कुमार ने जीत हासिल की। बाडमेर शहर को भी प्रियंका चौधरी के रूप में पहली महिला विधायक मिली।

भाजपा के दिग्गज नेता राजेन्द्र राठौड़ को तारानगर में अपने ही दगा दे गए

भयंकर भीतरघात के कारण ही राजेन्द्र राठौड़ की हार हुई

चूरू, (कासं.)। भाजपा के दिग्गज नेता राजेन्द्र राठौड़ को तारानगर में 10 हजार 345 मतों से चुनाव हराने वाले उन्हीं की पार्टी के नेता हैं। राजेन्द्र राठौड़ को तारानगर में अपने ही दगा दे गए। यहां मतगणना के बाद चर्चा रही कि नरेन्द्र बुडानिया को अशोक गहलोत की योजनाओं या खुद के द्वारा करवाए गए विकास कार्यों के बल पर जीत नहीं मिली है, नरेन्द्र बुडानिया को विजयी बनाने में जिले के भाजपा नेताओं का पूरा सहयोग रहा है। भयंकर भीतरघात के कारण ही राजेन्द्र राठौड़ की हार हुई है।

भाजपा नेता राजेन्द्र राठौड़ परिणाम घोषित होने से पहले ही मतगणना स्थल से बाहर आ गए।

तारानगर में भाजपा की टिकट के दावेदार कहने को तो राजेन्द्र राठौड़ के साथ थे, लेकिन उनके भीतर एक अलग ही ज्वाला दहक रही थी। कहा जा रहा है कि चन्द्राराम गुरी जैसे नेताओं ने भी राजेन्द्र राठौड़ को पराजित करवाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इनके अलावा सांसद राहुल कस्वां ने भी राजेन्द्र राठौड़ से बदला लेने के लिए खूब जोर लगाया बताया। मुख्यमंत्री की दौड़ में शामिल होने के कारण प्रदेश के कई नेता भी राठौड़ को हराना चाहते थे। राजेन्द्र राठौड़ अपनों की ही आंखों में खटकने लगे थे। उनका मकसद सिर्फ राजेन्द्र राठौड़ को विधानसभा में जाने से रोकना ही था। जाट समाज की एकजुटता, धर्मवीर पुजारी को जिलाध्यक्ष पद से हटाने के कारण विप्र समाज की नाराजगी भी राजेन्द्र राठौड़ की हार के कारणों में से एक है। तारानगर में जाट समाज ने गुप्त रूप से नारा दिया बताया कि जो जाट जिन्दा है, वो जाट को ही वोट देगा।

विप्र समाज ने भी धर्मवीर पुजारी को हटाते ही एलान किया था कि इसका जवाब वोट से देंगे। वैसे नरेन्द्र बुडानिया को भाग्य का धनी माना जाता है। उन्हें तमाम विरोध के बाद भी जीत मिल ही जाती है। हालांकि जीतने के बाद सदन में राजेन्द्र राठौड़ की तुलना में बुडानिया कम ही बोलते हैं। इस बार बुडानिया का जातिगत समीकरण काफी मजबूत साबित हुआ है। राजेन्द्र राठौड़ का समीकरण उन्हीं के साथ रहने वालों ने खराब कर दिया, राजेन्द्र राठौड़ को इस बात का अहसास तक भी नहीं होने दिया।

दुष्कर्म का मामला दर्ज

अजमेर, (कासं)। अजमेर जिले के मांगलियावास थाना क्षेत्र में बुजुर्ग महिला से रेप की वारदात सामने आई है। आरोपी युवक ने पीड़ित महिला के अकेले होने का फायदा उठाकर घर में घुसा और दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। इस दौरान आरोपी के द्वारा महिला के अश्लील फोटो भी खींच लिए। महिला की बहू घर पर पहुंची तो आरोपी वहां से फरार हो गया। पीड़ित महिला के बेटे ने मांगलियावास थाने में इसकी शिकायत दी है। पुलिस ने दुष्कर्म सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मांगलियावास थाना पुलिस के अनुसार पीड़ित बुजुर्ग महिला के बेटे ने थाने पर शिकायत दर्ज करवाई है। पीड़ित बेटे ने शिकायत में बताया कि 29 नवंबर को वह घर से सुबह मजदूरी के लिए गया हुआ था। उसकी पत्नी भी घर पर नहीं थी। घर पर उसकी सिर्फ बुजुर्ग मां मौजूद थी।

सुबह 9 से 11 बजे के बीच लीलाराम नाम का व्यक्ति घर में घुसा और बरामदे में सो रही उसकी मां को उठाया और उनका मुंह दबाकर जबरन उन्हें कमरे में ले गया। बाद में आरोपी ने उन्हें जमीन पर पटक दिया और मारपीट कर उनके साथ रेप की वारदात को अंजाम दिया। मांगलियावास थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

झालरापाटन में वसुंधरा राजे 53877 वोटों से विजयी

मनोहरथाना में भाजपा के गोविंद रानीपुरिया 24621 वोटों से जीते

झालरापाटन, (निसं)। विधानसभा चुनाव में जिले की चारों विधानसभाओं के वोटों की गिनती रविवार को पॉलिटेक्निक कॉलेज में शुरू हुई। दोपहर दो बजे तक झालरापाटन और मनोहरथाना विधानसभा के परिणाम जारी हो गए।

झालरापाटन में फिर से पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, डग में कालूराम मेघवाल और मनोहरथाना में भाजपा के गोविंद रानीपुरिया को जीत मिली है। झालरापाटन विधानसभा में वसुंधरा राजे ने 53 हजार 877 वोटों से जीत दर्ज की। वसुंधरा राजे को 1 लाख 37 हजार 589 वोट मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी रामलाल चौहान को 84 हजार 954 वोट मिले। इधर, मनोहरथाना विधानसभा में भाजपा के गोविंद रानीपुरिया 24 हजार 621 वोटों से जीत गए। उन्हें 85 हजार 304 वोट मिले हैं, जबकि उनके

वसुंधरा राजे

प्रतिद्वंदी निर्दलीय प्रत्याशी कैलाश मीणा को 62 हजार 439 वोट मिले। यहां कांग्रेस प्रत्याशी नेमीचंद मीणा तीसरे नंबर पर रहे। उन्हें 38 हजार 429 वोट मिले। इधर, डग विधानसभा में भाजपा के कालूराम मेघवाल 22 हजार 779 वोटों से जीत गए हैं। यहां भाजपा के बागी रामचंद्र सुनारीवाल तीसरे नंबर पर रहे।

- **खानपुर में कांग्रेस प्रत्याशी सुरेश गुर्जर 8256 वोटों से विजेता रहे**

20 साल बाद खानपुर में कांग्रेस को मिली जीत :- खानपुर विधानसभा में कांग्रेस व भाजपा के सीधे मुकाबले में कांग्रेस प्रत्याशी सुरेश गुर्जर 8256 वोटों से जीत गए हैं। यहां 20 साल बाद कांग्रेस को जीत मिली है। पिछले चुनाव में करीब 2200 बोटों से हार गए थे। पॉलिटेक्निक कॉलेज में चल रही वोटों की गिनती अंदर चलती रही और बाहर जीत वाली पार्टी के कार्यकर्ता जश्न मनाते रहे। शहर के पॉलिटेक्निक कॉलेज के बाहर से लेकर विभिन्न चौराहों पर भाजपा कार्यकर्ता जश्न मनाते दिखाई दिए। इधर, खानपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। लोगों ने आतिशबाजी की।

करौली से भाजपा के दर्शन सिंह गुर्जर विजयी

भाजपा और कांग्रेस प्रत्याशी के बीच में कड़ी टक्कर हुई

भाजपा प्रत्याशी दर्शन सिंह गुर्जर को विजयी घोषित किया।

करौली, (निसं)। करौली जिला मुख्यालय स्थित करौली विधानसभा सीट पर भाजपा और कांग्रेस प्रत्याशी के बीच में कड़ी काटे की टक्कर के बीच भाजपा प्रत्याशी दर्शन सिंह गुर्जर 2183 मतों से विजयी हुए जिनके विजय होने पर शहर में उनके आवास पर जमकर आतिशबाजी और जयकारे गूंजे।

करौली विधानसभा क्षेत्र क्षेत्र से वैसे तो चुनाव मैदान में 11 प्रत्याशी थे मगर चुनाव भाजपा और कांग्रेस प्रत्याशी के बीच कड़ी टक्कर के साथ हुआ जिनका भाग्य 25 तारीख को मतदान के बाद ईवीएम मशीनो में बंद था जो रविवार को मतगणना के बाद उनके भाग्य का फैसला हुआ।

जिसमें दर्शन सिंह गुर्जर ने कांग्रेस प्रत्याशी लाखन सिंह मीना से 2183 मत अधिक प्राप्त कर जीत प्राप्त की। जीत के बाद विधायक गुर्जर हजारों कार्यकर्ताओं और शहर के गणमान्य लोगों के बीच भाजपा नेता सतवीर चंदीला की गाड़ी में उनके साथ बैठकर जयकारों के साथ अपने आवास पर पहुंचे वहां अपने पिता स्वर्गीय पूर्व विधायक हंसराम गुर्जर कि प्रतिमा के ढोक लगाई और अपने बड़े भाई भरत सिंह के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लेते हुए पूर्व विधायक यहां कि महारानी रोहिणी देवी के यहां भंवर विलास पहुंचे जहां उन्होंने उनका चरण छूकर आशीर्वाद लिया।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह मेरी जीत नहीं आपकी और करौली कि जनता की जीत है मैं हमेशा आप सब का आभारी रहूंगा और जनता के लिए 24 घंटे मेरे द्वार खुले रहेंगे और जनता की सेवा करूंगा।

बीकानेर जिले की सात में से छह सीटें भाजपा ने जीती, कांग्रेस को मात्र एक सीट मिली

बीकानेर में जिले में कांग्रेस के तीनों मंत्री बड़े मतों के अन्तराल से चुनाव हारे

बीकानेर, (निसं)। जिले की सात विधानसभा सीटों में से भाजपा ने छह पर जीत दर्ज कर इतिहास रचा। कांग्रेस को केवल नोखा विधानसभा सीट पर ही जीत पर संतोष करना पड़ा। बड़ी बात ये है कि बीकानेर में कांग्रेस के तीनों मंत्री भंवर सिंह भाटी, गोविन्दराम मेघवाल व डॉ. बीडी कल्ला चुनाव हार गए। दिलचस्प बात ये है कि पहली दफा चुनाव लड़ने वाले भाजपा के प्रत्याशी जेठानन्द व्यास व अंशुमान सिंह भाटी ने मंत्री बीडी कल्ला व मंत्री भाटी को पटखनी दी है। जबकि खाजूवाला में पूर्व विधायक व भाजपा प्रत्याशी डॉ. विश्वनाथ मेघवाल ने कांग्रेस के मंत्री गोविन्दराम मेघवाल को हराया है।

बीकानेर विधानसभा चुनाव में इस बार बीकानेर की पूर्व सीट से भाजपा प्रत्याशी सिद्धी कुमारी, पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से जेठानन्द व्यास, खाजूवाला से डॉ. विश्वनाथ मेघवाल, श्रीकोलायत से अंशुमान सिंह भाटी, श्रीडूंगरगढ़ से ताराचन्द सारस्वत व लूणकरनसर से विधायक सुमित गोदारा ने चुनाव जीता है। जबकि एकमात्र नोखा सीट कांग्रेस के खाते में गई है। यहां कांग्रेस की सुशीला डूडी जीती है। जबकि नोखा में भाजपा के विधायक बिहारी लाल विश्नोई को हार का मुंह देखना पड़ा।

नोखा से कांग्रेस विधायक सुशीला डूडी

लूणकरणसर से भाजपा विधायक सुमित गोदारा

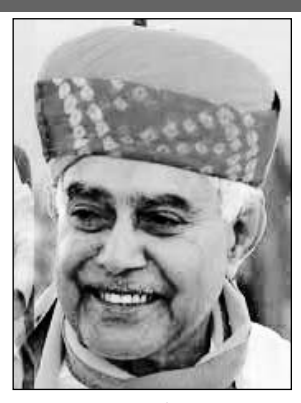

श्रीडूगरगढ़ से भाजपा विधायक ताराचंद सारस्वत

बीकानेर पूर्व से भाजपा विधायक सिद्धि कुमारी

बीकानेर पश्चिम से भाजपा विधायक जेठानंद व्यास

पिछले विधानसभा चुनाव में पिछली बार बीकानेर की तीन सीटें बीकानेर पूर्व, लूणकरनसर व नोखा सीटें भाजपा के खाते में गई थी, किंतु इस बार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के दो दिग्गज मंत्रियों को हराकर खाजूवाला व बीकानेर पश्चिम सीट अपने खाते में डाली है। यही नहीं श्रीडूंगरगढ़ में पिछली बार जीते गिरधारी महिया को इस बार भाजपा के ताराचन्द सारस्वत ने हराकर इस सीट पर कब्जा कर लिया है।

बीकानेर पश्चिमी विधानसभा क्षेत्र में भाजपा की बड़ी जीत हुई है। यहां भाजपा प्रत्याशी जेठानन्द व्यास ने अपने निकटतम प्रतिद्वन्द्वी कांग्रेस के शिक्षा मंत्री डॉ. बुलाकीदास कल्ला को पटखनी दी है। टिकट मिलने व टिकट मिलने के बाद सत्ता के नशे में चूर कांग्रेस ने भाजपा प्रत्याशी को हल्के में लेना भारी पड़ गया।

जेठानन्द व्यास ने हाल ही में भाजपा का दामन थामा था और भाजपा ने उनमें विश्वास जताते हुए उन्हें बीकानेर पश्चिम से अपना प्रत्याशी बनाया। जिस पर जेठानन्द व्यास खरे उतरे। बता दें कि जेठानन्द व्यास जमीं से जुड़े कार्यकर्ता है तथा सभी को एकसाथ लेकर चलने वाले नेताओं में शुमार है। जेठानन्द व्यास की सादगी व सरल स्वभाव के चलते कैम्पन के दौरान मतदाताओं ने आभास तक होने नहीं दिया और जब अपने मताधिकार की बारी आई तो उन्होनें सरल व सादगी स्वभाव वाले जेठानन्द व्यास को जिताने के लिए अपने मताधिकार का उपयोग किया और आज परिणाम सभी के सामने है। जेठानन्द व्यास ने 20432 मतों से डॉ बीडी कल्ला को हराया है। उन्हें 97786 वोट मिले। जबकि डॉ कल्ला को 77354 मतों से संतोष करना पड़ा।

एक बार फिर से लूणकरनसर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के सुमित गोदारा ने बाजी मारी है। पिछली दफा भी यह सीट भाजपा के पास थी और इस बार फिर गोदारा ने जीत दर्ज कर विधायकी कायम रखी है। गोदारा ने 9014 वोटों से जीत दर्ज की है। नोखा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी सुशीला डूडी की जीत हुई है। डूडी ने भाजपा के बिहारीलाल विश्नोई को हराया है। श्रीडूंगरगढ़ विधानसभा क्षेत्र से इस बार भाजपा प्रत्याशी ताराचन्द सारस्वत ने चुनाव लडने वाले सभी प्रत्याशियों को पछाड़ दिया है। उनको बहुत पीछे छोड़ चुनाव में जीत दर्ज की है। भाजपा के सारस्वत ने अपने निकटतम प्रतिद्वन्द्वी कांग्रेस प्रत्याशी मंगलाराम गोदारा को 7692 मतों से हराया है। बीकानेर पूर्व विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी व पूर्व राजघराने की सिद्धी कुमारी ने जीत दर्ज की है। सिद्धी कुमारी ने इस सीट से लगातार चौथी बार जीत दर्ज की है। जनता ने सिद्धी कुमारी में विश्वास जताया है। हालांकि इस चुनाव में भाजपा की सिद्धी कुमारी के साथ भीतरघात होने की आशंका जातई जा रही थी। किंतु भीतरघात जैसी आशंका के बावजूद भाजपा प्रत्याशी सिद्धी कुमारी में जनता ने अपना विश्वास जताया और उनको जीत दिलाई है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वन्द्वी कांग्रेस प्रत्याशी यशपाल गहलोत को हराया है।

राजस्थान में प्रचंड जीत पर भाजपा नेताओं ने जनता का आभार जताया

कार्यकर्ताओं के अथक प्रयास और जनता-जनार्दन के आशीर्वाद के लिए अभिनंदन : सी.पी.जोशी

जयपुर (कासं)। राजस्थान विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत के बाद भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि जनता जनार्दन के आशीर्वाद से भाजपा को प्रचंड जीत मिली है। यह जीत देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगतप्रकाश नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन की जीत है।

उन्होंने कहा कि देश के तीन हिंदी भाषी राज्यों राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा को मिली प्रचंड जीत पीएम मोदी की गारंटियों का प्रभाव है। पीएम मोदी की इन्हीं गारंटियों ने कांग्रेस की हवा निकाल दी। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश के प्रभारी अरूण सिंह, चुनाव प्रभारी केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी और संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने परिश्रम की पराकाष्ठा की है। वहीं सभी प्रदेश पदाधिकारियों और चुनाव प्रबंधन समिति के सदस्यों ने भी जमकर मेहनत की है। भाजपा के सभी कार्यकर्ता मीडिया, सोशल मीडिया और आईटी टीम ने भी सक्रिय रूप से चुनाव में काम किया और सुबह चार बजे भी इन लोगों को फोन किया तो ये लोग सक्रिय मिले। हमारी सरकार राजस्थान के खोये हुए वैभव को लौटाने की दिशा में काम करेगी और हम पुन: राजस्थान को विकास के पथ पर लेकर जाएंगे।

राजस्थान विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के बाद पार्टी प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी ने रविवार को बीजेपी मुख्यालय में प्रेस वार्ता की। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री एवं प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह व अन्य कई नेता उनके साथ मौजूद थे।

भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री एवं प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह ने कहा कि राजस्थान की जनता ने भरपूर सहयोग दिया। सभी कार्यकर्ताओं का अभिनंदन, प्रदेश की जनता का आभार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राजस्थान में हुई जनसभाओं में उन्हे सुनने के लिए जिस तरह जनता उमड़ रही थी उसे देखकर ही स्पष्ट हो गया था कि बहुमत मिलेगा। राजस्थान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकास होगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृहमंत्री अमित शाह के कुशल नेतृत्व में समय समय पर राजस्थान को मार्ग दर्शन मिला। हम केंद्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त करते है। एमपी, छत्तीसगढ़ में भी पीएम मोदी के नेतृत्व में विजय हासिल हुई। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी हम राजस्थान की सभी 25 सीटें जीतेंगे।

- **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनसभाओं को लेकर प्रदेश की जनता में उत्साह देखकर ही समझ गया था कि हमें बहुमत मिल रहा है : अरूण सिंह**

''द जयगढ़ फेस्टिवल'' का आयोजन 9-10 दिसंबर को

पर्यटन स्थल के रूप में जयगढ़ किले के 40 गौरवशाली वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित होगा भव्य समारोह

जयपुर (कासं)। अरावली पहाड़ियों के बीच बसा प्रतिष्ठित जयगढ़ किला, बतौर पर्यटन स्थल 40 गौरवशाली वर्ष पूरे कर चुका है। इसके उपलक्ष्य में 9 और 10 दिसंबर को पहली बार ''द जयगढ़ फेस्टिवल'' का आयोजन किया जायेगा। यह समारोह ऐसा पहला और अनुठा फेस्टिवल होगा, जो कि राजस्थान की विरासत, कला और शिल्प के संरक्षण और प्रोत्साहन देने पर आधारित है। जयगढ़ पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संरक्षित इस अनमोल धरोहर , अर्थात् जयगढ़ फोर्ट, का उद्घाटन स्वर्गीय ब्रिगेडियर एचएच महाराजा सवाई भवानी सिंह, जयपुर, एमवीसी ने 1983 में किया था।

फेस्टिवल के बारे में बात करते हुए, जयपुर के एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने कहा, जयगढ़ ने सदियों की वीरता और सांस्कृतिक समृद्धि देखी है, और इस विरासत को साझा करना और उसके वैभव का उत्सव मनाना हमारी जिम्मेदारी है। यह फेस्टिवल हमारी पहचान को परिभाषित करने वाली विरासत, कला और शिल्प को प्रदर्शित करने और विविध दर्शकों के साथ जुड़ने का एक मंच है।

द जयगढ़ फेस्टिवल का एक मुख्य आकर्षण हेरिटेज आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स मास्टरक्लास वर्कशॉप्स हैं, जहां शाही-गुणीजनखाना के प्रसिद्ध कारीगर राजस्थान की जटिल विरासत कला और शिल्प का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न कार्यशालाएं का आयोजन करेंगे। इसमें लोक प्रस्तुतियां और पॉप-अप्स भी होंगे, जो राजस्थान की जीवंत संस्कृति का प्रदर्शन करेंगे, जिससे राज्य की कलात्मक परंपराओं की झलक मिलेगी। फेस्टिवल में विशेष रूप से क्यूरेटेड फोर्ट वॉक आगंतुकों को जयगढ़ के ऐतिहासिक और स्थापत्य महत्व के बारे में जानकारी प्रदान करेगी। फेस्टिवल में इतिहास, कला, वास्तुकला और अन्य विरासत विषयों पर विशेषज्ञ द्वारा पैनल चर्चा और वार्ता भी आयोजित होंगी। इसके अतिरिक्त, विभिन्न प्रकार के व्यंजनों और शिल्प-आधारित उत्पादों के साथ एक फेस्टिवल बाजार भी लगेंगे।

फेस्टिवल के पहले दिन, 9 दिसंबर को सुबह 10.30 बजे राज परिवार के सदस्य द्वारा दीप प्रज्ज्वलन किया जाएगा। इसके पश्चात, कला एवं शिल्प कार्यशालाएं व डेमोस्ट्रेशन, टॉक शो, फोर्ट वॉक और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता सुरुचि शर्मा की फिल्म मीन राग की स्क्रीनिंग होगी।

वहीं फेस्टिवल के दूसरे दिन, 10 दिसंबर को समापन समारोह आयोजित होगा, जिसमें शास्त्रीय, लोक प्रस्तुतियां का प्रदर्शन और कार्यशाला के प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा। इसके पश्चात दिन में एक कला प्रदर्शनी और फेस्टिवल बाज़ार का भी आयोजन होगा।

फेस्टिवल में स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी के छात्र, शिक्षाविद, कलाकार, कला प्रेमी, संगीत प्रेमी, इतिहास प्रेमी, वास्तुकला प्रेमी, शॉपर्स, संस्कृतिकर्मी और विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित व्यक्ति भाग लेंगे। सेना, सरकार, वायु सेना आदि संबद्ध संगठनों के प्रतिनिधि भी कार्यक्रम में शामिल होंगे।

- **इस दौरान मीन राग फिल्म की स्क्रीनिंग होगी, शाही गुणीजनखाना के जाने-माने कारीगर कार्यशालाओं का आयोजन भी करेंगे**

मां व उसके दो मासूम बच्चों की निर्मम हत्या करने वाला छह दिन के रिमांड पर

झालाना बाइपास के पास खटीकों के मोहल्ले में हुई थी वारदात

जयपुर (कासं)। झालाना बाइपास के पास खटीकों का मोहल्ला में सुमन व उसके दो बच्चों की हत्या करने वाला आरोपी शिव प्रताप तोमर वारदात के बाद जयपुर में छिपना चाहता था। जयपुर में छिपने का ठिकाना नहीं मिला तो उत्तर प्रदेश भाग गया था। थानाधिकारी पूनम चौधरी ने बताया कि न्यायालय ने आरोपी शिव प्रताप को छह दिन की पुलिस रिमांड पर सौंपा है। रिमांड के दौरान आरोपी से पूछताछ की गई, जिसमें बताया कि वारदात के बाद वह अपेक्स सर्कल की तरफ भागकर पहुंचा, वहां से सत्कार शॉपिंग सेंटर और फिर जगतपुरा चला गया। छिपने का ठिकाना नहीं मिला तो जगतपुरा से मालवीय नगर होते हुए सिंधी कैम्प पहुंचा और वहां से उत्तर प्रदेश चला गया। आरोपी ने उत्तर प्रदेश में गोवर्धनजी व वृंदावन में जाना बताया है, जिसकी भी तस्दीक की जाएगी। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उत्तर प्रदेश पहुंचने के बाद सोशल मीडिया पर खुद की फोटो अपलोड करने के साथ बदला लेने की बात लिखी थी। गौरतलब है कि दो माह पहले हुए झगडे के बाद आरोपी शिव प्रताप ने पडोसी सुमन उसके बेटे जिव्यांश व हव्यांश की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी थी। आरोपी ने मध्यप्रदेश से पिस्टल खरीदना बताया था, जिसकी भी पुलिस तस्दीक कर रही है। गौरतलब है कि वारदात के बाद आरोपी उत्तर प्रदेश पहुंच गया। आरोपी ने भागने के बाद सोशल मीडिया अकाउंट पर फोटो अपलोड कर पुलिस को चुनौती दी थी। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी का अकाउंट उत्तर प्रदेश में इंटरनेट लेकर ऑपरेट किया है।

क्रॉस-बॉर्डर रिपोर्टिंग करेंगे अमित गर्ग

जयपुर (कासं)। वरिष्ठ पत्रकार अमित बैजनाथ गर्ग को ईस्ट-वेस्ट सेंटर, यू.एस.ए. की ओर से क्रॉस-बॉर्डर रिपोर्टिंग ऑन क्लाइमेट चेंज प्रोग्राम के लिए चुना गया है। इसके तहत अमित को भारत और पाकिस्तान के संदर्भ में जलवायु परिवर्तन विषय पर काम करने के लिए 400 डॉलर की मदद दी जाएगी। कार्यक्रम के लिए भारत और पाकिस्तान के 10-10 पत्रकारों को चुना गया है। दोनों देशों के सभी पत्रकार 8 से 12 जनवरी 2024 को काठमांडू, नेपाल में आयोजित होने वाली वर्कशॉप में शामिल होंगे और जलवायु परिवर्तन पर अपनी बात रखेंगे।

विवादित जमीन पर शव दफनाने को लेकर विवाद

जयपुर । सांगानेर इलाके में विवादित जमीन पर समुदाय विशेष द्वारा शव दफनाने को लेकर लोगों ने रविवार सुबह सांगानेर थाने का घेराव कर प्रदर्शन किया। लोगों ने रोष जताते हुए जय श्रीराम के नारे लगाने के साथ हनुमान चालीसा पढी। करीब पांच घंटे तक लोग विवादित जमीन पर शव नहीं दफनाने की मांग को लेकर प्रदर्शन करते रहे। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने दोनों पक्षों में समझाइश कर प्रदर्शनकारियों को सहमति देकर मामले को शांत करवाया।

पुलिस ने बताया कि गायत्री नगर-2 और मोती बिहार के बीच में एक विवादित जगह है। समुदाय विशेष की ओर से शव को दफनाने के लिए जमीन काम ली जाती है। रविवार सुबह समुदाय विशेष की ओर से एक शव को दफनाने के लिए लोग पहुंचे। जहां स्थानीय लोगों ने शव दफनाने को लेकर विरोध किया। धार्मिक स्थल होने और दफनाने की जगह चिन्हित होने तक शव नहीं आने की कहा। इस बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। कहासुनी के बाद गुस्साए दोनों पक्ष सांगानेर थाने पहुंचे। पुलिस को दोनों पक्षों ने अपनी-अपनी बात रखी। इसके बाद विवादित जगह पर शव नहीं दफनाने की मांग को लेकर एक पक्ष ने सांगानेर थाने का घेराव कर प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। साथ ही रोष जताते हुए जयश्रीराम के नारे लगाकर हनुमान चालीसा पढ़कर विरोध प्रदर्शन किया। विश्व हिंदू परिषद सांगानेर जिलामंत्री विष्णु शर्मा ने बताया कि प्रदर्शन के बाद पुलिस अफसरों ने दोनों पक्षों में समझाइस की। साथ ही जेडीए की ओर से विवादित जमीन का सीमाकन नहीं होने तक शव नहीं दफनाने की बात पर सहमति बनी। सीमाकन नहीं होने तक

- **लोगों ने किया सांगानेर थाने का घेराव, पुलिस ने समझाइश से मामला शांत कराया**

नुक्कड़ नाटक से वृक्षारोपण के लिए जन जागरण होगा

जयपुर (कासं)। वन्दे मातरम संस्थान एवं एनटीपीसी के संयुक्त तत्वाधान में वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जन जागरण अभियान चलाया गया।

वन्दे मातरम संस्थान के प्रदेशाध्यक्ष विक्रम सिंह शेखावत ने बताया कि इस अभियान में जयपुर के 250 स्थानों पर कुल 20 हजार पेड़ लगाए जाएंगे एवं वृक्षारोपण से पूर्व इस अभियान में जयपुर के विभिन्न स्कूलों, कॉलेज, मंदिर, पर्यटक स्थल एवं सार्वजनिक स्थलों पर कुल 50 नुक्कड़ नाटक शो का आयोजन करवाया गया, जिसमे नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सभी को पेड़ लगाने एवं पेड़ों के रखरखाव हेतु जनजागरण किया गया, साथ ही लगातार हो रही पेड़ो की कटाई रोकने हेतु आमजन को जागरूक किया, एवं जिस प्रकार पेड़ों को लगातार काटा जा रहा है, एवं पेड़ों की कमी से वातावरण पर जो दुष्प्रभाव पड़ रहा हैं, उसके बारे में जागरूक किया गया।

'भ्रष्टाचार व राइट-टू-हैल्थ जैसे काले क़ानून का परिणाम है कांग्रेस की हार'

प्राईवेट हॉस्पिटल्स एंड नर्सिंग होम्स सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. विजय कपूर ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर बड़ा आरोप लगाया

डॉ. विजय कपूर

जयपुर । प्राईवेट हॉस्पिटल्स एंड नर्सिंग होम्स सोसायटी के प्रेसिडेंट डॉ. विजय कपूर ने कहा कि, राजस्थान में कांग्रेस के चुनाव परिणाम हारने का प्रमुख कारण भ्रष्टाचारी स्वास्थ्य योजनाएं और राइट-टू-हैल्थ जैसे काले कानून का परिणाम है। उन्होंने कहा कि जल्दबाज़ी व अन्याय पूर्ण तरीक़े से चिकित्सक समुदाय पर थोपे गए राइट टू हैल्थ जैसे काले कानून के प्रति डॉक्टर्स का ग़ुस्सा व विरोध ने भी एक निर्णायक भूमिका निभाई है। कपूर ने आरोप लगाया कि इन स्वास्थ्य योजनाओं से सिर्फ़ भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे नेताओं, ब्यूरोक्रेट्स, बीमा कंपनी और हेरा-फेरी में माहिर चुनिंदा अस्पतालों व चिकित्सकों का फायदा हुआ था। आम जनता व बहुसंख्य ईमानदार आम चिकित्सक इन योजनाओं से त्रस्त व परेशान थे। डॉ. विजय कपूर ने कहा कि आने वाली नई सरकार से यह अपेक्षा की जाती है कि इन योजनाओं की नए सिरे से समीक्षा करके ऐसी प्रणाली विकसित की जाएगी, जिसमें भ्रष्टाचार और पिक एंड चूज की गुंजाइश ना हो। आम जनता को इनका वास्तविक लाभ मिले और ईमानदार चिकित्सकों व अस्पतालों को बिना भेदभाव के मरीज़ों की सेवा करने का मौक़ा मिले।

- **कपूर ने आरोप लगाया कि चिरंजीवी जैसी स्वास्थ्य योजनाओं से सिर्फ़ भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे नेताओं, ब्यूरोक्रेट्स, बीमा कंपनी और हेरा-फेरी में माहिर चुनिंदा अस्पतालों व चिकित्सकों का फायदा हुआ था।**

सार-समाचार

जनकपुर में भगवान श्रीराम का स्वागत

जयपुर (कासं)। मंदिर श्रीरामचन्द्रजी चांदपोल बाजार में चल रहे ''श्री रामजानकी महोत्सव'' में रविवार को जनकपुर में बढार का कार्यक्रम हुआ। शाम 5 बजे से ही नेगचार शुरू कर दिए गए। सबसे पहले जनकपुर वालों ने लाडले जवाई श्रीरामजी को भवन में प्रवेश करवाया। वहां मौजूद सखी सहेलियों ने खूब हंसी ठिठोली की, फिर द्वार छेकई का कार्यक्रम हुआ। मिथला की नायन ने भी खूब ठिठोली की। शाम 5 बजे फिर मिजमानी का मनोरथ शुरू किया गया। जनकपुर में अपने जवाई श्री राम को मिजमानी में तरह तरह के पकवान आदि खिलाया। इसमें 4 तरह की पूरी, 10 प्रकार के हलवे, कई सब्जेयां अचार, रायते व मिठाइयां आदि मुख्य थे। इसके बाद डोम प्रसंग हुआ, जिसमें जब दूल्हा सरकार श्रीराम ने मिजमानी पूरी की तो उनकी जूठन का पहला हकदारी डोम था तो सारी प्रसादी उसको दे दी गयीं। इस दौरान मंदिर में ऐसा लगा, जैसे सारे देवी देवता नीचे आकर उस डोम के आगे हाथ जोड़कर खड़े हो गए। मानो वे कह रहे हो, तू सोना-चांदी, हीरे मोती ले-ले, मगर ठाकुरजी की जूठन प्रसादी दे दे। इस कार्यक्रम के बाद जनकपुर से विदाई हुई और अयोध्या में दूल्हा-दुल्हन का स्वागत सत्कार किया गया। फूल बंगला सजाया गया,पुष्प गुलाल से रंगोली मनाई ,बाढ़ रूकाई इत्यादि प्रसंग हुए। इस दौरान हज़ारों की तादाद में श्रद्धालु मंदिर प्रांगण में जुटे रहे। महत नरेंद्र तिवाड़ी ने बताया कि 4 दिसंबर को मंदिर परिसर में अवध में पैसारा महोत्सव मनाया जाएगा।

सड़क हादसे में युवक की मौत

जयपुर । मालवीय नगर थाना इलाके में सडक हादसे में एक युवक की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि गड्ढे में गिरने से ओवर स्पीड बाइक का टायर फट गया। बाइक पर पीछे बैठा युवक उछलकर रोड पर गिर गंभीर घायल हो गया। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। मृतक के भाई ने बाइक चल रहे अपने बहनोई के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने बताया कि हादसे में दीप चन्द शर्मा (28) निवासी गांव दूधली बस्सी की मौत हो गई। 21 नवम्बर को दीप चन्द अपने बहनोई सौरभ शर्मा के साथ किसी काम से बजाज नगर आया था। देर रात बजाज नगर से दोनों बाइक पर जगतपुरा जा रहे थे। बहनोई सौरभ के ओवर स्पीड में बाइक चलाने के कारण गड्ढे में गिर गई। बाइक का टायर फटने से पीछे बैठा दीप चन्द उछल कर दूर रोड पर गिर गया। दीपचन्द के सिर में गंभीर चोट लगने पर उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां इलाज के दौरान दीप चन्द की मौत हो गई। मृतक दीप चन्द के बड़े भाई रोशन कुमार शर्मा ने बहनोई सौरभ शर्मा के लापरवाही से बाइक चलाने के कारण मौत होने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज करवाया है।

कचरा बीनने वालों ने चुराई बाइक

जयपुर । कोतवाली थाना इलाके में कचरा बीनने के बहाने चोरों ने एक बाइक चोरी कर ले गया। पुलिस फुटेज के आधार पर बाइक चोरों की तलाश कर रही है। पुलिस ने बताया कि खजानो वालों का रास्ता चांदपोल निवासी विनोद कुमार शर्मा ने मामला दर्ज करवाया है कि उसने अपनी बाइक घर के बाहर रोड किनारे पुर्वियो का चौक में खडी की थी। देर रात चोरों ने बाइक को निशाना बनाया और बाइक का लॉक तोडकर चोरी कर ले गए। अगले दिन संभालने पर बाइक चोरी का पता चला। इस संबंध में पीड़ित ने बाइक चोरी का मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने बताया कि वारदात स्थल के पास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगालने पर चोरों की करतूत कैद मिली। जहां गली में दो बदमाश कचरा बीनने के बहाने कंधे पर प्लास्टिक कट्टा लटका कर घूमते दिखाई दे रहे है। कचरा बीनते हुए दोनों बदमाशों ने रेकी की और प्लास्टिक कट्टा साइड में रखकर बदमाश बाइक को लॉक तोड कर बाइक चोरी कर ले जाते नजर आ रहे है।

पालतू डॉग ने किया युवती पर हमला

जयपुर । राजधानी जयपुर में पालतू डॉग ने एक युवती पर जानलेवा हमला कर दिया। कुत्ते ने युवती को रोड पर गिराकर लहूलुहान कर शरीर पर कई जगह गहरे घाव कर दिए। हॉस्पिटल में प्राथमिक उपचार के बाद युवती को छुट्टी दे दी गई है। मानसरोवर थाने में पीड़ित युवती के पिता ने डॉग मालिक के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने बताया कि शांति नगर गुर्जर की थड़ी निवासी गुलशन कुमार खत्री ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। शिकायत में बताया कि 25 नवम्बर की रात करीब 9 बजे उनकी बेटी कोमल सामान खरीदने के लिए कॉलोनी की एक दुकान पर गई थी। प्रेम नगर सेकेंड में रहने वाले युवक-युवती अपने पालतू डॉग को घूमा रहे थे। दुकान से घर लौटते समय अचानक पालतू डॉग ने कोमल पर अटैक कर लिया। रोड पर गिराकर शरीर पर जगह-जगह घाव कर लहूलुहान कर दिया। पीड़िता के चिल्लाने की आवाज सुनकर लोग बचाने दौड़े।

कोणार्क 'विजय दिवस' मल्टी मॉडल अभियान शुरू

जयपुर (का.सं.)। वर्ष 1971 के भारत-पाक युद्ध की 51वीं वर्षगांठ मनाने के लिए मुख्यालय 12 कोर के तत्वावधान में एक मल्टीमॉडल अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान 4 दिसंबर से 16 दिसंबर तक वास्तविक संचालन की तारीखों के साथ आयोजित किया जाएगा और 22 दिसंबर को समापन होगा।

इस स्मारक अभियान की कल्पना एक मल्टी मॉडल अभियान के रूप में की गई है, जिसमें राजस्थान और गुजरात राज्यों में फैली बहु गतिविधियाँ शामिल हैं। चूँकि सभी सरकारी एजेंसियों ने 1971 के ऑपरेशन में सक्रिय रूप से भाग लिया था, इसलिए, उसी भावना से यह अभियान सभी एजेंसियों की भूमिका को स्वीकार और सम्मानित करने का प्रयास करता है, जैसे कि भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना, भारतीय नौसेना, भारतीय तट रक्षक, सीमा सुरक्षा बल, बल एवं नागरिक प्रशासन और राज्य पुलिस।

अभियान के हिस्से के रूप में बाइक रैली, कार रैली, साइकिल रैली, कैमल सफारी, सेलिंग, हाफ मैराथन, स्टोरी बोर्ड जुलूस और स्काई डाइविंग कार्यक्रम सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन सभी कार्यक्रमों को लेकर उत्साह का माहौल है। सोमवार 4 दिसंबर से से शुरू हुआ यह कार्यक्रम 16 दिसंबर तक वास्तविक संचालन की तारीखों के साथ आयोजित किया जाएगा।

'मन को निर्मल करता है शाकाहार, जन्म से कोई मांसाहारी नहीं होता'

जनकपुरी में 'अहिंसक शाकाहार' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

जयपुर (कासं)। जनकपुरी ज्योति नगर जैन मंदिर में आचार्य वसुनन्दी महाराज के शिष्य मुनि सर्वानन्द मुनि जिनानंद व मुनि पुण्या नन्द महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में अहिंसक शाकाहार विषय पर एक विचार गोष्ठी राजस्थान जैन साहित्य परिषद एवं धर्म जागृति संस्थान राजस्थान द्वारा रविवार को प्रात: आयोजित की गई ।

जनकपुरी प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने भगवान नेमिनाथ की पावन धरा जनकपुरी में सभी का शाब्दिक स्वागत अभिनंदन किया । मंगलाचरण शकुन्तला बिंदायक्य व मंजु पाटनी ने तथा दीप प्रज्वलन डॉ. इंद्र कुमार जैन ने किया । मुख्य वक्ता डॉ. किरण प्रकाश शास्त्री व साहित्य परिषद के अध्यक्ष डॉ. विमल कुमार शास्त्री के सम्मान के बाद गुरु आज्ञा प्राप्त कर संगोष्ठी संयोजक महावीर चाँदवाड ने मुख्य वक्ता को संबोधन के लिए आमंत्रित किया।

शास्त्री ने अहिंसा, अहिंसक आहार व शाकाहार का शास्त्रोक्त विवेचन किया तथा गुणस्थानो पर हिंसा की चर्चा में बताया कि जहाँ तक मोह है, वहाँ तक हिंसा है और मोह 11 वें गुणस्थान तक रहता है। इन्होंने कहा कि कोई भी प्राणी जन्म से माँसाहारी नहीं होता । वर्तमान में चल रहे लाल और हरे निशान पर चर्चा में बताया कि हमें बंद पेकट पर लिखे वर्णन की भी पूरी जानकारी करनी चाहिए । इस संबंध में भागचंद जैन मित्रपुरा की जिज्ञासा में बताया कि यिस्ट आदि मांसाहारी है। इस पर सभी ने फिर कभी गहन व लम्बी चर्चा रखने की भावना व्यक्त की । मुनि ज़िनानंद ने कहा कि पूज्य गुरु वसुनंदी ने जैन धर्म के सिद्धांत को परिपालना के क्रम में वीर निर्वाण स. 2550 को अहिंसकाहार वर्ष मनाने के लिए आव्हान किया है । शाकाहार मन को निर्मल करता है तथा रात्रि भोजन पर शास्त्रों में गंभीर टिप्पणी बाबत बताया। मुनि श्री ने सभी को रात्रि भोजन त्याग करने हेतु प्रेरित किया । आचार्य विद्यासागर जैसे राष्ट्र संत के बारे में बताया गया कि उन्होंने हरि वस्तु का भी त्याग कर रखा है ।

साहित्य परिषद के अध्यक्ष ने इस तरह के बड़े आयोजन आचार्य वसुनंदी के सानिध्य में शीघ्र ही करने का प्रस्ताव दिया। धर्म जागृति संस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि पूरे देश में राजस्थान प्रांत ने ऐसे कार्यक्रम की शुरुआत की है। पूरे वर्ष के कार्यक्रम व सेल्फ़ी स्टैंड आदि के बारे में बताते हुए कोषाध्यक्ष पंकज लुहाड़िया ने सभी को सेल्फी स्टैंड पर आकर शाकाहार के नियम लेने के लिए आग्रह किया और देखते देखते सैकड़ों सदस्यों ने सेल्फ़ी स्टैंड पर आकर नियम की तख्ती के साथ फ़ोटो खिंचवायी। सभा में परिषद के महेश चांदवाड़, हीरा चंद बैद, सुभाष चौधरी, सुदर्शन पाटनी, संस्थान के ज्ञान चंद जैन, सुनील पहाड़िया, महेश काला, सुनील सेठी, सोभाग अजमेरा, राजेंद्र ठोलिया, सुरेश शाह, मयंक पाटनी, राजेंद्र पापड़ीवाल, जनकपुरी के देवेंद्र कासलीवाल ,मिश्री लाल काला, धन कुमार शाह ,महावीर बिंदायक्य ,नवीन सेठी, अजय जैन मीरा मार्ग के सुशील पहाड़िया समेत समाजजन मौजूद थे।

- **सेल्फ़ी स्टैंड पर आकर उपस्थित समाज ने शाकाहार के नियमों की जानकारी ली**

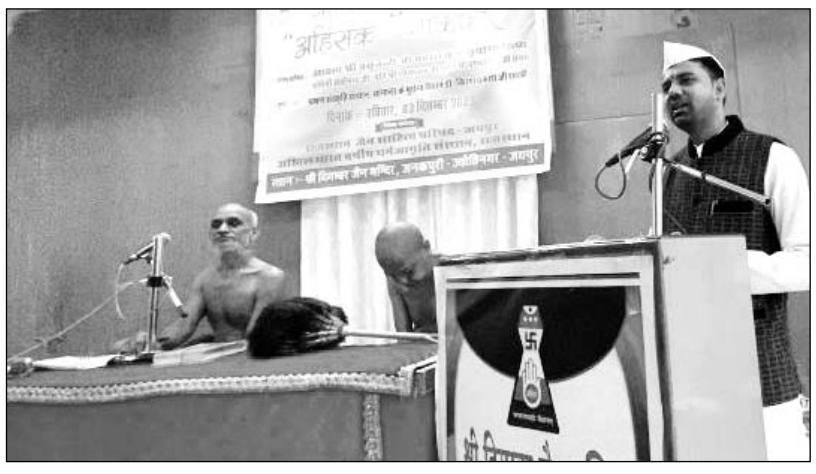

बारिश से बढ़ी शहर में ठिठुरन

जयपुर (कासं)। राजस्थान में सक्रिय नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से रविवार को कुछ जगहों पर मौसम का मिजाज बदला हुआ नजर आया। जयपुर में रविवार दोपहर से लेकर शाम तक हल्की बारिश हुई, इससे पहले दिनभर बादल छाए रहे, लेकिन बारिश के बाद देर शाम ठिठुरन व कोहरा बढ़ गया।

मौसम केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि जयपुर, सीकर, चूरू, झुंझुनूं, अजमेर, दौसा समेत कई एरिया में कोहरा छाया रहा। इसी प्रकार कोटा, बांसवाड़ा, उदयपुर, भीलवाड़ा और चित्तौड़गढ़ के कुछ हिस्सों में बारिश दर्ज की गई है। पर्वतीय पर्यटन स्थल माउंट आबू में न्यूतनम तापमान सात डिग्री दर्ज किया। भीलवाड़ा में भी एक इंच बारिश हुई। हाडौती अंचल के कोटा व बूंदी जिले बारिश से तर हो गए।

कोटा व बूंदी जिले में साढ़े तीन घंटे तक लगातार तेज बारिश का दौर चला। उसके बाद शाम तक रिमझिम व तेज बारिश होती रही। बूंदी जिले में बारिश की झड़ी लगी रही। झालावाड़ शहर सहित जिले के कुछ क्षेत्रों में सुबह कोहरे के बीच बूंदाबांदी हुई। सीकर में ओस गिरने के साथ कई स्थानों पर घना कोहरा छाया। फतेहपुर का न्यूनतम तापमान आठ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सोमवार को नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से पूर्वी राजस्थान के कोटा, उदयपुर, अजमेर, जयपुर और भरतपुर संभाग के कुछ भागों में मेघगर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

ARBiT
it happens here...

Walt Disney Day

The name, Disney, is known all over the world and is the brand name of characters and stories that are cherished and beloved the world over. Behind all of this wonder, the voices of Mickey Mouse and the seemingly endless parade of characters that the company put out was the vision of one man, Walter Elias Disney. Known to his friends, which he would consider all of us, Walt. Walt Disney Day celebrates this incredible man and the joy and laughter he brought to the world.

राष्ट्रदूत
MONDAY
04 December 2023
A-B

#NOBLE-CAUSE

World Wildlife Conservation Day

Dedicated efforts to protect our planet's incredible creatures and their habitats, ensuring future generations, get to share in, the wonder of nature

The sad truth is that the world's best loved, beautiful and fascinating species are being slaughtered by widespread and dangerous criminal networks that will stop at nothing to get what they want. And what they want are animal parts and products that, for reasons, no sane person really understands, are worth lots of money.

There are plenty of synthetic substitutes for things like ivory and fur that don't require the brutal slaughter of an animal to obtain, not to mention how hard it actually is to tell the difference between high-quality synthetic substitutes and the real thing. Long story short, there is simply no excuse for the amount of animals being poached every year.

And yet they are. In 2011 alone, for example, there were 13 large-scale seizures of ivory and over 23 tons of ivory confiscated, which is equivalent to at least 2,500 elephants. A 2010 United Nations report suggests that gorillas could disappear altogether from large parts of the Congo Basin by the mid-2020s.

And it is not just the animals that are suffering. Park rangers get killed on a regular basis by poachers they're trying to stop and the local economies of entire towns and villages suffer terrible damage once enough wildlife is wiped out to make them irrelevant as wildlife tourism destinations. Corruption and intimidation are weakening law enforcement efforts. Unscreened wildlife and wildlife parts increase the risk of human health pandemics such as bird flu. Everyone involved is suffering.

History of World Wildlife Conservation Day

A call to action was put out by Secretary of State, Hillary Clinton in 2012 to raise awareness and engage conservationists on Wildlife Conservation Day, December 4. During the "Wildlife Trafficking and Conservation: A Call to Action" event held at the State Department on November 8th 2012, Secretary Clinton outlined the White House's strategy to address the global problem of wildlife trafficking. These efforts are estimated to cost between $7 and $10 billion dollars, a year.

"Wildlife cannot be manufactured. And once it's gone, it cannot be replenished. Those who profit from it illegally are not just undermining our borders and our economies, they are truly stealing from the next generation." she said.

How to Celebrate World Wildlife Conservation Day

Raise awareness and contribute to the conservation and protection of endangered species such as elephants, rhinos and tigers on World Wildlife Conservation Day's website. This global occasion provides everyone with the opportunity to learn more about wildlife conservation and to be part of the solution to wildlife crime. Go online and join thousands of other individuals who have taken wildlife pledge. Promise to learn more about wildlife conservation, spread the word about importance of protecting our planet's most endangered species and the impact of poaching on our environment. Learn how to become a responsible consumer in order to stop illicit wildlife trade.

The first problem was transportation. Since I had been inside enemy territory the longest and had good rapport going with Tiger Siddiqui, I was given the task to muster up as many vehicles as possible. I got going with my Bahini lads and by last light, had grabbed about 15 cars and 10 odd buses, given under duress, of course. The men were quite resourceful too. They got hold of cycles and rickshaws in large numbers! Advance was resumed on 14th morning but to our regret, we did not have cameras to capture the scene. Soldiers marching, soldiers on cycles and rickshaws and heavy stuff on brightly painted buses and trucks! On 15th's early morning, we picked up on radio, what appeared to be an order from General Niazi to all troops, to surrender. Advance was speeded up since we were nearing Mirpur Cantonment on the Southern edge of Dhaka and were keen to be the first to enter the capital. In the event, we succeeded.

BEHIND ENEMY LINES

PART: 1

It was with great difficulty that I got my friend and of course, mate Brig PK Ghosh, to write this account of his wartime experiences. I had it published in a book 'Liberation 1971', which was launched by Sheikh Hasina, herself. This story was picked up by a friend of mine, Wing Commander Krishnamurti who was one of the pilots who flew us across the Meghna. 'Krauts', as Krishnamurti is called by his friends, dramatized the account which went around the armed forces groups like a wildfire. This fictionalized account is carried in Part 2, which will be published later.

Brig PK GHOSH (Vr.C)

On May 1971, the situation in East Pakistan was boiling over. Refugees had begun to pour into India and the constant refrain in the media was that war with Pakistan was imminent. At this time, I went to attend the Combined Course at the Joint Air Warfare School (JAWS) in Secunderabad. When I returned to 50 Parachute Brigade, in October, Brigadier Thomas summoned me and told me to meet the Chief of staff, Headquarter Eastern Command, Major General JFR Jacob.

I met General Jacob and he congratulated me for 'volunteering' for the 'mission'. Seeing the look of utter bewilderment on my face, Gen Jacob smiled and proceeded to put me at ease in a most avuncular fashion.

'Look young man, you're a para-trooper, a signaler, a commando, a Bengali and your commander says that you topped the last course at JAWS, I cannot think of a better lad for this 'job".

The job was to get into enemy territory as soon as possible in the event of war breaking out, establish a good working relationship with Mukti Bahini and locate two to three good dropping zones (DZs) for 2 Para Battalion Group, as close to Pungli Bridge. General Jacob then waved me off with a big reassuring smile and said orders would follow in the due course.

I left Dum Dum for Guwahati by air on 28 November 1971, along with Lt Col KS Pannu, the Commanding Officer of 2 Para. It was a bright sunny morning and I was happy to be going to Shillong in this style. How lucky can a fellow get, I thought. I also felt thrilled to be going on this ultra-secret mission. Although I did not know much about it, but from the send-off talk that my commander gave me before I left, one thing was evident. I was in for plenty of excitement, once the balloon went up.

Lt Col KS Pannu.

I reach Shillong

Brig Sant Singh

Tiger Siddiqui

We met at Guwahati airport, a shady looking character who took charge of our luggage and whisked us off to Shillong in an Ambassador car. He took us to the Officer's Mess and disappeared. Major Bammi, the GSO2 (Operations) met us after dinner and asked us to be ready to meet the General Officer Commanding (GOC) 101 Communication Zone Area next morning at 0400 hours! When Pannu protested, Bammi told him that the 'Old Man' liked to get an early start. Next morning, dot at four, we were ushered into General Gurbux Gill's bedroom. The General lay on his bed while we took up military postures. The bedroom looked more like a macho Command Post than a place for carefree slumber. Taking hold of a long pointer staff, he briefed us with the help of the 'ceiling to floor maps', at the foot of his bed. He also briefed me about Tiger Siddiqui whom he had met when the latter was undergoing some training in the FJ sector under Brigadier Sant Singh and told me it was important to contact Siddiqui at the earliest.

From the briefing, I surmised that the Mukti Bahini in Tiger Siddiqui's area was roughly 15,000 strong and that Siddiqui was one of the most effective Mukti Bahini commanders in Bangladesh. His force operated in the Tangail and Mymensingh area and he had become a thorn in the flesh of the Pakistan army. He was something of a snob but was completely honest, straightforward and highly motivated. Though lacking in formal military training, he had a lot of common sense and natural leadership and was a good organizer. General Gill also stated that the Mukti Bahini was in virtual control over the Eastern banks of the Padma River from Jagannathganj Ghat to Tangail. The Mymensingh-Tangail Highway and the areas immediately to the east and west of it, were under Pakistani control. He then told us to proceed forthwith to Garo Bhada in the Tura Hills District for further briefing at Headquarter, 95 Mountain Brigade. When Pannu asked him for further orders, General Gill told him to collect as much information as he could, then go back to Kolkata and wait for the 'balloon to go up'. As for me, I was to be launched into East Pakistan without further delay! Pannu looked at me with, 'a better you than me, boy' smirk on his face.

We reached Headquarter, 95 Mountain Brigade by ten, that night and realized that heavy and serious skirmishing was even then going on in border areas with East Pakistan. Brigadier Kler knew me from my days in 19 Mountain Division at Baramulla, he asked me how I planned to get on with my job.

'Well sir', I said, 'apart from the fact that there is not enough time for me to get circumcised, I do not have the foggiest notion of how to proceed in the matter.'

'Do not worry.' said Brigadier Kler, cheerfully. 'I have had a chat with Brigadier Sant Singh, Commander of FJ Sector. His Brigade Major, Major Mookherjee, will brief you further.'

Peace offering

On 1 December, General Gill arrived at the helipad and the General then briefed me. He told me that I was to pose as a Mukti Bahini, but if caught by the enemy, my cover was that I was a Bengali from Kolkata who was fighting with Mukti Bahini as a freelance. He also gave me an Odomos tube and asked me to give it to Siddiqui, as a present from the GOC. This, he assured me, would put me in good standing with Siddiqui. He also told me to crossover the same evening.

From the helipad, I went along with Brig Sant Singh to Dalu. He briefed me in his office where I was told that Siddiqui's forces had adequate quantities of mortars and ammunition, some of which we had supplied and some had been captured from two steamers in August, on the Padma River, off a village called Matighata. I was to contact Siddiqui as soon as possible, find out the location of his forces and pass back this information at once, as well as information about the enemy. I was also to operate in conjunction with military operations, launched by the Indian Army and where possible, block enemy positions to prevent withdrawal of forces or movement of reinforcements. My main task, of course, remained to select main and alternate DZs, not too far from Tangail and pass back coordinates to FJ Sector.

At Dalu, I met SG Mookherji of Signals, whom I knew from my days, at Mhow while attending a course there. He also filled me up on other details of the operation and my mission. I was given the codename 'Peter', dressed up in a 'lungi', a half-torn shirt with a 'jhola' and a sheet to cover myself. The codename for Headquarters, FJ sector was Babaji. That incidentally was how Siddiqui's forces referred to Brigadier Sant Singh. I was also given Rs10,000/- in Pakistan currency and an unmarked Sten Machine Carbine with two magazines of unmarked ammunition. Captain TI Donald, the Signals Officer of FJ Sector, then handed over two small radio trans-receivers, called Radio Set HX. Four such sets had also been sent across in September to the Mukti Bahini, but their fate was not known. Working on battery cells, the crystal tuned set could be used to send and receive messages using Morse code. I was told that I could expect a range of about 10 to 15 kms with the former and about 30 kms with the latter. In actual practice, on good days, I was able to get as much as 65 to 70 kms! Ofcourse, I took the precautions of discreetly passing it on to Donald's boys that my Morse was a bit rusty.

#THE '71

Brig Ghosh, Maj Chandrakant, Mrs. Bandana Ghosh.

To be happy or not to be

Setting across the border, I do recall being a bit uneasy. I was young but not so young to not realise that my wife was in the family way with our second child. She was due in December and it would be hard on her if something were to happen to me. I had taken precautions of writing out about seven odd letters and sent them back to my Company with Colonel Pannu, with instructions to 'Bags' (late General Andy Bhagat) to post them at regular intervals to my wife. (As it turned out, this ploy failed miserably since my letters were impossibly out of sync with her letters, not to mention the well-known 'women's' intuition factor'. At a professional level, I realized that my mission was important and that I ought to feel excited. I also realized that what I was doing was 'clandestine'. General Gurbux had made it quite clear that once I crossed over, the Indian Army would disclaim all knowledge of my existence. Nonetheless, once I had spent 24 hours inside enemy territory, the urgency of 'here and now' completely took over my consciousness and thereafter, it was more a question of thinking on my feet and getting on with the job.

From Dalu, I came to Garo Bada and then moved to Manka Char on the border, where we had a post, each of the BSF and the Mukti Bahini. I had with me 'Badshah', a 14-year old boy, whom I had picked out from the batch of Mukti Bahini trainees in FJ sector. He came in handy as a local guide and as an interpreter, when required. I was after all a 'Bong', born and brought up in Kanpur and as far as local dialects of rural East Pakistan were concerned, I may, as well, have been of Greek Parentage.

At ten that night, Badshah and I left by foot. We walked due south for about 10 miles and then were able to arrange a small boat which we hired. This I decided would be the safest and fastest way to contact Siddiqui, who, as I was told, was at a place called Bhuapur, about 65 miles further south. There were two places en route, which would be dangerous; Bahadurabad Ghat and another Ghat about ten miles further south, which were guarded by Pakistani soldiers.

And lo action...

Siddiqui told me that the Tangail garrison was apparently being reinforced. We decided to blow up as many bridges as we could on the main road. Between 5 and 8 December, we destroyed 17 bridges between Mirzapur and Tangail. Most of these bridges were guarded by Razakars, of whom we must have killed about 100, in those 4 days. In the meantime, I kept FJ apprised of our actions. We also reconnoitered suitable areas for the para drop and I passed on the coordinates of these locations. Operating mainly at night, we regularly ambushed Pakistani military convoys moving up and down the kamalpur/Mymensingh-Madhupur-Tangail Axis creating, as much confusion and insecurity in the rear areas, as we could. I have to say that the Mukti Bahini boys were in high spirits and fairly charged up.

On 9 December, FJ sector asked me, if I was ready for my colleagues. I replied in the affirmative but was not informed when and where they were coming. I could not get through on the 10th and got rather desperate because I felt the drop was imminent. My only consolation was that my location was not too far from the projected drop locations. My anxiety was finally resolved on the 11th evening. It was around 1500 hours that we heard the drone of an aircraft. This was obviously the 'Pathfinder'. It was already getting a little dark since by IST, the sun sets early in the east. I rushed towards the DZ area with about 50 young lads, who were every bit as excited as I was. By the time we reached at around 1700 hours, the drop had commenced. We had practiced this at Agra many times, but this was the actual stuff! I am proud to say that 2 Para and all other components under command went about their landing and rendezvous drills in a professional manner. In less than 90 minutes, the guns, mortars and machine guns were deployed and by 1830 hours, the battalion had taken up positions astride Road Madhupur-Tangail on either side of the Pungli Bridge. They were in the nick of time, because just then, the Pakistani troops, falling back from Jamalpur and Mymensingh were upon us, trying desperately to break through to Tangail. The enemy, taken by surprise, suffered heavy losses. I remember that Major VK Sarda, along with Captain Surjit Singh, were deployed in the forward companies and did a tremendous job in keeping the enemy at bay and standing firm with their boys. Both were awarded the Vir Chakra for gallantry.

I had earlier indicated to Headquarter Eastern Command via FJ Sector that, given the local situation, paucity of Pakistani troops in Tangail and roadblocks that I had planned to establish, a morning drop would be feasible and advisable. Had that taken place, we would have been able to cut off a major portion of the Pakistani forces falling back from Mymensingh and Kamalpur and caused even greater damage to the enemy. I, however, look back with satisfaction on a job well done. I had about 200 excited Mukti Bahini boys under my control on the DZ, and we contributed our bit to the success of the operation in terms of getting the Battalion to Poongli Bridge, north of Tangail, without delay and recovering all the heavy drops including artillery guns, ammunition, light vehicles and other stores to the respective earmarked areas, with dispatch.

Welcome was perfunctory

We rested for the night and resumed journey the next day at five in the morning, reaching Bahadurabad Ghat just before midnight. It was pitch dark and the boatman was paddling furiously to bypass the point as quickly as possible. The sentry at the ghat somehow got suspicious and suddenly a powerful beam of light came on and started scanning the river in a wide arc. Luckily, we were near the far bank and we jumped out of the boat. The river, at this point, was about 400 yards wide. When the beam caught our boat, machine gun fire opened on us, but by this time, we were safely hidden in the broken ground across the river. The firing continued for about five minutes but the Pakistanis did not cross over to investigate the boat as it had tilted and was at a rakish angle. The search beam, however, continued for another 15 minutes. We then got back in the boat, crossed the ghat and moved to the west bank of the Padma River and resumed the journey on foot.

We reached Bhuapur on 3 December and contacted the Mukti Bahini company there but there was no sign of Tiger Siddiqui. However, I did locate one of the four radio sets given to Siddiqui. Early next morning, I opened my set at 5 AM and keeping my fingers crossed, put the magnetic earphone into my ear. After about 5 minutes, I had a strong Morse station and concentrated. I got the word 'BABA.....' And immediately transmitted back, asking the other end to send very slowly. This time, I received 'FROM BABAJI TO PETER'. I had established contact. I now found myself in a tricky position as the Mukti Bahini company at Bhuapur had to be moved near Madhupur but in the absence of Siddiqui, the local company commander was rather reluctant to take orders directly from me. Ultimately, however, he was persuaded to do so. This company, along with two more companies to the north then occupied defensive positions southwest of Madhupur and west of Gopalpur. The enemy was not to be allowed access to the Padma and escape down south.

From Bhuapur, I collected nine young and enthusiastic boys and headed south towards Tangail, in search of Siddiqui. By the evening, we reached a village called Doghalkandi, just north of Tangail. From the Mukti Bahini company there, I came to know that Siddiqui was in village, Nagarpur, ten miles south of Tangail. To save time, I decided to move through Tangail town but as the town was held by the Pakistani forces, it was important to find out their deployment. To facilitate our move, the Mukti Bahini men were attacking a Razakar outpost of five mud bunkers. There were about 20 Razakars there with weapons, holding on stubbornly to their positions. I came to know that Siddiqui had earlier left for Basail, a Thana headquarter, about eight miles south east of Tangail. We, finally, contacted Siddiqui there, at eight in the morning and handed over Brigadier Sant Singh's letter to him.

Celebrations

After the surrender Ceremony was over, most of us repaired to the Dhaka Intercontinental Hotel to celebrate. The member of the International press and journalists from all major international magazines were lying in wait to get all the scoops. While they plied us with some good whisky, we, on our part, held forth on how 'we had won the war', not neglecting to mention the stellar role played by our own selves!

We were happy but at a personal level, there was a tinge of sadness. Right from the morning of 16 December, there was much sniping going on by the Mukti Bahini, who were armed and wanted to extract revenge on the Pakistan Army personnel and their families as they rushed back to Dhaka to seek shelter with the Indian Army in makeshift prisoner of war camps. Captain Ajit Singh, the education officer of 95 Mountain Brigade, was hit by a stray bullet while outside the Intercontinental Hotel and died on the spot. Truly, conflicts bring about their own share of tragedies. This was most unfortunate as it occurred just before the surrender ceremony. We left Dhaka soon after. My stay behind enemy lines was over.

rajeshsharma1049@gmail.com

Interesting problems with more interesting solutions

The first problem was transportation. Since I had been inside enemy territory the longest and had good rapport going with Tiger Siddiqui, I was given the task to muster up as many vehicles as possible. I got going with my Bahini lads and by last light, had grabbed about 15 cars and 10 odd buses, given under duress, of course. The men were quite resourceful too. They got hold of cycles and rickshaws in large numbers! Advance was resumed on 14th morning but to our regret, we did not have cameras to capture the scene. Soldiers marching, soldiers on cycles and rickshaws and heavy stuff on brightly painted buses and trucks! On 15th's early morning, we picked up on radio, what appeared to be an order from General Niazi to all troops to surrender. Advance was speeded up since we were nearing Mirpur Cantonment on the Southern edge of Dhaka and were keen to be the first to enter the capital. In the event, we succeeded.

This story would have turned out even better, had it not been for a slight miscalculation on my part. It was the evening of 16 December; the stage was set for the Surrender Ceremony at the Ramna Race Course. A contingent, each of Indian and Pakistan Army, had been constituted. The Indian Contingent was taken entirely from Para 2 of which, I was a part. After General Niazi handed over his pistol to General Aurora and the latter reviewed the contingents, both Generals repaired to the table set up, for the actual signing. The contingents broke off and surged forward to get a ringside view of the historic event. It was difficult to say who was the more excited, our boys for having trumped the enemy or the Pakistani, relieved that the whole sordid affair was over, and they could now go back home!

Seeing that the crowd was too dense to penetrate, I stepped aside and stood next to Niazi's staff car. I casually stole a glance to my left to admire the shiny black Mercedes with Niazi's flag still hoisted atop. This was my big chance! I saw a vision of this flag adorning the Headquarters Mess at Mhow (with my name in small caption below). As I was mustering courage and looking for a chance to swipe it, there was a sudden swelling of the crowd with much shoving and elbowing. I soon regained proximity to the staff car again, just in time to see a Naval Officer disappearing with the flag. Whenever I reminisce over the Dhaka days, this incident still rankles. Who says life is fair?

THE WALL

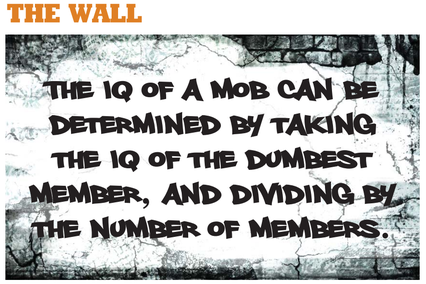

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

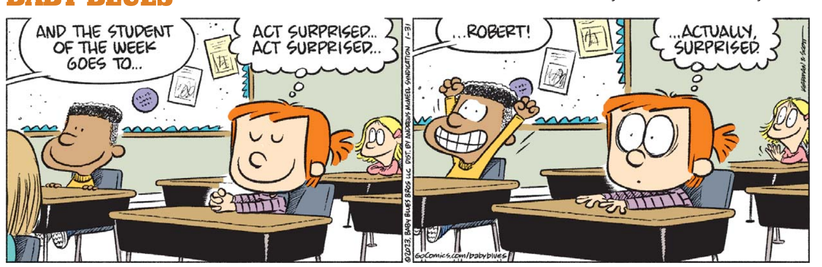

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

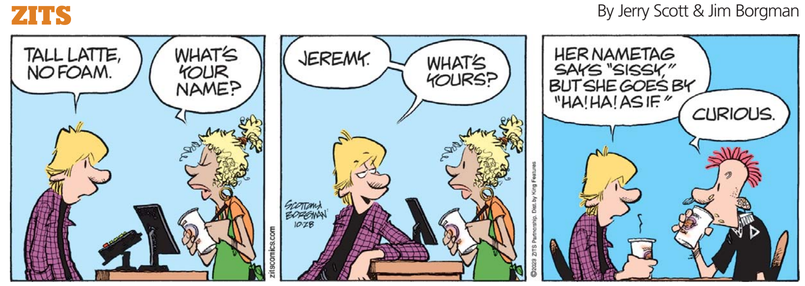

अजमेर की आठ सीटों में से सात पर भाजपा का कब्जा

भाजपा के वासुदेव देवनानी ने पांचवीं बार विधायक बनने का इतिहास रचा

अजमेर उत्तर से भाजपा प्रत्याशी वासुदेव देवनानी 4644 वोटों से जीते।

अजमेर दक्षिण से भाजपा प्रत्याशी अनिता भदेल जीती।

अजमेर, (कासं)। विधानसभा चुनाव 2023 में इस बार कांग्रेस को बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा। अजमेर की आठों विधानसभा सीटों में से सात पर भाजपा ने अपनी जीत दर्ज करवाई तो वहीं मात्र एक विधानसभा सीट किशनगढ़ पर कांग्रेस प्रत्याशी विकास चौधरी ने जीत हासिल कर कांग्रेस की लाज रख ली।

अजमेर उत्तर विधानसभा में इस बार चेहरा परिवर्तन की मांग को लेकर भाजपा के कुछ कार्यकर्ताओं द्वारा भारी विरोध किया गया और भाजपा से बागी हुए ज्ञान चंद सारस्वत ने निर्दलीय चुनाव लड़ने के बावजूद भाजपा प्रत्याशी वासुदेव देवनानी ने कांग्रेस प्रत्याशी महेन्द्र सिंह रलावता को चार हजार 644 वोटों से पराजित कर देवनानी ने जीत हासिल कर पांचवीं बार विधायक बनने का इतिहास रच दिया। भाजपा प्रत्याशी वासुदेव देवनानी को कुल 57895 वोट मिले, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी महेन्द्र सिंह रलावता को 53251 वोट मिले, तो वहीं भाजपा से बागी हुए निर्दलीय प्रत्याशी ज्ञानचंद सारस्वत को 26352 वोट मिले तो कुंदन वैष्णव को 1971 वोट मिले।

अजमेर दक्षिण विधानसभा सीट भाजपा प्रत्याशी अनिता भदेल ने अपने सामने चुनावी मैदान में खड़ी कांग्रेस प्रत्याशी द्रोपदी कोली को 4446 मतों से पराजित कर भदेल पांचवी बार विधायक बनी। दक्षिण विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी अनिता भदेल को 71319 तथा कांग्रेस प्रत्याशी द्रोपदी कोली को 66873 मत मिले तथा निर्दलीय प्रत्याशी आरएलपी प्रत्याशी परमेश्वर लाल कटारिया को 440 मत तो वही निर्दलीय प्रत्याशी विनोद कुमार को 456 मत मिले।

केकड़ी में आखिर विकास पर व्यवहार भारी पड़ गया। व्यवहार के दम पर भाजपा प्रत्याशी शत्रुघ्न गौतम ने विकास पुरुष के नाम से पहचान रखने वाले कांग्रेस के कद्दावर नेता डॉ रघु शर्मा को 7542 मतों के अंतर से हराया। इस जीत के साथ ही शत्रुघ्न गौतम दूसरी बार केकड़ी से विधायक बने हैं। केकड़ी में शत्रुघ्न गौतम की जीत के साथ ही भाजपा कार्यकर्ताओ ने जश्न मनाया। शहर के विभिन्न गली चौराहा पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी की और एक दूसरे का मुंह मीठा करा कर खुशी का इजहार किया।

> ■ भाजपा की अनिता भदेल ने कांग्रेस प्रत्याशी द्रोपदी कोली को 4446 मतों से पराजित किया

किशनगढ़ विधानसभा :- विधानसभा चुनाव 2023 के परिणाम में कांग्रेस के डॉ विकास चौधरी ने निर्दलीय उम्मीदवार सुरेश टांक को 3620 वोट से शिकस्त देकर जीत हासिल की। वही भाजपा प्रत्यासी व सांसद भागीरथ चौधरी तीसरे स्थान पर रहे। कांग्रेस उम्मीदवार विकास चौधरी को 83645 मत, निर्दलीय सुरेश टाक 80025 वोट, भाजपा के भागीरथ चौधरी को 37534 वोट मिले।

मसूदा विधानसभा :- विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी व मसूदा निवासी प्रत्याशी वीरेन्द्र सिंह कानावत के भारी मतों से विजयी होने पर कस्बे सहित मसूदा विधानसभा में खुशी की लहर दौड़ गई। साथ ही जमकर आतिशबाजी की गई।कस्बे में रविवार को विधानसभा चुनाव की मतगणना में मसूदा निवासी भाजपा प्रत्याशी वीरेंद्र सिंह कानावत ने 26775 मतों से जीत हासिल की। नसीराबाद विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी रामस्वरूप लांबा अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस प्रत्याशी शिव प्रकाश गुर्जर को 1135 मतों से पराजित कर लांबा ने जीत हासिल की। पुष्कर सीट पर भाजपा के सुरेश सिंह रावत ने लगातार जीत हासिल कर हैट्रिक लगाने में कामयाब हो गए।

वही कांग्रेस की नसीम अख्तर इंसाफ को तीसरी बार हार का मुंह देखना पड़ा। इसके साथ उनके भविष्य में विधायक टिकट मिलने पर भी प्रश्न चिन्ह लग गया। ब्यावर से भाजपा प्रत्याशी शंकरसिंह रावत ने जीत का चौका लगाया। उन्होंने प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के पारसमल जैन पंच को 9063 मतों से हराया है। भाजपा के शंकर सिंह रावत की जीत का सबसे महत्वपूर्ण कारण जातिगत वोट बैंक रहा, ग्रामीण बाहुल्य क्षेत्रां में पारसमल जैन की कार्यकर्ताओं व आमजन में पकड कम होना भी हार का कारण माना जा रहा है।

कांग्रेस के कुशासन का अंत हुआ : डॉ. किरोड़ी लाल मीणा

सवाईमाधोपुर, (निसं)। विधानसभा चुनाव के मध्य नजर सवाई माधोपुर जिले की चार विधानसभा सीटों में से दो पर भाजपा ने अपना कब्जा जमा लिया। लेकिन दो सीट फिर कांग्रेस के खाते में चली गई। सवाई माधोपुर जिला मुख्यालय की सवाई माधोपुर विधानसभा सीट जहां राज्यसभा सांसद डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा भाजपा प्रत्याशी चुनाव जीत गए। इस सीट पर भाजपा की बागी आशा मीणा के कारण शुरू से ही त्रिकोणीय मुकाबला रहा। लेकिन इसके बावजूद डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा ने सवाई माधोपुर विधानसभा सीट से चुनाव जीते।

उन्होंने निकटतम कांग्रेस के प्रत्याशी को 22510 मतों से शिकस्त दी। इसके अलावा खंडार विधानसभा सीट पर भी भाजपा के जितेंद्र गोठवाल ने अपना कब्जा जमाया। गोठवाल ने कांग्रेस प्रत्याशी अशोक बैरवा को 14274 मतों से पराजित किया। जिले की बामनवास सीट पर कांग्रेस की इंदिरा मीणा ने लगातार दूसरी बार अपनी जीत हासिल की। साथ ही गंगापुर सिटी से रामकेश मीणा ने भी कांग्रेस से जीत दर्ज की। मत गणना स्थल पर किसी के चेहरे पर जीत के भाव तो किसी के चेहरे पर हार की मायूसी देखने को मिली। इस अवसर पर कांग्रेस प्रत्याशी इंदिरा मीणा ने बात करते हुए कहा कि बामनवास विधानसभा सीट से कांग्रेस का कोई भी प्रत्याशी दोबारा जीत नहीं सका। ऐसे में उन्होंने जीत कर इतिहास रच दिया है। साथ ही डॉक्टर किरोडी लाल मीणा ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस के कुशासन का अंत हुआ और अब भाजपा विकास के रास्ते पर चलते हुए प्रचंड बहुमत से सरकार बनाकर सुशासन प्रदान करेगी।

> ■ चार विधानसभा सीट में से दो पर भाजपा का तो दो पर कांग्रेस का कब्ज़ा रहा बरकरार

भरतपुर में इस बार मतदाताओं ने उलटफेर किया

भरतपुर में सात विस. क्षेत्रों में भाजपा को पांच सीट

भरतपुर (निस)। भरतपुर में सात विधानसभा क्षेत्रों की चुनावी मतगणना में मिले परिणामों में भाजपा को पांच सीट, एक निर्दलीय एवं एक पर कांग्रेस समर्थित रालौद के उम्मीदवार विजयी हुए हैं। इससे पहले इन सात विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा के पास एक भी सीट नहीं थी। पिछली बार पांच पर कांग्रेस व दो पर बसपा के उम्मीदवार जीते थे।

बाद में बसपा के विधायक भी कांग्रेस के साथ शामिल हो गए। जिससे भरतपुर की सभी सीट कांग्रेस की हो गई। लेकिन इस बार मतदाताओं ने उलटफेर कर दिया है। अब विधानसभा चुनाव के बाद डीग कुम्हेर से भाजपा के डॉ षैलेश सिंह, नगर से भाजपा के जवाहर सिंह बेढम, कामां से भाजपा की नौक्षम चौधरी, वैर से भाजपा के बहादुर सिंह कोली, नदबई से भाजपा के जगत सिंह विधायक बने हैं। जबकि बयाना से भाजपा की बागी उम्मीदरवार डॉ ऋतु बनावत निर्दलीय विधायक बनी हैं।

> ■ वहीं एक निर्दलीय एवं एक पर कांग्रेस समर्थित रालौद उम्मीदवार विजयी
>
> ■ इससे पहले इन सात विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा के पास एक भी सीट नहीं थी

जबकि भरतपुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस समर्थित आरएलडी के उम्मीदवार डॉ सुभाश गर्ग विधायक बने हैं। इससे पहले भी डॉ सुभाश गर्ग विधायक थे और सरकार में राज्यमंत्री रहे थे। लेकिन इस बार राज्य में भाजपा सरकार बनने से डॉ सुभाश गर्ग को अब विपक्ष में बैठना होगा। सबसे ज्यादा मतों से बयाना क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार ऋतु बनावत ने 40 हजार 642 मतों से जीत हासिल की। जबकि सबसे कम मतों से नगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याषी जवाहर सिंह बेढम 1531 मतों से विजयी बने।

इस चुनाव में भरतपुर जिले से दो महिला पहली बार विधायक बनी हैं जिसमें कामां से नौक्षम चौधरी व बयाना से ऋतु बनावत हैं। इस चुनाव में कांग्रेस सरकार में रहे तीन केबिनेट मंत्री भजन लाल जाटव को वैर क्षेत्र से एवं डीग कुम्हेर से केबिनेट मंत्री विश्वेन्द्र सिंह एवं कामां से राज्यमंत्री जाहिदा खान को पराजय मिली है। जबकि राज्यमंत्री का दर्जा प्राप्त एवं बसपा से विधायक बनकर कांग्रेस में शामिल हुए दो विधायक जोगिन्दर अवाना एवं वाजिब अली को भी पराजय का सामना करना पडा है। केवल राज्यमंत्री डॉ. सुभाष गर्ग ने कांग्रेस की लाज रखी है। पहले भी ये आरएलडी से ही विधायक थे अब दूसरी बार आरएलडी से ही विधायक रहे हैं।

नागौर से हरेन्द्र मिर्धा व खींवसर से हनुमान बेनीवाल चुनाव जीते

चार बीजेपी, चार कांग्रेस, एक आरएलपी तो एक निर्दलीय को मिली जीत

नागौर, (निसं)। सोलहवीं विधानसभा के लिए 25 नवम्बर को हुए आमचुनाव के तहत नागौर जिले की दस विधानसभा सीटों के लिए हुए मतदान की रविवार को मतगणना हुई। नागौर जिला मुख्यालय के मिर्धा महाविद्यालय और माडीबाई महिला महाविद्यालय में मतगणना हुई। जिले की दस सीटों पर कुल 81 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। सुबह आठ बजे से मतगणना शुरू हुई।

चुनाव परिणाम को लेकर लोगों में काफी उत्सुकता रही। पांच सीटों की मतगणना मिर्धा महाविद्यालय में तथा पांच सीटों की मतगणना कन्या महाविद्यालय में हुई। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र को लेकर स्थापित मतगणना कक्ष में 14 टेबल लगाई गई थी। सुबह जल्दी ही लोग मतगणना स्थल की ओर पहुंचना शुरू हो गए। दिन चढ़ने के साथ ही मतगणना स्थल के बाहर लोगों की भीड़ जुटना शुरू हो गई। परिणाम आने के साथ ही कार्यकर्ता व समर्थक ढोल धमाकों के झूमने लगे।

इनके सिर बंधा जीत का सेहरा :- दोपहर बाद आए चुनाव परिणाम में 4 सीट पर भाजपा, 4 पर कांठासे , एक पर आरएलपी व एक पर निर्दलीय प्रत्याशी ने जीत हासिल की। लाडनूं से कांग्रेस के मुकेश भाकर, जायल से भाजपा की मंजू बाघमार, नागौर से कांठोस के हरेन्द्र मिर्धा, खींवसर से आरएलपी के हनुमान बेनीवाल, मेड़ता से भाजपा के लक्ष्मणराम मेघवाल, डेगाना से भाजपा के अजय सिंह किलक, मकराना से कांग्रेस के जाकिर हुसैन गैसावत, परबतसर से कांग्रेस के रामनिवास गावड़िया, नावां से भाजपा के विजय सिंह चौधरी ने जीत हासिल की। जबकि डीडवाना युनुस खान अपने निकटतम प्रतिद्वंदी चेतन डूडी को हराया।

आरएलपी को लगा झटका :- हनुमान बेनीवाल की आरएलपी को इस चुनाव में करारी हार का सामना करना पडा। बेनीवाल अकेले खींवसर से चुनाव जीते जबकि 2018 में हनुमान खींवसर से, मेडता से इंदिरा बावरी व भोपालगढ से पुखराज गर्ग जीते थे। इस बार आरएलपी ने 81 प्रत्याशी मैदान में उतारे मगर 80 प्रत्याशी चुनाव हार गए केवल हनुमान बेनीवाल ही चुनाव जीत पाए।

चाचा ने हराया भतीजी को :- नागौर सीट से भाजपा ने इस बार कांग्रेस से सांसद रही ज्योति मिर्धा को अपने पाले में मिलाकर टिकट दिया मगर कांग्रेस ने उनके रिश्ते में चाचा पूर्व मंत्री हरेंद्र मिर्धा को टिकट दे दिया। हरेंद्र की उम्मीदवारी से ही सारे समीकरण गडबडा गए थे। अंत में चाचा हरेंद्र मिर्धा ने भतीजी ज्योति मिर्धा को शिकस्त दे दी।

यूनुस खान का टिकट काटना पडा भारी :- भाजपा को डीडवाना में यूनुस खान का टिकट काटना भारी पड़ गया। यहां यूनुस खान बागी हो गए और निर्दलीय मैदान में उतरे। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी कांठोस के चेतन डूडी को हराया। भाजपा के जितेंद्र सिंह तीसरे नंबर पर रहे। यूनुस खान पहले 2 बार भाजपा से ही डीडवाना सीट से चुनाव जीते हुए थे मगर इस बार भी भाजपा ने यूनुस को टिकट नहीं दिया मगर उन्होंने निर्दलीय जीत कर अपना लोहा मनवा लिया।

मैनेजमेंट की कमी के कारण हारे रफीक मंडेलिया

चूरू, (कासं)। चूरू विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के हरलाल सहारण के सामने कांग्रेस के रफीक मंडेलिया को खुद के मैनेजमेंट की कमी के कारण एक बार फिर हार का मुंह देखना पड़ा है। यहां रही-सही कसर कांग्रेस की टिकट के दावेदारों और नगरपरिषद ने पूरी कर दी।

यहां राजनीति के जानकारों का कहना है कि रफीक मंडेलिया ने समय रहते अपने बिगड़ हुए मैनेजमेंट की ओर कोई ध्यान नहीं दिया। इतना ही नहीं मंडेलिया ने चुनाव की कमान भी उन्हीं के हाथों में सौंप दी, जिन्होंने 'मंडेलिया भगाओ' आंदोलन चलाया था। समर्पित कार्यकर्ताओं की अनदेखी मंडेलिया के लिए हानिकारक साबित हुए है। यहां कांग्रेस की टिकट मांगने वाले दावेदारों ने आलाकमान को जवाब दे दिया है। 'मंडेलिया भगाओ' आंदोलन करने में टिकट के अन्य सभी दावेदार एकजुट हुए थे। सभी ने आखिर तक प्रयास किया था कि चूरू से मंडेलिया को कांग्रेस की टिकट नहीं मिले। मंडेलिया ने सभी दावेदारों के सपनों पर पानी फेरते हुए टिकट ले ली। उस समय दावेदारों ने कहा कि आलाकमान को इसका जवाब वोट की ताकत से देंगे और वही कर दिखाया। यहां मंडेलिया अपनी पार्टी के स्थानीय नेताओं के जाल में उलझकर रह गए। इन सबके साथ नगरपरिषद चूरू का भी मंडेलिया की हार में काफी बड़ा हाथ माना जा रहा है। इन लोगों ने मंडेलिया को सोचने का मौका ही नहीं दिया। इनके द्वारा खाली लिफाफे की तरह साथ रहकर खेल बिगाड़ने का ही काम किया गया। कुल मिलाकर रफीक मंडेलिया के साथ विश्वासघात हुआ है।

> ■ चूरू में कांग्रेस की टिकट के दावेदारों ने रही-सही कसर पूरी कर दी

यहां रफीक मंडेलिया को मंथन करने की आवश्यकता है। दूसरी ओर भाजपा के हरलाल सहारण द्वारा की गई मेहनत रंग ले आई। यहां राजेन्द्र राठौड़ ने हरलाल सहारण के लिए झोली फैलाकर वोट मांगे थे, चूरू विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं ने सहारण को विजयी बना दिया। जीत के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने हरलाल सहारण का जोरदार स्वागत किया। लखेन्द्रसिंह दांदू, दलीपसिंह शेखावत आदि सहित समर्थकों ने सहारण को कंधों पर उठा लिया। चूरू में भाजपा के हरलाल सहारण ने 61 वर्ष में यहां किसी भी जाट नेता के विधायक नहीं बनने का रिकार्ड तोड़ दिया है। यहां कहा जा रहा है कि अब रफीक मंडेलिया लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र चूरू की टिकट लेकर आएंगे।

धौलपुर में तीन सीटों पर कांग्रेस व एक पर ब.स.पा. जीती

धौलपुर, (निसं)। राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 की मतगणना हुई। जिसमें धौलपुर जिले की तीन विधानसभा सीटों धौलपुर, बसेड़ी एवं राजाखेड़ा में जहां कांग्रेस के हाथ ने अपना परचम लहराया है। वहीं बाड़ी विधानसभा सीट पर बसपा ने जीत दर्ज की है। धौलपुर विधानसभा की कांग्रेस प्रत्याशी शोभारानी कुशवाहा ने अपने प्रतिद्वंदी बीएसपी के रितेश शर्मा को 16789 वोटों और बीजेपी के डॉक्टर शिवचरण कुशवाह को 24087 वोटों से हराया है। वहीं राजाखेड़ा के वर्तमान विधायक व कांग्रेस प्रत्याशी रोहित बौहरा ने बीजेपी की नीरजा शर्मा को 15230 वोटों से शिकस्त दी है।

बसेड़ी में कांग्रेस प्रत्याशी संजय कुमार ने अपने प्रतिद्वंद्वी भाजपा के सुखराम कोली को 27110 वोटों से पीछे छोड़ा है। वहीं बात करें बाड़ी विधानसभा सीट की तो बीएसपी के प्रत्याशी व पूर्व विधायक जसवंत सिंह गुर्जर ने वर्तमान विधायक व भाजपा प्रत्याशी गिर्राज सिंह मलिंगा को 27424 वोटों और कांग्रेस के प्रशांत परमार को 94459 वोटों से हराया है।

अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशियों की जीत की खुशी में समर्थकों ने बम पटाखे फोड़कर और

> ■ धौलपुर से कांग्रेस की शोभारानी कुशवाहा, राजाखेड़ा से कांग्रेस के रोहित बौहरा जीते

लड्डू मिठाई बताकर खुशियां मनाई। वहीं जीते हुए प्रत्याशियों ने अपने क्षेत्र के लोगों को जीत की खुशी के लिए शुभकामनाएं व बधाई दी और सबका आभार जताया।

मतगणना के दौरान जैसे ही जीत के रुझान आना शुरू हुआ तो मतगणना स्थल राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज धौलपुर के बाहर हजारों की संख्या में मौजूद प्रत्याशियों के समर्थको ने जीत की खुशी का जश्न मनाना शुरू कर दिया। वहीं मतगणना स्थल पर सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त रहे। बड़ी संख्या में पुलिस कर्मी, अर्ध सैनिक बल, आरएसी का जाप्त, पुलिस अधिकारी तैनात रहे। जिन्होंने मतगणना शांतिपूर्ण संपन्न करवाई। मतगणना में जब धौलपुर विधानसभा सीट की गिनती शुरू हुई तो पहले राउंड से लेकर तीसरे राउंड तक बसपा के प्रत्याशी रितेश शर्मा आगे चल रहे थे। उसके बाद चौथे राउंड से लेकर अंतिम राउंड तक कांग्रेस की शोभारानी कुशवाहा लगातार लीड करती रहीं। जिसमें सिर्फ पहले राउंड में ही बीजेपी के प्रत्याशी डॉक्टर शिवचरण कुशवाह दूसरे नंबर पर रहे, इसके बाद लगातार अंत तक तीसरे नंबर पर बने रहे।

सबसे ज्यादा कमाल तो बाड़ी विधानसभा सीट पर देखने को मिला, जहां पहले राउंड से लेकर अंतिम 19 राउंड तक बसपा के प्रत्याशी व पूर्व विधायक जसवंत सिंह गुर्जर लगातार लीड करते रहे। वहीं दूसरे नंबर पर बीजेपी के गिर्राज सिंह मलिंगा और तीसरे नंबर पर कांग्रेस प्रत्याशी प्रशांत परमार रहे। इसी प्रकार अगर बसेड़ी विधानसभा की बात करें तो पहले राउंड से लेकर तीसरे राउंड तक बीजेपी के प्रत्याशी सुखराम कोली आगे बने रहे। लेकिन चौथे राउंड में संजय कुमार आगे निकल गए। इसके बाद पांचवें राउंड से लेकर आठवें राउंड तक फिर से सुखराम कोली आगे रहे। लेकिन नौवें राउंड से लेकर अंतिम राउंड तक फिर से कांग्रेस प्रत्याशी संजय कुमार लगातार लीड करते रहे।

राजाखेड़ा विधानसभा सीट की तो पहले राउंड में ही बीजेपी की प्रत्याशी नीरजा शर्मा आगे रहीं। उसके बाद तो कांग्रेस के प्रत्याशी व वर्तमान विधायक रोहित बौहरा दूसरे राउंड से अंतिम राउंड तक लगातार लीड करते रहे।

सीकर जिले में पांच पर कांग्रेस व तीन सीट पर बीजेपी उम्मीदवार जीते

सीकर, (निसं)। विधानसभा आम चुनाव-2023 के चुनाव में सीकर जिले के 8 विधानसभा क्षेत्रों से कांग्रेस के पांच और भारतीय जनता पार्टी के तीन उम्मीदवार विजयी घोषित किए गए है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर सौरभ स्वामी ने बताया कि सीकर, नीमकाथाना, दांतारामगढ़, लक्ष्मणगढ़ और फतेहपुर से कांग्रेस के प्रत्याशी विजयी घोषित किए गए हैं, जबकि धोद, श्रीमाधोपुर व खण्डेला से बीजेपी उम्मीदवार विजयी घोषित किए गए हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सीकर से कांग्रेस प्रत्याशी राजेन्द्र पारीक ने भाजपा के रतन लाल जलधारी को 30038 मतों से हराया है। नीमकाथाना से कांग्रेस के सुरेश मोदी ने भाजपा के प्रेमसिंह बाजौर को 33090 मतों से हराया है। श्रीमाधोपुर से भारतीय जनता पार्टी के झाबर सिंह खर्रा ने कांग्रेस के दीपेन्द्र सिंह शेखावत को 14459 मतों से हराया है। इसी प्रकार दांतारामगढ़ से कांग्रेस के वीरेन्द्र सिंह ने भाजपा के गजानंद कुमावत को 7997 मतों से हराया है।

> ■ धोद, श्रीमाधोपुर व खण्डेला से बीजेपी उम्मीदवार विजयी घोषित किए गए

धोद से भारतीय जनता पार्टी के गोवर्धन वर्मा ने कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इण्डिया (मार्क्सिस्ट) के पेमाराम को 13378 मतों से हराया है। लक्ष्मणगढ़ में कांग्रेस के गोविन्द सिंह डोटासरा ने भाजपा के सुभाष महारिया को 18970 मतों से हराया तथा फतेहपुर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के हाकम अली खां ने भाजपा के श्रवण चौधरी को 25993 मतों से हराया है। उन्होंने बताया कि खण्डेला से बीजेपी के सुभाष मील ने कांग्रेस के महादेव सिंह खण्डेला को 42639 मतों से पाराजित किया है।

चौरासी व आसपुर में भारत आदिवासी पार्टी ने बाजी मारी

डूंगरपुर में कांग्रेस व सागवाड़ा में भाजपा प्रत्याशी जीते, बी.ए.पी. के रोत ने बनाया इतिहास, सर्वाधिक मतों से अब तक की सबसे बड़ी जीत दर्ज की

डूंगरपुर, (निसं)। विधानसभा आम चुनाव के तहत डूंगरपुर जिले की चार विधानसभा सीटों के लिए मतगणना रविवार को श्रीभोगीलाल पण्ड्या राजकीय महाविद्यालय में संपन्न हुई। अंतिम परिणाम के अनुसार डूंगरपुर विधानसभा क्षेत्र से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रत्याशी गणेश घोगरा, आसपुर विधानसभा क्षेत्र से भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के उमेश मीणा, सागवाड़ा विधानसभा क्षेत्रसे भारतीय जनता पार्टी के शंकरलाल डेंचा और चौरासी विधानसभा सीट से बीएपी के राजकुमार रोत विजयी हुए।

रविवार प्रात: से ही मतगणना को लेकर आमजन में उत्साह का माहौल था हालांकि परिणाम से पूर्व हुई चर्चाओं में अधिकांश लोगों का मत था कि चौरासी एवं आसपुर सीट पर बीएपी तथा सागवाडा व डूंगरपुर में भाजपा कांग्रेस अपना अस्तित्व कायम रखने में कामयाब हो जायेंगे लेकिन जिस तरह

प्रत्याशियों को विजयी होने के बाद प्रमाण पत्र दिये।

चौरासी विधानसभा सीट में दुबारा विधायक बने राजकुमार रोत की जीत का अंतर भी भाजपा व कांग्रेस के प्रत्याशियों को मिले वोटों से भी अधिक है। जिसने पूरे राजनितिक विश्लेषण को झकझोर के रख दिया कि आखिरकार इतने बड़े अंतर से विधानसभा चुनाव में एक क्षेत्रीय दल ने अपनी जीत दर्ज की है तो वहीं डूंगरपुर विधानसभा सीट पर कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी व दुबारा से विधायक बने गणेश घोघरा के लिये बागी उम्मीदवारों को लेकर संगठन ने भी चोरी छिपे सहयोग किया।

ताकि घोघरा चुनाव में शिकस्त को प्राप्त करे लेकिन घोघरा ने इसके विपरीत आम सभा की बजाय डोर टु डोर गांव-ढाणी जाकर संपर्क अभियान के जरियें अपने पक्ष में मतदान के लिये हर संभव प्रयास किये ओर उसी का परिणाम रहा कि वह 19 हजार मतों से विजयी बने। वहीं चौरासी में तो आजादी के बाद से अब तक सबसे बड़ी जीत क्षेत्रीय दल ने अर्जित की है जबकि इन पांच साल में गहलोत सरकार ने चौरासी को काफी सौगातें भी दी थी इसके बावजूद दोनों प्रमुख दलों को आम मतदाता ने जिस तरह हासिये पर रखा उसको देखते हुये विकास का मुद्दा गौण हो गया और जातिवाद का मुद्दा सिरमौर बन बैठा।

डूंगरपुर विधानसभा क्षेत्र से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उम्मीदवार गणेश घोगरा को कुल 69,338 मत प्राप्त हुए। जबकि निकटतम प्रतिद्वंद्वी बीएपी के कांतिलाल रोत को 50,285 मतप्राप्त हुए। वहीं,आसपुर विधानसभा क्षेत्र से विजयी प्रत्याशी बीएपी के उमेश मीणा को कुल 93 हजार 742 मत प्राप्त हुए। जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी भारतीय जनता पार्टी के गोपीचंद को 64 हजार 802 मत मिले। सागवाडा विधानसभा सीट से विजयी प्रत्याशी भारतीय जनता पार्टी के शंकरलाल डेचा को 75,175 मत प्राप्त हुए, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी बीएपी के मोहनलाल रोत को 63 हजार 176 मत प्राप्त हुए। इसी प्रकार चौरासी विधानसभा सीट से बीएपी के राजकुमार रोत को 1 लाख 11 हजार 150 मत प्राप्त हुए, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी भारतीय जनता पार्टी के सुशील कटारा को 41 हजार 984 मत प्राप्त हुए।

संक्षिप्त

अनजान व्यक्ति की लाश मिली

टोंक। पुरानी टोक क्षेत्र के नेशनल हाईवे के पास स्थित ब्लेक बंजारा होटल के बेसमेन्ट में एक अन्जाम व्यक्ति की लाश पडी हुई मिलने की सूचना पर पुरानी टोक थानाधिकारी उदयवीर सिंह मौके पर जाकर देखा तो एक व्यक्ति की लाश पडी मिली, जो करीबन दो-तीन पुरानी लग रही थी, मृतक की उम्र 40 वर्ष बताई जा रही है, जो पैरो में चप्पल तथा बेगनी रंग की जाकिट व हल्के स्लेटी रंग की पेन्ट तथा पीले रंग की शर्ट पहने हुए था, जिसके दाईने हाथ की कलाई के पन्जे पर टेटू बना हुआ है, जो देखने हिन्दु समाज से लगता है। मृतक के सम्बन्ध कोई गुमसुदगी या अभियोग दर्ज हो तो फोटो व हुलिये के आधार पर परिजनो की तलाश की जा रही है।

विश्व एड्स दिवस हुई कार्यशाला

दूदू । निकटवर्ती पड़ासोली स्थित विफ एंड ब्राइट इंजीनियरिंग कॉलेज के सभागार में विश्व एड्स दिवस पर कार्यशाला का आयोजन किया गया कार्यशाला का शुभारंभ निर्देशक राकेश भारद्वाज संजीव महर्षि ने दीप प्रज्वलित कर किया प्रभारी डॉक्टर निम्मी महर्षि प्राचार्य श्रीमती मंजू शर्मा मुकेश जाटोलिया ने एड्स नियंत्रण एवं जागरूकता के लिए कहा कि इस रोग का बचाव ही उपचार है सभी संस्था कार्मिकों से बीमारी से पीड़ित लोगों को उपचार उनके अधिकारों की रक्षा एवं गुणवत्ता पूर्ण देखभाल का संकल्प दिलाया गया।

गोली लगने से जवान की मौत

बौंली, बामनवास (निस)। राजस्थान विधानसभा के चुनाव के दौरान सुरक्षा में लगे सीमा सुरक्षा बल कंपनी के एक जवान की निवाई-बौंली सड़क मार्ग के पास एक निजी महाविद्यालय में गोली लगने से संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। बौंली सर्किल इंस्पेक्टर हरलाल मीणा ने बताया कि सीमा सुरक्षा बल कंपनी का जवान कुलदीप त्यागी उम्र 33 वर्ष बी 723 की शनिवार रात्रि को सर में गोली लगने से संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई मृतक जवान के शव को सवाई माधोपुर जिला चिकित्सालय में ले जाया गया।

जूली ने बदला अलवर में मंत्री की हार का इतिहास

अलवर । ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी टीकाराम जूली ने अलवर की राजनीति के मिथक को तोड़ते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी जय राम जाटव को 27333 मतों से जीतकर करारी शिकस्त दीं है। अलवर की राजनीति के अनुसार जो भी यहां से मंत्री बना वह कभी विधानसभा नहीं पहुंचा लेकिन जूली ने जनता के स्नेह और अपनी स्वच्छ छवि की बदौलत राजनीति का यह इतिहास बदल दिया। अलवर ग्रामीण विधानसभा की 22

- **प्रचंड मतों से जीत दर्ज की**

चरणों में हुई मतगणना में टीकाराम जूली शुरू से ही बढत बनाते नजर आए।मतगणना स्थल पर पहुंचने से पहले जूली ने अपनी माँ का आशीर्वाद लिया जीत के प्रति पूरी तरह आश्वास्त दिखे।

जूली के समर्थकों ने मतगणना स्थल से फूल बाग तक कांग्रेस पार्टी का झंडा हाथ में थामे विजय रथ निकाला। फूल बाग पहुंचने पर पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कांग्रेस पार्टी के विजय

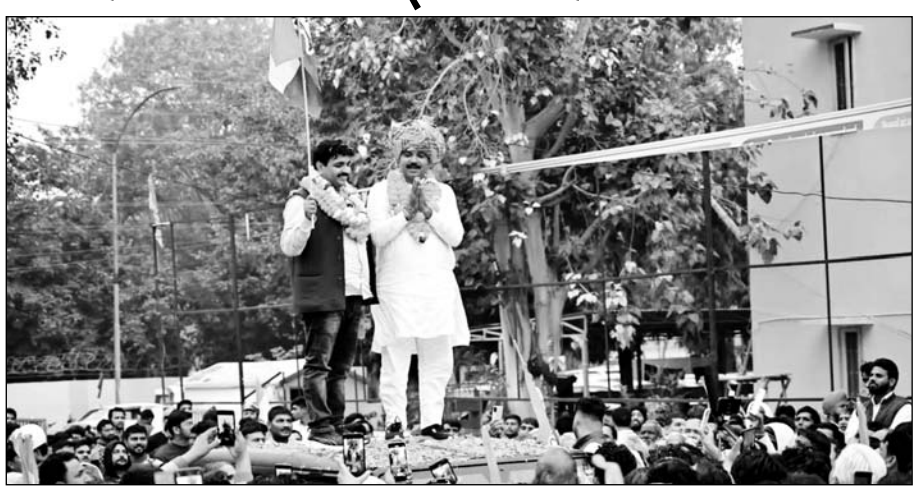

अलवर कांग्रेस प्रत्याशी टीकाराम जूली ने अपनी जीत पर जनता का आभार व्यक्त किया।

प्रत्याशी जूली को साफा पहनाया।उन्होंने कहा कि अपने राजनीति के करियर में जूली ने अलवर जिले में पार्टी को एक नई दिशा दी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं के जोश को देखते हुए कहा कि अब जूली अकेडमी खोलनी पडेगी जिसका प्रिंसिपल टीकाराम बनेगा। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता के प्रेम ने भाजपा के सारे षडयंत्रों पर पानी फेर दिया।

उन्होंने कहा कि जूली पर ग्रामीणों की जनता ने भरोसा जताया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जूली का राजनीतिक सफर बहुत लंबा है यह राजनीति में बहुत ऊंचे पदों पर जाएंगे। टीकाराम जूली ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह चुनाव मैंने नहीं बल्कि अलवर ग्रामीण की जनता ने मिलकर लड़ा और जीता है। समर्थकों की ओर से निकाले गए विजय रथ के दौरान जूली ने अम्बेडकर सर्किल पर संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

'हर व्यक्ति को सम्मान मिलेगा'

चौमूं / कालाडेरा (निसं) सोसल मीडिया फेसबुक पर लाइव आकर भाजपा कार्यकर्ताओं व चौमूं विधानसभा क्षेत्र की देव तुल्य जनता को

- **चौमूं विधानसभा क्षेत्र कि जन समस्याओं का समाधान करने का हर संभव प्रयास किया जायेगा**

किया भाजपा प्रत्याशी रामलाल शर्मा ने संबोधित किया। और सभी को मिल कर चौमूं विधानसभा क्षेत्र कि जनसमस्याओं का समाधान करने की बात कही । सभी कार्यकर्ताओं को धैर्य रखने की बात कही साथ मेरी चोखट पर आने वाले हर व्यक्ति को सम्मान मिलेगा चाहें मुझे मत दिया हो या मुझे मत नहीं दिया हो। राजस्थान में भाजपा की सरकार पूर्ण बहुमत से बन गई है। हम सभी को मिलकर चौमूं विधानसभा क्षेत्र की महत्वपूर्ण जन समस्या पीने का पानी वीर हनुमान जी का बन्द पड़े रोपवे को चालू करवाने की दिशा में कार्य किया जाएगा। वहीं रामलाल शर्मा ने एक बड़ी बात कहीं की मेरे इस व्यवहार व कार्य के अंदर हकदार को सम्मान व गुनहगार को सजा मिलेगी।

सार-समाचार

चौमूं से कांग्रेस प्रत्याशी बराला जीती

चौमूं / कालाडेरा (निसं) चौमूं विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी द्वारा राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 में आजादी के बाद पहली बार महिला प्रत्याशी डॉक्टर शिखा मील बराला को टिकट दिया था। पहली बार में ही 85,746 मत प्राप्त कर भाजपा के प्रत्याशी रामलाल शर्मा को 5695 मतों से शिकस्त देते हुए कांग्रेस पार्टी का परचम लहराया हैं। जानकारी के अनुसार कांग्रेस प्रत्याशी डॉक्टर शिखा मील बराला को 85,746, भाजपा प्रत्याशी रामलाल शर्मा को 80,051, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के छुट्टन लाल यादव को 42,369, बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी कैलाश राज सैनी को 1399, आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी हेमंत कुमार कुमावत को 1051, निर्दलीय प्रत्याशी विनोद कुमार गोदावरा को 608, सुनील कुमार यादव को 603, लालाराम चौधरी को 485 और अशोक चौधरी को 264 मत प्राप्त हुए । जीत की सूचना मिलते ही पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई । पार्टी कार्यकर्ता व समर्थकों ने भव्य आतिशबाजी कर जीत का जश्न मनाया। डॉक्टर शिखा मील बराला ने चौमूं की जनता का आभार जताते हुए कहा कि मेरी पहली प्राथमिकता चौमूं विधानसभा क्षेत्र में पानी की समस्या का समाधान करने के साथ ही सामोद वीर हनुमान जी का बन्द पडें रोपवे को चालू करवाने की दिशा में कार्य किया जायेगा वहीं चौमूं कि जनता ने जो आशिर्वाद दिया है उस पर खरा उतरने का हर संभव प्रयास करूंगी। साथ ही चुनाव के समय चौमूं कि जनता के साथ जो वादे किए गए हैं उन वादों को हर संभव पूरा करने का प्रयास करुँगी।

पांच पर भाजपा तो 6 पर कांग्रेस जीती

अलवर, (निसं)। अलवर विधानसभा चुनाव परिणाम अलवर जिले में कही खुशी कही गम के रहे। भाजपा की ज्यादातर लुटिया भाजपा के बागियों की वजह से डूबी जिसका दोष भी भाजपा नेताओं को जाता है जिन्होंने टिकट बटवारे में गलत प्रत्याशियों को टिकट दिये जो उनके लिए घातक सिद्व हुए है । अलवर जिले की 11 विधानसभा सीटो में अलवर शहर से भाजपा के संजय शर्मा ने कांग्रेस प्रत्याशी अजय अग्रवाल को हराया है वही अलवर ग्रामीण विधानसभा सीट पर कांग्रेस के टीकाराम जूली विजयी रहे उन्होंने भाजपा के जयराम जाटव को भारी मतो से हरा कर अलवर जिले इतिहास को पलट दिया है क्योंकि आज तक कोई भी मंत्री दोबार विधानसभा में जीत कर नही जा सका है इधर रामगढ से कांग्रेस के दिग्गज नेता जुबेर खान ने आसपा प्रत्याशी सुखवंत सिंह को हरा कर जीत हासिल की है तो किशनगढ बास विधानसभा से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक दीपचंद खेरिया ने जीत दर्ज की है थानागाजी से कांग्रेस के कांती चंद मीणा विजयी रहे उन्होंने भाजपा के पूर्व मंत्री हेम सिंह भडाणा को हराया है बहरोड से भाजपा के पूर्व मंत्री डाक्टर जसवंत सिंह यादव ने विजय श्री दर्ज की है,इधर मुण्डावर से कांग्रेस के ललित यादव विजयी रहे है । बानसूर से भाजपा के देवी सिंह शेखावत ने कांग्रेस की केबीनेट मंत्री शकुंतला रॉवत को हराया है तिजारा से भाजपा प्रत्याशी बाबा बालकनाथ प्रचंड बहुमत से विजयी रहे है। राजगढ से कांग्रेस के मांगीलाल ने जीत हासिल की है वही कठूबर से भाजपा के रमेश खीची ने जीत दर्ज कराई है

प्रेमचंद बैरवा ने जीत दर्ज की

दूदू । विधानसभा चुनाव की मतगणना के बाद दूदू विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी डॉक्टर प्रेमचंद बैरवा ने 33000 मतों से विजय हासिल की कांग्रेस प्रत्याशी बाबूलाल नागर को हार का मुह देखना पड़ा बैरवा के विजय होने की घोषणा के साथ ही जिला मुख्यालय के मुख्य चौराहे पर पुलिया के नीचे कार्यकर्ताओं ने पटाखे छोड़कर लड्डू खिलाकर खुशी जाहिर की।

निपुण मेले का आयोजन

दूदू । निकटवर्ती गिदानी स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में पीइइओ हरि ओम मोदी की अध्यक्षता में निपुण मेले का आयोजन किया गया मेले में कक्षा 1 से 3 तक के विद्यार्थियों ने भाग लेकर रंगोली स्टॉल चार्ट निर्माण के साथ प्रतियोगिताएं आयोजित की विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

चुनाव 8 दिसंबर को

दूदू। अभिभाषक संघ जिला दूदू के चुनाव आगामी 8 दिसंबर को कराए जाएंगे को लेकर तैयारी शुरू कर दी गई है। महामंत्री एडवोकेट इमरान खान ने बताया कि मतदाता सूची जारी कर मुख्य चुनाव अधिकारी अशोक दायमा को नियुक्त कर दिया गया है चुनाव में 73 मतदाता अपने मत का प्रयोग कर अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी का चुनाव करेंगे।

राजस्थान में सत्ता परिवर्तन का रिवाज कायम

श्रीमाधोपुर। राजस्थान विधानसभा चुनाव में 1998 से सत्ता परिवर्तन का एक रिवाज चला आ रहा है कि एक बार भाजपा, एक बार कांग्रेस पार्टी अपनी सरकार बनाएगी।

- **श्रीमाधोपुर से भाजपा के खर्रा 14874 मतों से जीते**

यह रिवाज इस बार 2023 में भी कायम रहा है। रविवार को मतगणना के बाद घोषित परिणाम में कांग्रेस के दीपेंद्र सिंह शेखावत को हराकर भाजपा के झाबर सिंह खर्रा के 14874 मतों से विजयी घोषित होने से इस बात की पुष्टि हुई है। घोषित परिणामों के अनुसार भाजपा के झाबर सिंह खर्रा को 79854 मत एवं कांग्रेस के दीपेंद्र सिंह शेखावत को 64980 मत मिले इस तरह जीत का अंतर 14874 मत रहेाराज्य विधानसभा के 2018 में संपन्न चुनाव में कांग्रेस के दीपेंद्र सिंह शेखावत ने

भाजपा के झाबर सिंह खर्रा को 11810 मतों से पराजित किया था। इस बार कांग्रेस की टिकट के प्रबल दावेदार बलराम यादव ने बागी होकर निर्दलीय रूप से चुनाव मैदान में अपनी ताल ठोकी तथा मुकाबले को त्रिकोणीय बनाया तथा जनता जनार्दन के सहयोग से 40972 वोट प्राप्त कर तीसरे स्थान पर रहे ।

अन्य प्रत्याशियों में आप पार्टी के अशोक कुमार शर्मा को 1202, बीएसपी की सीता देवी डोसीवाल को 878 मतों पर ही संतोष करना पड़ा। शेष निर्दलीय नंदू कंवर, झाबर सिंह, मनोज कुलदीप व फूलचंद अग्रवाल की उपस्थिति नगण्य रही। भाजपा कार्यकर्ताओं ने झाबर सिंह खर्रा की जीत पर खुशी जाहिर करते हुए चौपड़ बाजार में आतिशबाजी की तथा ढोल की थाप पर डांस किया एवं एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी।

जनता ने हरीश चंद मीना पर फिर विश्वास जताया

देवली (नि स) देवली उनियारा विधानसभा चुनाव के परिणाम कांग्रेस के पक्ष में घोषित हुए। वर्तमान विधायक हरीश चंद मीना फिर से विजय प्रत्याशी घोषित किए गए।

जानकारी के अनुसार रविवार को टोंक जिला मुख्यालय पर हुई विधानसभा चुनाव की मतगणना में देवली उनियारा विधान सभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी हरीश मीणा पहले राउंड से लेकर दसवे राउंड तक तो पीछे चल रहे थे। तभी मतगणना के 11 वें राउंड से कांग्रेस प्रत्याशी हरीश मीणा को बढ़त मिलना शुरू हुई । जो 24 वे राउंड के अंतिम मतगणना परिणाम पर विजय घोषित किए गए। यहां वर्तमान विधायक कॉन्ग्रेस प्रत्याशी हरीश मीणा ने अपने प्रतिद्वंदी भाजपा प्रत्याशी विजय बैसला 19275 मतों से पराजित किया। और इसी के साथ मीणा ने विधानसभा की

हरीश मीणा

सदस्यता फिर से दूसरी बार हासिल की। तो वहीं तीसरे स्थान पर आरएलपी के प्रत्याशी विक्रम सिंह गुर्जर भारी मतों से पीछे रहे। गौरतलब है कि 29 नवंबर बुधवार एवं 30 नवंबर गुरुवार को राष्ट्रदूत समाचार पत्र ने "शीर्षक संभावित परिणामों ने 3 दिसंबर को आने वाले नतीजो के लिए भारी उत्सुकता जगाई " की खबर प्रकाशित की थी जो टोंक जिले के चारों विधानसभा चुनाव के परिणामों पर पूर्ण रूप से सटीक साबित हुई है । तो वही इसी प्रकार निकटवर्तीय जहाजपुर कोटडी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी गोपीचंद मीणा की संभावित जीत बताई थी, यहां भी राष्ट्रदूत समाचार पत्र का उक्त चुनावी विश्लेषण सटीक साबित हुआ है । जाहजपुर कोठड़ी विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी गोपी चंद मीणा ने भी अपने प्रतिद्वंदी कांग्रेस प्रत्याशी धीरज गुर्जर को 580 मतों से हराकर लगातार दूसरी बार जीत हासिल की और फिर से विधानसभा के सदस्य बने और गोपीचंद मीणा भाजपा प्रत्याशी के रूप में विजय घोषित हुए।

दौसा जिले से मंत्री मुरारी को छोड़ सभी कांग्रेसी चुनाव हारे

दौसा, (निसं)। जिले की पांच विधानसभाओं में विधायक पद के लिए चुनाव के बाद हुई मतगणना में आए जनादेश में दोसा विधानसभा क्षेत्र को छोड़कर जिले की चार विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के दिग्गज नेता धराशाही हुए है।

दोसा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्याशी मंत्री मुरारी लाल मीणा ही खुद की साख बचा पाने में कामयाब हुए हैं बाकी लालसोट से मंत्री परसादी लाल मीणा बांदीकुई से गजराज खटाना सिकराय से मंत्री ममता भूपेश महवा से ओम प्रकाश हुडला बुरी तरह से विधानसभा चुनाव हारे हैं। दोसा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी मुरारी लाल मीणा ने भाजपा के प्रत्याशी शंकरलाल मीणा को शिकस्त दी है इसी तरह लालसोट विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के रामविलास मीणा ने कांग्रेस के प्रत्याशी मंत्री परसादी लाल मीणा को हराया है वही बांदीकुई विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के प्रत्याशी भागचंद टाकड़ा ने कांग्रेस के प्रत्याशी गजराज खटाना को मात दी है और महुआ विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी राजेंद्र मीणा ने कांग्रेस के प्रत्याशी ओमप्रकाश हुडला को करारी शिकस्त दी है। जिला मुख्यालय पर मतों की मतगणना पायलट पीजी कॉलेज में संपन्न हुई। मतगणना के दौरान पर्याप्त वैरायटी बेरीकेटिंग करने के साथ त्रिस्तरीय सुरक्षा एवं पैरामिलिट्री फोर्स की तैनाती के साथ राजस्थान पुलिस के भी जवान तैनात किए गए। मतगणना के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी कमर चौधरी एवं जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा द्वारा बारीकी से पल पल पर नजर रखी गई। इस बार विधानसभा चुनाव काफी रोचक रहा इस वजह से मतगणना में आने वाले परिणामों को लेकर भी आम लोगों को उत्सुक देखा गया। विधानसभा क्षेत्र से जीतने वाले प्रत्याशियों को रिटर्निंग अधिकारी द्वारा मौके पर ही निर्वाचन का प्रमाण पत्र भी सोपा गया। वहीं जिला मुख्यालय मुख्यालय पर विभिन्न जगहों पर विधानसभा चुनाव परिणामों को लेकर भीड़ नजर आई। दोसा जिले में कांग्रेस की पांच सीटों में से चार सिम कांग्रेस को गंवानी पड़ी है।

मांगे लाल मीणा ने जीत दिखाई

राजगढ़ । कांग्रेस के लिए सर्वाधिक सुरक्षित सीट राजगढ़ लक्ष्मणगढ़ विधानसभा क्षेत्र में चुनाव परिणाम में कांग्रेस प्रत्याशी मांगे लाल मीणा ने भाजपा प्रत्याशी बन्ना राम मीणा को पराजित किया।

राजगढ़ लक्ष्मणगढ़ विधानसभा क्षेत्र मे मीणा- मेव बहुल सर्वाधिक सुरक्षित सीट पर एक बार कांग्रेस फिर भारी पड़ी। कांग्रेस प्रत्याशी मांगे लाल मीणा ने भाजपा प्रत्याशी बन्नाराम मीणा को करीब 22265 मतों के अंतर से हराया। इससे पूर्व मतगणना में उतार चढ़ाव के चलते दोनों प्रत्याशी समर्थकों मैं परिणाम को लेकर उत्सुकता का आलम रहा.। दोपहर बाद कांग्रेस प्रत्याशी की बढ़त मजबूत होने के साथ भाजपा प्रत्याशी समर्थकों में मायूसी का दौर रहा।

भाजपा के रामसहाय वर्मा विजयी

निवाई । निवाई विधानसभा क्षेत्र की रविवार को जिला मुख्यालय पर हुई मतगणना में भाजपा के प्रत्याशी रामसहाय वर्मा ने कांग्रेस के प्रत्याशी एवं निवर्तमान विधायक प्रशांत बैरवा को 13 हजार 77 मतों से हराया है।

चुनाव में भाजपा के रामसहाय वर्मा, कांग्रेस के प्रशांत बैरवा, आरएलपी व आम आदमी पार्टी सहित 10 प्रत्याशी मैदान में रहे। मतगणना में भाजपा के रामसहाय वर्मा को 91 हजार 695 मत मिले व कांग्रेस के प्रशांत बैरवा को 78 हजार 618 मत मिले। चुनाव परिणाम के अनुसार भाजपा के रामसहाय वर्मा 13 हजार 77 मतों से विजय रहे हैं। इसी प्रकार बसपा के बाबूलाल को 665, आम आदमी पार्टी के महेशकुमार बैरवा पराना को 866, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के प्रहलादनारायण बैरवा को 19 हजार 959 मत मिले। इसी प्रकार निर्दलीय प्रत्याशी कजोड को 995, उमा भारती को 392, दुर्गाशंकर बारेठ को 324, राजेश पालीवाल को 389, लालचंद को 794 व नोटा में 1952 मतदान हुआ। वर्ष 2018 में कांग्रेस पार्टी ने प्रशांत बैरवा को एवं भाजपा ने रामसहाय वर्मा को पार्टी का प्रत्याशी बनाया था। गत चुनाव में कांग्रेस के प्रशांत बैरवा ने भाजपा के रामसहाय वर्मा को 43 हजार 889 के रिकार्ड मतों से हराया था। रामसहाय वर्मा ने 2018 की हार का बदला 2023 में निवर्तमान विधायक प्रशांत बैरवा को 13 हजार 77 मतों से हराकर लिया।

कार पलटी, तीन घायल

निवाई । राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर मूंडिया बाईपास पर रविवार सुबह करीब 10 बजे एक इनोवा कार गाय को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर पलट गई। कार के पलट जाने से उसमें सवार तीन जने घायल हो गए। कार में सवार अन्य परिजनों की सूचना पर 108 एंबुलेंस ने तीनों घायलों को राजकीय सामुदायिक चिकित्सालय

- **एक इनोवा कार गाय को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर पलट गई**

निवाई में भर्ती करवाया। 108 एंबुलेंस के पायलट पुष्कर चौधरी एवं मेल नर्स राकेश मीणा ने बताया कि भवानी मंडी कोटा निवासी सत्यनारायण पुत्र मोहनलाल, अनिता पत्नी मुकेश एवं आरती पत्नी प्यारेलाल राष्ट्रीय राजमार्ग से अपने परिजनों के साथ रविवार को कार में सवार होकर जयपुर से भवानी मंडी कोटा जा रहे थे। इसी दौरान मूंडिया बाईपास पर सुबह करीब दस बजे कार के सामने अचानक एक गाय आ गई। गाय को बचाने के प्रयास में उनकी कार अनियंत्रित होकर पलटी खाते हुए डिवाइडर पार कर सडक के दूसरी ओर जाकर पलट गई। इस दुर्घटना में ये तीनों लोग घायल हो गए। कार में सवार अन्य परिजनों की सूचना पर 108 एंबुलेंस घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को राजकीय सामुदायिक चिकित्सालय निवाई में भर्ती करवाया। दुर्घटना की सूचना मिलने पर सदर पुलिस भी मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त कार को हटाकर यातायात सुचारू करवाया।

कोच को सम्मानित किया

श्रीमाधोपुर में कोच बनवारी लाल जीतरवाल को सम्मानित किया।

श्रीमाधोपुर । कस्बे के एसबीएन पीजी कॉलेज श्रीमाधोपुर के खेल सचिव बनवारी लाल जीतरवाल को पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय सीकर, राजस्थान की दक्षिणी पश्चिमी अंतर विश्वविद्यालय कुश्ती फ्री स्टाइल व ग्रीको रोमन पुरुष व महिला टीम का कोच नियुक्त किया गया था।

महाविद्यालय के सचिव इंजी प्रदीप धायल ने बताया कि विश्वविद्यालय की 27 सदस्य टीम चंडीगढ़ विश्वविद्यालय मोहाली में कुश्ती प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए गई थी, जिसे तीन गोल्ड, दो सिल्वर और पांच ब्रॉन्ज मेडल सहित कुल 10 पदक जीते तथा ग्रीको रोमन कुश्ती चैंपियनशिप हासिल की। इस शानदार उपलब्धि को प्राप्त करने पर कोच बनवारी लाल जीतरवाल के महाविद्यालय लौटने पर महाविद्यालय के निदेशक डॉ. मुकेश बल्डवाल, प्राचार्य डॉ सुरेश कुमार जाट, एसबीएन विद्यालय के प्राचार्य सागरमल चौधरी, कोर्डिनेटर मुकेश पुरी गोस्वामी ने माला पहनाकर, मिठाई खिलाकर व प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। कोच बनवारी लाल जीतरवाल ने बताया कि विश्वविद्यालय के 5 महिला व 11 पुरुष खिलाड़ीयो सहित कुल 16 खिलाड़ी ऑल इंडिया कुश्ती प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई हुए हैं, जो 4 से 11 दिसंबर 2023 तक चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, मोहाली में प्रतियोगिता में भाग लेंगे तथा यहां पर पदक जीतने वाले खिलाड़ी खेलो इंडिया में शेखावाटी विश्वविद्यालय सीकर का प्रतिनिधित्व करेंगे।

विद्याधर चौधरी ने कुमावत को हराया

फुलेरा । राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 के नतीजे वाकई में चोकाने वाले रहे। जहां मुकाबला कांटे की टक्कर का नजर आ रहा था। वहां कहीं ऐसा नहीं दिखाई दिया। जी हां हम बात कर रहे है फुलेरा विधानसभा की। जहां रविवार को प्रात: 8 बजे जब काउंटिंग शुरू हुई तो बैलेट पेपर से ही कांग्रेस प्रत्याशी चौधरी ने अपनी बढ़त बना ली जो आखिरी राउण्ड तक कायम रही। फुलेरा के कांग्रेस प्रत्याशी और पूर्व दिग्गत कांग्रेस नेता डॉक्टर हरिसिंह के पुत्र विद्याधर सिंह चौधरी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा प्रत्याशी निर्मल कुमावत को 26898 के बड़े अंतर से हराया। जो सीट पिछले 20 सालों से भाजपा का अभेद किला मानी जा रही थी। उसमें इस बार कांग्रेस के चौधरी ने सेंध लगाई है। कांग्रेस के चौधरी गत विधानसभा चुनाव 2018 में इस सीट पर 1132 वोटों से पिछड़ गए थे। लेकिन उसके बाद भी वे लगातार जनता के संपर्क में रहें, उन्होंने फुलेरा विधानसभा की जनता के साथ सीधा संवाद किया। जनता के साथ कड़ी से कड़ी बनाकर अपने कार्यकर्ताओं को सक्रिय किया। तो वहीं उनके कार्यकर्ताओं ने भी उनको निराश नही किया। जिसके परिणाम सकारात्मक नजर आए। हालांकि जातिवाद का फैक्टर दोनों पार्टियों ने देखा और उसी अनुरूप प्रत्याशियों का चयन किया था। चुनाव पूर्व दिग्गज कांग्रेसी अनुभव चंदेल के फुलेरा आगमन का विद्याधर चौधरी को पूरा फायदा मिला। तो वही प्रजापति समाज भी इस बार पूर्ण रूप से कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में खुलकर सामने आया।

भाजपा की ऐतिहासिक जीत खुशी जताई

भाजपा की जीत पर पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष राव राजेंद्र सिंह सहित समर्थकों ने खुशी जताई।

शाहपुरा । राजस्थान विधानसभा चुनाव परिणाम में भाजपा के जीतने एवं राजस्थान में भाजपा सरकार बनने पर पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष राव राजेंद्र सिंह ने खुशी जताई। उन्होंने भाजपा से जीते सभी प्रत्याशियों को बधाइयां दी। पूर्व पंचायत समिति मेंबर शाहपुरा एवं राजस्थान महिला मोर्चा प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी व भाजपा स्वयं सहायता समूह प्रदेश संयोजक डॉ. कंचन सोरल व भाजपा जयपुर जिला देहात उत्तर मीडिया प्रभारी सुभाष जोशी सहित हजारों भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने भाजपा मुख्यालय पर पहुंचकर खुशी जताई। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने खुशी व्यक्त करते हुए नाचते गाते, ढोल नगाड़े बजाते हुए जगह-जगह पटाखे फोड़े और मिठाइयां बाटी।

भाजपा के हंसराज बालोती ने जीत हासिल की

करौली, (निसं)। सपोटरा विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी कैबिनेट मंत्री रमेश मीणा से 43 हजार 834 मत अधिक प्राप्त कर भाजपा प्रत्याशी हंसराज बालोती ने जीत हासिल की। सपोटरा विधानसभा क्षेत्र से वैसे तो विधानसभा चुनाव में अलग-अलग पार्टियों से 9 प्रत्याशियों ने भाग्य अजमाया लेकिन खास तौर से भाजपा प्रत्याशी हंसराज बालोती को क्षेत्र कि जनता ने सबसे अधिक मत देकर कांग्रेस प्रत्याशी कैबिनेट मंत्री रमेश मीणा को हार का मुंह दिखाया।

मतगणना के बाद सपोटरा विधानसभा चुनाव के मतदान में कुल 1 लाख 98 हजार 319 मतदाताओं ने मतदान किया जिनमें से भाजपा प्रत्याशी हंसराज बालोती को 1 लाख11 हजार 385 मत मिले और कांग्रेस प्रत्याशी कैबिनेट मंत्री रमेश मीणा को 67 हजार 551 मत मिलने से भाजपा प्रत्याशी की 43 हजार 834 मतों से जीत दर्ज हुई। इनके अलावा बसपा प्रत्याशी विजय उर्फ कालू मीणा को 11 हजार 304,आप पार्टी के प्रेम सिंह को 1492, निर्दलीय अमित को 1232, निर्दलीय अमृतलाल को 584, निर्दलीय उदय सिंह को 802, केदार को 1138, सीमा देवी को 920 मत मिले।देखने लायक यह रहा कि सपोटरा विधानसभा से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़े रमेश मीणा कांग्रेस सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे हैं रमेश मीणा लगातार तीन विधानसभा चुनाव जीतते आ रहे है।

कोटपूतली में हंसराज पटेल ने 25 वर्षों बाद खिलाया भाजपा का कमल

कोटपूतली। विधानसभा चुनाव को लेकर रविवार को सामने आये परिणाम में भाजपा के हंसराज पटेल ने कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र से 25 वर्षो बाद ऐतिहासिक व शानदार जीत दर्ज करते हुए भाजपा का कमल खिलाया है।

पटेल ने कांग्रेस प्रत्याशी एवं निवर्तमान गहलोत सरकार में गृह राज्यमंत्री रहे राजेन्द्र सिंह यादव को बेहद नजदीकी मुकाबले में 321 मतों से पराजित किया। जीत का समाचार सुनते ही पटेल समर्थकों व भाजपा कार्यकर्ताओं के खेमे में हर्ष की लहर दौड़ पड़ी। जीत का समाचार सुनकर हजारों की संख्या में आमजन व कार्यकर्ता मुख्य चौराहा स्थित पटेल के कार्यालय पर जमा हो गये। जहां मिठाईयों का वितरण करने के बाद जमकर जीत का जश्न मनाया गया। लोगों ने पटेल के पुत्र पंकज पटेल को मालाओं से लादकर जीत की बधाई दी। जिसके बाद कस्बे के मुख्य चौराहे से विजय जुलूस भी निकाला गया। वहीं दुसरी ओर पटेल भी देर शाम कोटपूतली पहुंचे, जहां श्री देवनारायण मंदिर पर उनका शानदार स्वागत किया गया। पटेल परिवार में यह जीत दोगुनी खुशियों का अवसर भी लेकर आई है। दरअसल रविवार को ही पटेल के भतीजे राजेश का विवाह भी है, ऐसे में चारों ओर जश्न, उल्लास व उत्सव का माहौल देखा गया।

आपको बता दें कि भाजपा प्रत्याशी हंसराज पटेल व कांग्रेस प्रत्याशी राजेन्द्र सिंह यादव के बीच शुरूआती राउण्ड से शुरू हुई बाजी अन्तिम राउण्ड तक बदस्तुर जारी रही। शुरूआती रूझानों में जहां कांग्रेस के यादव आगे रहे, वहीं दुसरे राउण्ड के बाद भाजपा प्रत्याशी पटेल अपनी बढ़त बनाते हुए नजर आये। दस राउण्ड बीत जाने के बाद दोनों के मध्य बराबरी का मुकाबला दिखाई दिया। 17 वें राउण्ड में कांग्रेस प्रत्याशी यादव 07 हजार मतों से आगे चल रहे थे, जिसके बाद अन्तिम दो राउण्डों में पटेल ने जबरदस्त बढ़त हांसिल करते हुए 1017 मतों की बढ़त बना ली थी। इसके बाद हुई पोस्टल मतों की गणना में पटेल ने 321 मतों से यादव को पराजित किया। मतों की बात की जाये तो ईवीएम मतों में भाजपा के हंसराज पटेल को 66968 व कांग्रेस के राजेन्द्र सिंह यादव को 65951 मत प्राप्त हुये। ईवीएम में कुल 01 लाख 73 हजार 924 मतों की गणना की गई। इसके बाद पोस्टल मतों के कुल 2820 मतों की गणना भी की गई। जिसमें कांग्रेस के राजेन्द्र सिंह यादव को 1444 व भाजपा के हंसराज पटेल को 748 मत प्राप्त हुये। इस प्रकार पटेल ने 67716 मत प्राप्त कर यादव को 321 मतों से पराजित किया। कांग्रेस प्रत्याशी यादव ने ईवीएम व पोस्टल मतों को मिलाकर 67395 मत प्राप्त किये। अन्य प्रत्याशियों की बात करें तो निर्दलीय मुकेश गोयल ने भी अच्छे मत प्राप्त किये है।

ईवीएम के कुल 33567 व पोस्टल के 283 मतों को मिलाते हुए गोयल ने 33850 मत प्राप्त किये। वहीं बसपा के प्रकाश चंद सैनी ने 1088, आरएलपी के सतीश कुमार मांडैया ने 2187, जजपा के रामनिवास यादव ने 1682, निर्दलीय एड. अशोक कुमार सैनी ने 596, रामसिंह कसाना ने 398, लक्ष्मी ने 624 मत प्राप्त किये। वहीं 930 मत नोटा को भी मिले है। जबकि 2820 पोस्टल मतों में से 278 मतों को रिजेक्ट किया गया है एवं पोस्टल मतों से में 07 मत नोटा को भी प्राप्त हुये है। इस प्रकार कुल 01 लाख 76 हजार 744 वोटों की गणना की गई। विजयी होने पर पटेल को निर्वाचन अधिकारी एसडीएम मुकुट सिंह ने निर्वाचन का प्रमाण पत्र प्रदान किया। ऐतीहासिक जीत दर्ज करने के बाद भाजपा के हंसराज पटेल भावुक ने सर्वसमाज का आभार जताते हुए कहा सर्वसमाज को साथ लेकर सर्वांगीण विकास मेरी अहम जिम्मेदारी है।दरअसल पटेल वर्ष 2003 से ही विधायक पद के लिए संघर्ष कर रहे है।

कोटपूतली में जीत के बाद पटेल को निर्वाचन अधिकारी एस.डी.एम. मुकुट सिंह ने निर्वाचन का प्रमाण पत्र प्रदान किया।

- नजदीकी मुकाबले में कांग्रेस प्रत्याशी एवं निवर्तमान गहलोत सरकार में गृह राज्यमंत्री रहे राजेन्द्र सिंह यादव को 321 मतों से पराजित किया

सार-समाचार

महेश कुमार शर्मा का चयन

पावटा। टीवी शो 'कौन बनेगा करोडपति' में हर कोई जाना चाहता है। लेकिन अभिताभ बच्चन के सामने रखी हॉट सीट तक पहुंचने का रास्ता आसान रास्ता नहीं है। कई परीक्षाओं से गुजरना पडता है। ऐसे ही कई राउंड क्लियर करने के बाद बीलवाडी विराटनगर राजस्थान निवासी महेश कुमार शर्मा का कौन बनेगा करोडपति के शो लिजेन्ड अमिताभ बच्चन द्वारा केबीसी के फास्टेस्ट फिंगर फर्स्ट के लिए चयन किया गया। इनकी इस उपलब्धि ने क्षेत्र का नाम रोशन किया है वही टी वी पर क्षेत्र के लाल को अमिताभ बच्चन के साथ देख क्षेत्र के लोगो मे बहुत खुशी है। केबीसी के फास्टेस्ट फिंगर फर्स्ट के लिए चयन हुआ है। महेश कुमार शर्मा अपनी सहभागी ज्योत्सना शर्मा के साथ हवाई जहाज से मुबई पहुचे जहा केबीसी की टीम ने उनकी अगुवाई की। इस दौरान महेश कुमार शर्मा ने बताया कि कौन बनेगा करोडपति का सफर शानदार रहा। अमिताभ बच्चन जी से मिलकर बहुत अच्छा लगा और अमिताभ बच्चन जी ने इनकी इस उपलब्धि पर उन्हे शुभकामनाये दी। महेश कुमार शर्मा ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपनी माता सन्तोष देवी शर्मा अपनी पत्नि ज्योत्सना शर्मा अपनी बेटी स्नेहा शर्मा अपने पुत्र शुभम शर्मा गौरव शर्मा एवं सभी मित्रजनो को देते हुए सभी का दिल से आभार व्यक्त किया। हालांकि महेश कुमार शर्मा कुछ सेकण्ड के डिले से होट सीट पर नही पहुँच पाये लेकिन अमिताभ बच्चन जी से मिलकर गौरवान्वित महसूस कर रहे है। महेश शर्मा ने बताया कि वास्तविकता मे अमिताम बच्चन जी बहुत ही महान व्यक्तित्व के धनी एवं मिलनसार व्यक्ति है।

अनुपस्थित छात्राएं नहीं दे सकेंगी परीक्षा

करौली, (निसं)। राजकीय कन्या महाविद्यालय करौली मे अध्ययनरत बीए एवं एससी पार्ट प्रथम वर्ष कि समस्त छात्राओ को अवगत कराया है कि आयुक्तालय कॉलेज षिक्षा एवं कोटा विष्वविद्यालय कोटा से प्राप्त निर्देषानुसार सत्र 2023-24 मे मिड टर्म परीक्षा 4 दिसम्बर से आयोजित कि जावेंगी। राजकीय कन्या महाविद्यालय करौली के प्राचार्य डॉ. जमुना लाल मीना ने बताया कि सभी छात्राओ को मिड टर्म परीक्षाओ मे उपस्थित होना अनिवार्य है। अनुपस्थित रहने वाली छात्राओ को मुख्य परीक्षाओ मे बैठने नही दिया जावेगा। उन्होने बताया कि परीक्षा 50 नम्बर कि होगी। सत्र 2023-24 मे पहली बार समेस्टर सिस्टम लागू किया गया है। विस्तृत सूचना छात्रा नोटिस बोर्ड पर चस्पा है छात्राए अपने विषय प्रभारी से संपर्क कर समस सारणी के अनुसार परीक्षाओ मे उपस्थित होना सुनिष्चत करे।

टोंक जिले की 4 सीटों में से दो सीटें कांग्रेस व दो भाजपा के खाते में

- सचिन पायलट ने भारी बहुमत से की जीत हासिल

टोंक, (निसं)। राजस्थान में हर बार की तरह इस बार भी पांच साल में सरकार बदलने का रिवाज जारी रहा, इस विधानसभा चुनावों में भाजपा ने बहुमत हासिल की है।

टोंक विधानसभा क्षेत्र (96) से सचिन पायलट ने बड़ी जीत के साथ ट्वीट कर लिखा कि एक बार मुझे क्षेत्र के मतदाताओं ने आशीर्वाद दिया है, यहां से कांग्रेस की बड़ी जीत दर्ज कराई है, यह जीत टोंक विधानसभा क्षेत्र की जनता व कार्यकर्ताओं को समर्पित करता हूं और आपके समर्थन का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं, आपके सब के सहयोग से टोंक में विकास की गति जारी रहेगी।

इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र से आठ प्रत्याशी मैदान में थे, जिसमें भाजपा से अजीत सिंह मेहता को अन्तिम गणना के अनुसार 76337 मत मिले, वहीं विजय प्रत्याशी कांग्रेस के सचिन पायलट को 105812 वोट मिले अर्थात पायलट ने अपने निकटतम प्रद्वन्द्वी को 29475 मतों से शिकस्त देकर विजय प्राप्त की। इनके अतिरिक्त अशोक बैरवा बहुजन समाज पार्टी को 927 मत, अब्दुल लतीफ को 1737 गणेश को 255, मोहम्मद शोयब खान को 1050, जगदीश प्रसाद शर्मा को 645 एवं सीताराम को 307 मत प्राप्त हुए तथा कुल मतों की संख्या 187070 रही, जिसमें नोटा में 1487 मत पडे, जिसमें नोटा सहित 188676 कुल मतदान हुआ।

वहीं निवाई-पीपलू विधानसभा क्षैत्र से भाजपा के प्रत्याशी रामसहाय वर्मा को 92775 मत मिले, जो अन्य प्रत्याशियो को पछाडते हुए 12941 वोटो से विजय रहे। अन्य प्रत्याशी जिसमें कांग्रेस प्रत्याशी प्रशान्त बैरवा को 79834 मत, आरएलपी प्रत्याशी प्रहलाद नारायण बैरवा को 20362 मत, बाबूलाल जो बहुजन समाज पार्टी को 666 मत, महेश कुमार पराना आम आदमी पार्टी को 394 व कजोड असख्य समाज पार्टी को 996 वोट मिले तथा निर्दलीय उम्मीदवारो में उमा भारती बैरवा को 394, लालचन्द को 798, दुर्गाशंकर बारेठ को 326 व राजेश पालीवाल को 390 मत मिले तथा नोटा में 1972 वोट प्राप्त हुए। क्षैत्र में कुल 199385 मत प्राप्त हुए, जिसमें भाजपा प्रत्याशी रामसहाय वर्मा विजय उम्मीदवार रहे।

वही मालपुरा-टोडारायसिंह विधानसभा क्षैत्र में भाजपा के विजय प्रत्याशी कन्हैया लाल चौधरी को 85915 मत मिले, कांग्रेस से घासीलाल चौधरी को 69726 वोट, बीएसपी प्रत्याशी जितेन्द्र कुमार को 1927 वोट व नवीन कुमार जैन जो राईट टू रिकॉल पार्टी को 863 वोट मिले तथा निर्दलीय उम्मीदवार गोपाल गुर्जर को 48184 मत मिले, नोटा मे 1816 मत प्राप्त हुए। मालपुरा- टोडा क्षैत्र में 208540 मत कुल पडे, जिसमें भाजपा प्रत्याशी कन्हैया लाल 16189 मतो से विजय हुए।

इसी प्रकार उनियारा-देवली विधानसभा क्षैत्र में भाजपा के उम्मीदवार विजय सिंह बैसला को 85826 मत मिले व कांग्रेस से विजय प्रत्याशी हरिश मीणा को 105001 मत मिले, अन्य प्रत्याशी जिसमें बीएसपी से ओमप्रकाश को 1554 मत, आम आदमी पार्टी से राजेन्द्रसिंह मीणा को 1472 मत, अभिनव लोकतंत्र पार्टी से आशिष कुमार नागर को 1007 मत, राष्ट्रीयवादी भारत पार्टी से कन्हैयालाल लक्षकार को 329, अभिनव राजस्थान पार्टी से कमलेश कुमार को 304, राईट टू रिकॉल पार्टी से राजू रेगर को 364 मत मिले तथा निर्दलीयो में गोविन्द सिंह को 329, जसराम मीणा को 614, देवकरण को 933, मनोज कुमार को 1049, रामसिंह को 1058 मत मिल एवं नोटा में 1475 मत प्राप्त हुए, पूरे विधानसभा क्षैत्र में कुल 221209 वोट पडे, जिसमें कांग्रेस प्रत्याशी हरिश मीणा 19175 मतो से विजय रहे।

जिले में चारो विधानसभा क्षैत्र में भाजपा व कांग्रेस दलो से दो-दो प्रत्याशी विजय हुए, जिसमें भाजपा से मालपुरा-टोडा प्रत्याशी कन्हैयालाल चौधरी व निवाई-पीपलू क्षेत्र के रामसहाय वर्मा विजय रहे।

ऐतिहासिक जीत के बाद चाकसू विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी रामावतार बैरवा का भव्य स्वागत

चाकसू (निस) चाकसू विधानसभा क्षेत्र की मतगणना जिला मुख्यालय पर कॉमर्स कॉलेज में मतगणा हुई। जिसमें इस सीट पर बीजेपी के रामावतार बैरवा ने जीत हासिल की है। उन्होने कांग्रेस के वेदप्रकाश सोलंकी को हाराया।

2023 के विधानसभा चुनाव में चाकसू विधानसभा क्षेत्र से के कुल पांच प्रत्याशियों में भाजपा के रामावतार बैरवा को 104064 मत मिले तो वहीं कांग्रेस के वेद प्रकाश सोलंकी को 54684 मत मिले सके,आरएलपी के विकेश खोलिया को 14068 , बसपा के अनुज कुमार को 1350 एवं निर्दलीय राम अवतार बैरवा को 1244 मत मिले । जिससे भाजपा के रामावतार बैरवा 49380 मतों के भारी अंतराल से ऐतिहासिक जीत हासिल की । । चाकसू विधानसभा में इस बार भाजपा के रामवतार बैरवा ने अपनी पिछली हार का बदला आखिर कांग्रेस से ले लिया और वेदप्रकाश सोलंकी को 49380 मतों से पराजित कर दियाआपको बता दे की 2018 के चुनाव में कांग्रेस के सोलंकी ने भाजपा के बैरवा को करीब 3400 मतों से पराजित किया था।

कामर्स कॉलेज में 12 टेबल पर 20 राउंड में गिनती हुई और पहले राउंड से ही बैरवा ने बढ़त बढ़ा ली ज्यो राउंड बढ़ते गए उसी के साथ बैरवा की बढ़त बढ़ती गयी इस दौरान भाजपा के प्रधान कार्यलय पर हजारों कार्यकर्त्ताओ की भीड़ उमड़ पड़ी पटाखे छोड़कर ख़ुशी का जश्न मनाया गया । भाजपा के बैरवा को विजय होने पर रिटर्निंग अधिकारी गुलाब सिंह वर्मा ने जीत का प्रमाण पत्र दिया उसके बाद विधायक बैरवा चाकसू पहुंचे तो उनके साथ सैकड़ो कार्यकर्ताओं की गाड़ियों के काफिले को जगह-जगह रोककर भव्य स्वागत किया गया पटाखे फोड़े गए और चाकसू के प्रधान कार्यालय पर पहुंचने पर डीजे की धुन पर नाचते हुए कंधे पर बिठाकर पटाखे फोड़ते हुए जोरदार जश्न मनाया गया इस दौरान कस्बे से विजय जुलूस निकाला गया और मिठाइयां बांटी गई। इस बार के चुनाव में भाजपा के बैरवा की सादगी , पिछली चुनाव हार की सहानुभूति , स्थानीय का होना , कांग्रेस के पूर्व विधायक अशोक तंवर का भाजपा में समर्थकों के साथ आना , मुस्लिम वोटरों का भाजपा के समर्थन में खुलकर आना , यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य , पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे , राज्य सभा सांसद डॉ किरोड़ी की बड़ी सभा , कॉंग्रेस के प्रत्याक्षी की तुलना में जल्दी टिकट मिलना कॉंग्रेस की ओर से सचिन पायलट को दूर करने से गुर्जर वोट पिछले चुनाव की तुलना में छिटक गया , हनुमान बेनीवाल का जादू नही चला जिससे जाट वोट भाजपा के पक्ष पड़े, वहीं डॉ किरीडी लाल मीना की बडी सभा हुई एवं जिससे कॉंग्रेस का परम्परागत मीना वोट कांग्रेस से दूर रहा। इसी तरह कांग्रेस विधायक वेदप्रकाश सोलंकी ने कार्यकर्ताओं से दूरी बना ली और सोशल मीडिया के भरोसे किया गया प्रचार प्रसार मतदाताओं में विश्वास पैदा नहीं कर सका।जिस वजह से इस चुनाव कॉंग्रेस को भारी नुकसान उठाना पड़ा । जिसके चलते से कांग्रेस के वेद प्रकाश सोलंकी भारी मतों के अंतराल से पराजित हो गए ।

पूरे दिन टीवी पर विधानसभा क्षेत्र के लोगों की टिकी रही निगाहें : राजस्थान विधानसभा चुनाव के नतीजा सुनने के लिए चाकसू विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी रामावतार बैरवा की ओर से चाकसू कस्बे में टोंक रोड स्थित भाजपा प्रधान कार्यालय पर बड़ी स्क्रीन लगाई गई। इस दौरान चुनाव नतीजे को सुनने के लिए समर्थकों की भीड़ उमड पड़ी। वहीं कस्बे में भी अधिकांश लोग घरों में टीवी और मोबाइल से चिपके रहे। बाजार में इस दौरान अघोषित छुट्टी सा माहौल रहा। लोग मगणना स्थल पर न जाकर मोबाइल तथा इंटरनेट से हाल लेते रहे। आलम यह रहा कि घर की महिलाएं और युवतियां भी टीवी पर नजर गड़ाए रहीं। मतगणना का ताजा परिणाम जानने के लिए सुबह आठ बजे से ही टीवी सेटों पर लोग चिपके रहे। वह पल-पल की जानकारी ले रहे थे। लोग चुनावी परिणामों पर समीक्षा करने में ही लगे रहे। परिणाम पर चर्चा के साथ ही सरकार बनाने को लेकर एक दूसरे से बातचीत होती रही।

इस दौरान चाकसू कस्बे के चहल पहल वाले स्थानों तहसील, सब्जी मंडी बस स्टैंड कोटखावदा मोड टोंक रोड समेत गली मोहल्ले सुनी रही और लोगों का आना जाना कम रहा।

भाजपा प्रत्याशी कुलदीप धनकड के सिर बंधा जीत का ताज, कांग्रेस प्रत्याशी इंद्राज गुर्जर हारे

पावटा। विराटनगर विधानसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी कुलदीप धनकड ने विजय हासिल कर ली है। उन्होंने क्षेत्र से विधायक रहे कांग्रेस प्रत्याशी इंद्राज गुर्जर को हराया।

इंद्राज गुर्जर दूसरी बार कांग्रेस प्रत्याशी के रूप मे चुनाव लडे थे। रविवार को विधानसभा चुनावों की मतगणना जयपुर के कॉमर्स कॉलेज मे शुरू हुई। मतगणना के दौरान शुरू से ही भाजपा प्रत्याशी कुलदीप धनकड कांग्रेस प्रत्याशी इंद्राज गुर्जर, आजाद समाज पार्टी प्रत्याशी रामचंद्र सराधना सहित अन्य निर्दलीय प्रत्याशीयो से बढत बनाये हुए थे। भाजपा प्रत्याशी कुलदीप धनकड को 82377 मत प्राप्त हुए वही कांग्रेस प्रत्याशी इंद्राज गुर्जर को 64416, आजाद समाज पार्टी प्रत्याशी रामचंद्र सराधना को 18711 मत प्राप्त हुए। वही निर्दलीय प्रत्याशी चंद्र प्रकाश सैनी को 3249, निर्दलीय प्रत्याशी भीम सहन गुर्जर को 2072, निर्दलीय प्रत्याशी कर्नल सूरजपाल सिंह शेखावत को 922, बहुजन समाज पार्टी से जयसिंह को 856, निर्दलीय प्रत्याशी महावीर प्रसाद को 444, निर्दलीय प्रत्याशी टीना यादव यादव को 322, निर्दलीय प्रत्याशी महेंद्र कुमार को 307, निर्दलीय प्रत्याशी धूनीलाल को 144 मत प्राप्त हुए। वही 1340 मत नोटा को दिये गए। भाजपा प्रत्याशी कुलदीप धनकड ने कांग्रेस प्रत्याशी इंद्राज गुर्जर को 17961 मतो से हराया। भाजपा प्रत्याशी कुलदीप धनकड को पहली बार विराटनगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा का टिकिट दिया गया था। भाजपा पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने भाजपा प्रत्याशी कुलदीप धनकड पर टिकिट देकर ज्यो विश्वास जताया था उस पर खरे उतरते हुए उन्होंने विराटनगर विधानसभा क्षेत्र से जीत हासिल की। इस दौरान भाजपा प्रत्याशी कुलदीप धनकड की की जीत पर विराटनगर विधानसभा क्षेत्र मे खुशी का माहौल देखा गया। जगह जगह लोगों द्वारा आतिशबाजी कर व एक दूसरे को मिठाई खिलाकर मुँह मीठा करवाकर जीत का जश्न मनाया। वही जीत के बाद भाजपा प्रत्याशी कुलदीप धनकड के क्षेत्र मे आगमन पर जगह जगह उनका भव्य स्वागत किया गया। पूरा विराटनगर विधानसभा क्षेत्र जय श्री राम, कुलदीप धनकड जिंदाबाद के नारों से गुंजायमान हो गया। जगह जगह उनका भव्य स्वागत के दौरान भाजपा प्रत्याशी कुलदीप धनकड विराटनगर गणेश मंदिर पहुँचकर धोक लगाई। इसके बाद विराटनगर क्षेत्र की जनता का आभार जताया। उसके बाद वो पावटा व प्रागपुरा सुभाष चौक पहुँचे जहाँ भाजपाईयों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया।

भाजपा प्रत्याशी कुलदीप धनकड़ ने जुलूस निकाल जनता का अभार जताया।

- विराटनगर विधानसभा क्षेत्र जय श्री राम, कुलदीप धनकड जिंदाबाद के नारों से हुआ गुंजायमान

फुलेरा में विधायक निर्मल कुमावत की कमजोरी से भाजपा हारी

सांभरझील, (निसं)। फुलेरा विधानसभा क्षेत्र से हैट्रिक विधायक रहे निर्मल कुमावत चौथी दफा जीत का चौका लगाने से चूक गए और उन्हें कांग्रेस के विद्याधर चौधरी ने क्लीन बोल्ड कर 20 साल बाद प्रचंड बहुमत से जीत दर्ज कर एक नया इतिहास भी रच दिया।

भाजपा के प्रत्याशी कुमावत विधानसभा क्षेत्र की देवतुल्य जनता व सैकड़ो कार्यकर्ताओं की भावनाओं को समझने में पूरी तरह से असफल रहे, वहीं कांग्रेस के चौधरी पिछली दफा मिली हार के बाद भी पूरे विधानसभा क्षेत्र में 5 साल तक सक्रिय रहकर जनता के दुख दर्द को समझा और उनकी सेवा में लगातार जुटे रहे यही प्रमुख कारण रहा कांग्रेस चार दशक बाद फुलेरा विधानसभा में अपना वर्चस्व स्थापित करने मैं सफल हो सकी। भाजपा के प्रत्याशी निर्मल कुमावत की हार की वजह जो बताई उसमें प्रमुखता से सांभर को जिला बनाने के महापड़ाव से खुद को अलग रखना, पार्टी के पुराने और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को दरकिनार करना, युवा कार्यकर्ताओं को प्रमुख कार्यक्रमों में तवज्जो नहीं देना, इने गिने सलाहकारों के बल पर चुनाव के नेतृत्व की कमान सौंप कर निश्चिंत हो जाना, जन समस्याओं के लिए खुले तौर पर उनकी ओर से कोई प्रयास नहीं करना, सोशल मीडिया पर निर्मल भगाओ सांभर बचाओ, मोदी तुझसे बैर नहीं निर्मल तेरी खैर नहीं के संदेशों को जिम्मेदार पदाधिकारीयों की ओर से नजर अंदाज करना, एन वक्त पर पुराने कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर गिले शिकवे दूर करने की कोशिश करना, प्रजापति समाज के लोगों की नाराजगी लगातार बने रहना।

पहली बार करौली, जयपुर और दिल्ली के साथ

मालपुरा में नहीं चला गहलोत व व्यास का जादू

करौली, (निसं)। करौली विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी ने कांटे कि टक्कर के बीच चुनाव जीतते हुए इतिहास रच दिया है हर बार करौली विपक्ष में रहती थी लेकिन इस बार सत्ता पक्ष के साथ आ गई है। राजस्थान विधानसभा चुनावो के दौरान करौली विधानसभा कि सीट हर बार विपक्ष में रहती थी कभी भी करौली की सीट सत्ता पक्ष के साथ नहीं रही। पूर्व में भी हुए चुनाव में करौली विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस का प्रत्याशी लाखन सिंह मीणा बहुजन समाज पार्टी से चुनाव जीतकर आए थे। जो कि कांग्रेस में शामिल हो गए इससे पूर्व भी दर्शन सिंह गुर्जर कांग्रेस पार्टी के टिकट पर चुनाव जीते थे उसी दौरान प्रदेश में भाजपा कि सरकार बनी थी। लेकिन इस बार सारे रिकॉर्ड टूट गए और करौली विधानसभा कि सीट जयपुर और दिल्ली के साथ मिल गई है। इधर करौली कि बीजेपी सीट जीतने पर लोगों ने जश्न मनाते हुए जमकर आतिशबाजी कि और कहा कि इस बार करौली कि सीट पूरी तरह सत्ता पक्ष के साथ विजई हुई है।

मालपुरा, (निसं)। विधानसभा चुनाव 2023 के रविवार को आये परिणामों में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी कन्हैयालाल चौधरी ने कांग्रेस प्रत्याशी घासीलाल चौधरी को 16189 मतों से पराजित कर लगातार तीसरी बार भाजपा का कमल खिला जीत की हैट्रिक लगाई है।

टोंक जिला मुख्यालय पर हुई मतगणना में मालपुरा विधानसभा क्षेत्र की कुल 22 राउंड में हुई बूथ वाइज गणना में भाजपा के कन्हैयालाल चौधरी ने पहले राउंड से ही बढ़त ले ली जो 22वें राउंड तक बरकरार रही। विधानसभा क्षेत्र के कुल 274 बूथों पर हुये 75 प्रतिशत मतदान में 2 लाख 8 हजार 540 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय से जारी विधानसभा चुनाव मतगणना परिणाम सूची में भाजपा के कन्हैयालाल चौधरी ने 85915 मत प्राप्त किये तो निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस के घासीलाल चौधरी ने 69 हजार 726 मत प्राप्त किये।

वहीं टिकट नहीं मिलने से खफा हो कांग्रेस के बागी बने निर्दलीय प्रत्याशी गोपाल गुर्जर को 48 हजार 184 मत प्राप्त हुये। जो कि कांग्रेस के प्रत्याशी घासीलाल चौधरी की हार का कारण बने। बहुजन समाज पार्टी के जितेन्द्र कुमार बैरवा को 1927 मत प्राप्त हुये। राईट टू रिकाल पार्टी के नवीन कुमार जैन को 863 मत प्राप्त हुये। इस बार हुये मतदान में 1816 मतदाताओं ने नोटा में मतदान किया। तो 109 मत खारिज हुये। कुल 22 राउंडों में हुई मतगणना में 14 राउंड तक मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के बूथों से हुई गणना में भाजपा के कन्हैयालाल ने 6 हजार 262 मतों की बढ़त बनाई तो शेष 8 राउंड में टोडारायसिंह उपखण्ड क्षेत्र के बूथों की गणना में भाजपा प्रत्याशी 9 हजार 927 मतों की बढ़त बनाते हुए कांग्रेस प्रत्याशी को 16 हजार 189 मतों से पराजित कर लगातार तीसरी बार विधायक बनने का खिताब जीत भाजपा का परचम लहराया है।

रविवार को भाजपा प्रत्याशी की शादी की वर्षगांठ पर मिले विधायक के खिताब व जीत के तोहफे पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी कर मिठाई बांट जीत का जश्न मनाया। भाजपा कार्यालय पर जमा हजारों कार्यकर्ताओं ने पालिका अध्यक्ष सोनिया सोनी के हाथों में भगवा ध्वज थमा ढोल-धमाकों के साथ शहर में भाजपा की जीत का जश्न मनाते हुए जुलूस निकाला।

लगातार तीसरी बार खिले भाजपा के कमल व लहरे भगवा ध्वज के रंग में रंगे मालपुरा में हाथी-घोड़ा पालकी जय कन्हैयालाल की व राजतिलक की करो तैयारी आ गये हैं भगवाधारी जैसे नारों से शहर को गुंजायमान कर दिया। वर्ष 1998 मे कांग्रेस की हार का क्रम शुरू हुआ जो कि इस बार भी लगातार जारी रहा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा मालपुरा को जिले की सौगात देकर मालपुरा में की चुनावी सभा तथा क्षेत्र से तीन बार विधायक रहे स्थानीय ब्राह्मण नेता एवं 35 साल से कांग्रेस की हार का कारण बने डॉ. सुरेन्द्र व्यास के इस बार कांग्रेस मंच पर आकर जीत का दावा करना भी कांग्रेस को जीत नहीं दिला सका।

गहलोत व व्यास के दावे व जादू को क्षेत्र की जनता ने नकार कांग्रेस की सात गारंटी के विरोध में तथा सनातन धर्म के रक्षक एवं मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम का मंदिर निर्माण व कश्मीर में धारा 370 हटा कर हिन्दु राष्ट्र के सपने को साकार करने का बीडा उठाये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समर्थन में कट्टर हिन्दू चेहरे बने कन्हैयालाल चौधरी के पक्ष में मतदाताओं ने मतदान कर भाजपा की जीत की हैट्रिक बनाई।

कन्हैयालाल चौधरी ने डिग्गी कल्याणजी के दर्शन कर भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं के बीच जीत का जश्न मना आज की जीत को सनातन धर्म व कार्यकर्ताओं की जीत बताते हुए मालपुरा में बंद हुई कावड यात्रा व दशहरे के जूलूस को परम्परागत मार्ग से निकाले जाने तथा टोरडी में बिसलपुर का ऑवरफ्लो पानी डलवाये जाने का वादा किया।

मालपुरा विधानसभा से लगातार तीसरी बार भाजपा प्रत्याशी की हुई जीत पर भाजपाईयों ने जश्न मनाया ।

- भाजपा के कन्हैयालाल ने जीत की हैट्रिक लगाई
- कांग्रेस के घासीलाल चौधरी को 16189 मतों से किया पराजित
- आतिशबाजी कर भगवा ध्वज के साथ मनाया जीत का जश्न

जिम में वेट ट्रेनिंग करने से उन्हें बड़े शॉट्स खेलने की स्ट्रेंथ मिली। साथ ही उन्होंने आखिरी के ओवर्स में दिमाग को कूल रखकर बैटिंग करने की अपनी क्षमता का श्रेय को दिया है।
- रिंकू सिंह

भारतीय बल्लेबाज, अपनी बल्लेबाजी के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

मुकेश कुमार

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को रोमांचक 5वें टी-20 मुकाबले में 6 रन से हरा दिया। बेंगलुरु में टीम इंडिया के अर्शदीप सिंह ने आखिरी 6 गेंदों पर 10 रन डिफेंड किया। उन्होंने शुरुआती 3 गेंदों पर कोई रन नहीं दिया और कप्तान मैथ्यू वेड का विकेट भी लिया। टीम आखिरी ओवर में 3 रन ही बना सकी। भारत के लिए मुकेश कुमार ने 3 विकेट लिए। जबकि अर्शदीप सिंह और रवि बिश्नोई को 2-2 विकेट मिले। श्रेयस अय्यर ने 53 रन बनाए। 5वें टी-20 में जीत के साथ टीम इंडिया सीरीज 4-1 के अंतर से अपने नाम कर ली। चित्रास्वामी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिकेट इतिहास के 1877 में सबसे पहले टैस्ट में खेलने वाले एडवर्ड ग्रेगरी, उनके पुत्र सिड ग्रेगरी और उनके भतीजे जैक ग्रेगरी ने अपने टैस्ट जीवन की शुरुआत शून्य (0) से की।

आईपीएल 2024 मिनी ऑक्शन 19 दिसंबर को दुबई में होगा

1166 प्लेयर्स ने कराया है रजिस्ट्रेश, 25 की बेस प्राइस 2 करोड़

मुंबई, 3 दिसम्बर। आईपीएल 2024 की नीलामी 19 दिसंबर को दुबई में होगी। ऐसा पहली बार होगा, जब का ऑक्शन देश से बाहर हो रहा है। प्रशासन ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर दी है। इस बार पिछले साल की तुलना में टीमों के पास खिलाड़ियों को खरीदने के लिए 5 करोड़ रुपये ज्यादा होंगे। पिछले सीजन में फ्रेंचाइजी के पास टीम के लिए 95 करोड़ रुपये की राशि निर्धारित की गई थी। इस बार टीम तैयार करने के लिए 100 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। साथ ही टीमों के पास पिछले सीजन यानी 2023 की बची हुई राशि भी होगी। ऑक्शन के लिए 1166 प्लेयर्स ने रजिस्ट्रेशन कराया है। इनमें 830 भारतीय और 336 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। विदेशी खिलाड़ियों में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने नाम नहीं दिया। मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस, ट्रैविस हेड, जेराल्ड कूट्जी और रचिन रवींद्र जैसे खिलाड़ी बड़े

विदेशी खिलाड़ी ऑक्शन में उतरेंगे। भारतीय खिलाड़ियों में हर्षल पटेल, शार्दूल ठाकुर, उमेश यादव और जयदेव उनादकट जैसे बड़े नाम शामिल हैं। इनकी कीमत 10 करोड़ रुपए के पार जा सकती है। टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली 10 टीमों ने अपने ज्यादातर खिलाड़ियों को रिटेन कर लिया है। इसलिए ज्यादा से ज्यादा 77 खिलाड़ी ही खरीदे जा सकेंगे, जिनमें 30 विदेशी रहेंगे। टीमों के पास 262.95 करोड़ रुपए बाकी हैं, हर टीम का पर्स इस बार 100 करोड़ रुपए का रहेगा। ऑक्शन में 25 प्लेयर्स की बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए है, इनमें ऑस्ट्रेलिया के 7 और भारत के 4 खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस, ट्रैविस हेड, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, स्टीव स्मिथ, जोश इंग्लिस और सीन एबॉट की बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए है। भारतीयों में हर्षल पटेल, केदार जाधव, शार्दूल ठाकुर और उमेश यादव की बेस प्राइस सबसे ज्यादा है। इनके अलावा 20 प्लेयर्स की बोली 1.50 करोड़ और 16 प्लेयर्स की बोली 1 करोड़ रुपए से शुरू होगी। बाकी 1105 प्लेयर्स की बेस प्राइस 20 से 95 लाख रुपए के बीच है।

विजय मर्चेंट ट्रॉफी : बंगाल ने हैदराबाद के खिलाफ हासिल की बढ़त

कोलकाता, 3 दिसंबर। अवरादीप बिस्वास (34 रन पर पांच विकेट) के पंजे की मदद से बंगाल की अंडर 16 टीम ने विजय मर्चेंट ट्राफी के मुकाबले में शनिवार को हैदराबाद के खिलाफ पहली पारी में 48 रन की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल कर ली। सूरत में खेले गये मैच में बंगाल ने पहले खेलते हुये 186 रन बनाये जिसके जवाब में हैदराबाद की पूरी टीम 138 रन ही बना सकी। हैदराबाद को कम स्कोर पर समेटने में बंगाल के गेंदबाजों की भूमिका अहम रही। विस्वास के अलावा अनिर्बान सरमा (2-21), धनविन निमावत (2-30) और शिवम भारती (1-19) ने गेंद से शानदार प्रदर्शन किया। जवाब में, बंगाल ने अपनी दूसरी पारी में दूसरे दिन स्टंप्स तक दो विकेट पर 65 रन बना लिए हैं और उसकी कुल बढ़त अब तक 113 रन की हो चुकी है। अंकित चटर्जी (नाबाद 40) और कप्तान आशुतोष कुमार (नाबाद 19) क्रीज पर नाबाद थे।

यूनिटी कालेज के कायम व लारैब ने लगायी स्वर्ण हैट्रिक

लखनऊ, 3 दिसंबर। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित यूनिटी कालेज में आयोजित स्पोर्टस डे में शनिवार को सीनियर वर्ग में कायम अब्बास जैदी ने 100, 200 व 400 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक और शॉटपुट में रजत पदक हासिल किया जबकि लारैब ने 800, 1500 मीटर दौड़ और लॉग जम्प में स्वर्ण जीते। शॉटपुट में युसूफ को मात्र एक स्वर्ण की सफलता मिली। इसके साथ ही जूनियर एवं सीनियर वर्ग के विद्यार्थियों ने 100 मीटर रेस फाइनल, सीनियर विद्यार्थियों ने 100 वर्ग मीटर गुणे 4 रिले रेस, सीनियर एवं जूनियर कक्षा के विद्यार्थियों ने 200 मीटर फाइनल रेस एवं शारीरिक सौष्ठव, अनुशासन एवम समन्वय का प्रदर्शन करते हुये विद्यार्थियों ने पिरामिड्स एवं जिमनास्टिक का अद्भुत प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया।

तैजुल के प्रहार से कीवी ढेर, बांग्लादेश 150 रन से जीता

सिलहट, 3 दिसंबर। तैजुल इस्लाम (75 रन पर छह विकेट) की कातिलाना गेंदबाजी की बदौलत बांग्लादेश ने आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिये दो मैचों की श्रृखंला के पहले टेस्ट में शनिवार को न्यूजीलैंड को 150 रनों के बड़े अंतर से हरा दिया। बांग्लादेश ने पहली पारी में नौ विकेट पर 310 रन बनाये थे जिसके जवाब में मेहमान टीम पहली पारी में 317 रन बना कर आउट हो गयी थी। पहली पारी में सात रन से पिछड़ी बांग्लादेश ने कप्तान नजमुल शन्तो (105) की शतकीय पारी की मदद से दूसरी पारी में 338 रन का स्कोर खड़ा किया जबकि बाद में तैजुल इस्लाम ने छह कीवी बल्लेबाजों को आउट कर न्यूजीलैंड का पुलिंदा 181 रन पर बांध दिया। पहली पारी में शतकवीर केन विलियम्सन (11) का बल्ला दूसरी पारी में नहीं चला। उनको तैजुल ने पगबाधा आउट किया। डैरिल मिचेल (58) ने हालांकि मेजबान गेंदबाजों का बहादुरी से सामना किया मगर उनका विकेट भी तैजुल ने उखाड़ा। हार के मुहाने पर खड़ी न्यूजीलैड के लिये अनुभवी गेंदबाज टिम साउदी ने 34 रन की ताबड़तोड़ पारी से दर्शकों को मनोरंजन किया।

भारतीय ओपनर्स 33 रन पर पवेलियन लौटे, गायकवाड़ भी आउट, ड्वारशस को विकेट

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर। बेंगलुरु भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रही टी-20 सीरीज का 5वां और आखिरी मुकाबला बेंगलुरु में खेला जा रहा है। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया है।

टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 ओवर में 2 विकेट पर 42 रन बना लिए हैं। श्रेयस अय्यर और सूर्यकुमार यादव क्रीज पर हैं। ऋतुराज गायकवाड 10 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें बेन ड्वारशस ने जेसन बेहरनडर्फ के हाथों कैच कराया। गायकवाड दूसरी बार लेफ्ट ऑर्म पेसर की बॉल पर आउट हुए हैं। इससे पहले, जेसन बेहरनडर्फ ने यशस्वी जायसवाल (21 रन) को आउट किया।

भारतीय की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने पावरप्ले में 42 रन बनाने में यशस्वी जायसवाल और ऋतुराज गायकवाड के विकेट गंवा दिए। इस जोड़ी ने धीमी शुरुआत की। ऐसे में जायसवाल ने कुछ बड़े शॉट खेले, लेकिन ज्यादा देर तक बल्लेबाजी नहीं कर सके। वे 21 रन के निजी स्कोर पर जेसन बेहरनडर्फ का शिकार बने, अगले ही ओवर में बेन ड्वारशस ने ऋतुराज गायकवाड को चलता कर दिया।

दोनों टीमें एक-एक बदलाव के साथ उतरी हैं। तेज गेंदबाज दीपक चाहर की जगह अर्शदीप सिंह को प्लेइंग

इलेवन में शामिल किया गया है, जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम में क्रिस ग्रीन की जगह नॉथन एलिस को मौका मिला है। भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋतुराज गायकवाड, श्रेयस अय्यर, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, मुकेश कुमार और आवेश खान।

ऑस्ट्रेलिया: मैथ्यू वेड (कप्तान/विकेटकीपर), जोश फिलिप, ट्रैविस हेड, बेन मैक्डरमॉट, आरोन हार्डी, टिम डेविड, मैथ्यू शॉर्ट, नॉथन एलिस, बेन ड्वारशस, जेसन बेहरनडर्फ और तनवीर सांघा। बेंगलुरु में टीम इंडिया के पास ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली बार एक टी-20 सीरीज में 4 मैच जीतने का मौका होगा। भारत फटाफट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक सीरीज में 3 से ज्यादा मुकाबले नहीं जीत सका है। हालांकि, मैदान के आंकड़े कंगारुओं के पक्ष में हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने यहां एक भी टी-20 मैच नहीं गंवाया है। लिहाजा मेहमान टीम आखिरी मैच को जीतकर हार के अंतर को कम करना चाहेगी।

भारतीय टीम हेड-टु-हेड रिकॉर्ड में ऑस्ट्रेलिया से आगे है। दोनों के बीच अब तक 30 टी-20 इंटरनेशनल खेले गए हैं। इनमें से 18 भारतीय टीम ने जीते हैं, जबकि 11 मैचों के नतीजे कंगारुओं के पक्ष में रहे हैं। एक मैच नो रिजल्ट रहा है। वेन्यू के हेड-टु-हेड में ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत पर हावी है। टीम ने यहां अपने दोनों टी-20 जीते हैं। जबकि भारतीय टीम इस मैदान पर 6 में से 3 टी-20 मैच हार चुकी है। यह इंडिया का इकलौता होम ग्राउंड है, जहां भारतीय टीम ने 3 टी-20 मैच गंवाए हैं और 2 जीते हैं।

राष्ट्रीय ट्रैक साइकिलिंग में यूपी के खालिद ने जीता स्वर्ण

लखनऊ, 3 दिसंबर। झारखंड के रांची में संपन्न राष्ट्रीय ट्रैक साइकिलिंग प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के सैयद खालिद बागी ने सब जूनियर बालक वर्ग की 500 मीटर टाइम ट्रायल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है।

उत्तर प्रदेश साइकिलिंग एसोसिएशन के महासचिव आरके गुप्ता ने शनिवार को यहां बताया कि 30 नवंबर से चार दिसंबर तक आयोजत चैंपियनशिप में मुरादाबाद के सैयद खालिद बागी ने 00:34.929 सेकेंड का समय निकालते हुए स्वर्णिम सफलता हासिल की। इस स्पर्धा में झारखंड के विकास को 00:35.590 सेकेंड के समय के साथ रजत और झारखंड के ही नारायण महतो को 00:35.845 के समय के साथ कांस्य पदक पदक मिला। सैयद खालिद की सफलता पर यूपी साइकिलिंग एसोसिएशन के चैयरमैन धीरेंद्र सिंह सचान, अध्यक्ष राम सकल गुर्जर, लखनऊ ओलंपिक संघ के संयुक्त सचिव डॉ.आनंद किशोर पांडेय व लखनऊ साइकिलिंग एसोसिएशन के सचिव अनुराग बाजपेई ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच जूनियर विश्व कप में बेल्जियम को 2-3 से हारी

सैंटियागो, 3 दिसंबर। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम को एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप 2023 में अपने तीसरे और अंतिम पूल मुकाबले में बेल्जियम के खिलाफ 3-2 से हार का सामना करना पड़ा। भारत की ओर से अन्नू ने (47 वें, 51 वें मिनट में दो गोल किए, जबकि नोआ श्रेउर्स ने पांच वें फ्रांस डी मोट ने 42 वें और एस्ट्रिड बोनामी ने 52 वें मिनट ने बेल्जियम के लिए एक-एक गोल किया। शुरुआती पेनाल्टी कॉर्नर हासिल करने के बावजूद भारत इसे गोल में तब्दील नहीं कर सका। नोआ श्रेउर्स के पांचवें मिनट मे किए गए मैदानी गोल ने बेल्जियम को शुरुआती बढ़त दिलाई। भारत ने दूसरे क्वार्टर में आक्रामक रुख अपनाया। फिर भी, बेल्जियम की मजबूत रक्षा ने भारत के प्रयासों को विफल कर दिया, जिससे हाफटाइम तक उनकी 1-0 की बढ़त बरकरार रही और दूसरा क्वार्टर गोलरहित समाप्त रहा 1 बेल्जियम ने तीसरे क्वार्टर में बेल्जियम अंतत: फ्रांस डी मोट के 42 वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को कुशलतापूर्वक गोल में बदलते हुए बढ़त कर दिया।

अंतिम क्वार्टर में, भारत ने तत्काल आक्रामक शुरुआत की, जिससे मैच का पहला गोल अन्नू (47) ने पेनल्टी कॉर्नर से किया, जिससे अंतर कम हो गया। इस सफलता से सशक्त होकर, भारत ने अपने हमले तेज कर दिए, जिसके परिणामस्वरूप एक महत्वपूर्ण पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसे अन्नू (51) ने शांति से गोल में बदल दिया, जिससे स्कोर बराबर हो गया। लेकिन, कुछ क्षण बाद, बेल्जियम को भी पेनल्टी स्ट्रोक दिया गया, जिसे एस्ट्रिड बोनामी (52) ने भारत के गोलकीपर के पास से छकाते हुए अपनी टीम को फिर से बढ़त दिला दी, और अंतत: 3-2 से हार का सामना करना पड़ा। भारत पूल सी में तीन अंकों के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है और तीसरे स्थान पर मौजूद जर्मनी की तुलना में बेहतर गोल-अंतर है।

प्रगनाननंदा 12 साल की उम्र में बने थे ग्रैंडमास्टर

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर। ग्रेडमास्टर आर. प्रगनाननंदा और उनकी बहन वैशाली रमेशबाबू ने अनूठा इतिहास रचा है। वैशाली स्पेन में एललोब्रेगेट ओपन के दौरान 2500 रेटिंग को पार कर भारत की तीसरी महिला ग्रैंडमास्टर बन गईं। इस उपलब्धि के साथ वैशाली और उनके छोटे भाई प्रगनाननंदा इतिहास में दुनिया की पहली ग्रैंडमास्टर भाई-बहन की जोड़ी बन गए हैं।

साथ ही दोनों भाई-बहन ग्रैंडमास्टर बनने के बाद कैडेट्स भी बन गए हैं। दोनों अब वर्ल्ड चेस चैम्पियनशिप खिताब में शामिल हो सकते हैं। इससे पहले भारत की कोनेरू हंपी और हारिका द्रोणावली महिला ग्रैंडमास्टर रह चुकी हैं। ग्रैंडमास्टर बनने के बाद उत्साहित वैशाली का कहना है कि मैं खिताब हासिल करने से काफी खुश हूं। वैशाली ने कहा कि जब से मैंने शतरंज खोलना शुरू किया था, तब मैं ग्रैंडमास्टर बनने का सपना देखती थी।

अब ये पूरा हो गया है। अभी मेरा फोकस एललोब्रेगेट ओपन टूर्नामेंट जीतने पर है। 18 साल के प्रगनाननंदा ने 12 साल की उम्र में जबकि वैशाली ने 22 साल की उम्र में ग्रैंडमास्टर का खिताब पाया है। भाई-बहन की यह जोड़ी शतरंज ओलिंपियाड में डबल ब्रॉन्ज और एशियाई खेलों में डबल सिल्वर मेडल भी जी चुकी है। कोच रमेश का कहना है कि दोनों भाई-बहन रोज 8 घंटे प्रैक्टिस करते हैं। प्रगनाननंदा की बड़ी बहन वैशाली ने भी छोटी उम्र से ही शतरंज खेलना शुरू किया था। घर में बहन वैशाली को खेलता देख प्रगनाननंदा की भी शतरंज के प्रति रुचि बढ़ी। वैशाली ने ही छोटे भाई प्रगनाननंदा को शतरंज की बारीकियां सिखाईं।

वैशाली एक इंटरव्यू में बताती हैं- जब मैं करीब 6 साल की थी, तो बहुत कार्टून देखती थी। मुझे से दूर करने के लिए पेरेंट्स ने मेरा नाम शतरंज और ड्रॉइंग की क्लास में लिखा दिया। बहन को चेस खेलता देख प्रगनाननंदा भी उससे प्रेरित हुए और महज 3 साल की उम्र में शतरंज सीखने लगे। उन्होंने चेस की कोई क्लास नहीं ली और अपनी बड़ी बहन से खेलना सीखा। प्रगनाननंदा का जन्म 10 अगस्त, 2005 को चेन्नई में हुआ।

उनके पिता स्टेट कॉर्पोरेशन बैंक में काम करते हैं, जबकि मां नागलक्ष्मी एक हाउसवाइफ हैं। उनकी एक बड़ी बहन वैशाली आर हैं। वैशाली भी शतरंज खेलती हैं। प्रगनाननंदा का नाम पहली बार चर्चा में तब आया, जब उन्होंने 7 साल की उम्र में वर्ल्ड यूथ चेस चैम्पियनशिप जीत ली। तब उन्हें फेडरेशन इंटरनेशनल डेस एचेक्स मास्टर की उपाधि मिली। वे 12 साल की उम्र में ग्रैंडमास्टर बन गए और सबसे कम उम्र में यह उपाधि हासिल करने वाले भारतीय बने। इस मामले में प्रगनाननंदा ने भारत के दिग्गज शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद का रिकॉर्ड तोड़ा।

रेणुका की भारत की महिला टीम में वापसी

मुंबई, 3 दिसंबर। आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले मुकाबलों के लिये भारतीय महिला टीम में तेज गेंदबाज रेणुका सिंह की वापसी हुयी है। इंग्लैंड के ख़िलाफ़ टी20 और टेस्ट सीरीज़ खेलने के बाद भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ एकमात्र टेस्ट खेलेगी। इन दो टेस्ट मैचों के दौरान रेणुका, इशाक के साथ-साथ जेमिमाह रॉड्रिग्स भी टेस्ट डेब्यू कर सकती हैं। यह 2014 के बाद भारतीय ज़मीन पर पहला महिला टेस्ट होगा। यह मिताली राज और झूलन गोस्वामी के संन्यास लेने के बाद भी भारत के लिए पहला टेस्ट है और हरमनप्रीत कौर पहली बार टेस्ट टीम की अगुवाई करेंगी।

क्रिकइंफो के अनुसार श्रेयांका डब्ल्यूपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से जुड़ी थीं। वह सीपीएल में खेलने वाली पहली भारतीय महिला थीं और उन्होंने टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लिए। फ़िलहाल वह इंग्लैंड ए के ख़िलाफ़ इंडिया ए के लिए टी20 सीरीज़ खेल रही हैं। बाएं हाथ की स्पिनर इशाक़ डब्ल्यूपीएल में मुंबई इंडियंस का हिस्सा थीं और 15 विकेट लेकर वह टूर्नामेंट की दूसरी सबसे सफल गेंदबाज़ बनीं।

इंग्लैंड के ख़िलाफ़ टी20 सीरीज़ के लिए भारतीय टीम: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मांधना (उपकप्तान), जेमिमाह रॉड्रिग्स, शेफ़ाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, श्रेयांका पाटिल, मन्नत कश्यप, सैका इशाक़, रेणुका सिंह, तितास साधु, पूजा वस्त्रकर, कनिका आहूजा, मिन्नू मणि।

इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ टेस्ट टीम: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मांधना (उपकप्तान), जेमिमाह रॉड्रिग्स, शेफ़ाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), स्नेह राणा, शुभा सतीश, हरलीन देओल, सैका इशाक़, रेणुका सिंह, तितास साधु, पूजा वस्त्रकर, मेघना सिंह, राजेश्वरी गायकवाड़।

सैयद मोदी बैडमिंटन चैम्पियनशिप में जापान का दबदबा

लखनऊ, 3 दिसंबर। सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल बैडमिंटन चैपियनशिप एचएसबीसी वर्ल्ड टुअर सुपर 300 के सेमीफाइनल में शनिवार को जापान का दबदबा देखने को मिला। महिला एकल के सेमीफाइनल में पूर्व विश्व नंबर वन जापान की नोजोमी ओकुहोरा ने हमवतन तीसरी वरीय अया ओहारी के खिलाफ 21-19, 22-20 की जीत से फाइनल में जगह बनाई वहीं पुरुष सिंगल्स के पहले सेमीफाइनल में जापान के केंटा निशिमोटो ने फ्रांस के एलेक्स लैनियर को एक रोमांचक मुकाबले में 21-17, 13-21, 21-17 से हराया।

मिक्स डबल्स के सेमीफाइनल में जापानी जोडी यूकी कनेको व मिसाकी मत्सुतोमो ने मलेशिया की हू पैंग रॉन व चेंग सु यिन (मलेशिया) को 17-21, 21-5, 21-17 से हरा दिया। महिला डबल्स सेमीफाइनल में तीसरी वरीय रिन इवांगा व की नाकानिशी (जापान) ने स्टियाना मापासा व एंजेला यू (ऑस्ट्रेलिया) को 17-21, 21-17, 21-15 से हरा कर खिताबी मुकाबले में अपना स्थान सुरक्षित किया।

बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में दो लाख 10 हजार अमेरिकी डालर की इनामी राशि वाली चैंपियनशिप में महिला सिंगल्स में जापान की दोनों ही खिलाड़ियों ने उम्दा स्मैश के सहारे एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दी। पहला गेम नोजोमी ने 19-19 से बराबरी के बाद लगातार दो अंक जुटाते हुए जीता। दूसरे गेम में ओलंपिक-2016 की कांस्य विजेता व पूर्व विश्व चैंपियन नोजोमी को एशियाड-2018 की स्वर्ण विजेता अया के खिलाफ खासा जूझना पड़ा। नोजोमी ने उम्दा तकनीक के सहारे यह गेम 22-20 से जीत लिया। पुरुष सिंगल्स के पहले सेमीफाइनल में केंटा निशिमोटो ने फ्रांस के एलेक्स लैनियर को एक रोमांचक मुकाबले में 21-17, 13-21, 21-17 से हराया। पहला गेम कड़ी टक्कर के बाद केंटो निशिमोटो ने 21-17 से जीता। दूसरा गेम पूर्व जूनियर एलेक्स ने शानदार खेल दिखाते हुए 21-13 से अपने नाम कर लिया। इस दौरान दर्शकों ने अंक जुटाने पर खूब तालिया बजाई और केंटा केंटा के नारे लगाए। तीसरे व निर्णायक गेम में 12-13 से पिछड़ने के बाद केंटा ने वापसी की और तीसरा गेम 21-17 से जीतते हुए फाइनल में प्रवेश किया। जीत के बाद जापानी खिलाड़ी ने शटल कॉक एक बच्चे को गिफ्ट में दे दी।

मिक्स डबल्स का फाइनल जापान की पांचवी वरीय यूकी कनेको व मिसाकी मत्सुतोमो और दूसरी वरीय डेजन फर्डिनन्स्याह व ग्लोरिया इमानुएल विजाजा के बीच खेला जाएगा। पहले सेमीफाइनल में यूकी कनेको व मिसाकी मत्सुतोमो ने मलेशिया की हू पैंग रॉन व चेंग सु यिन (मलेशिया) को 17-21, 21-5, 21-17 से और दूसरे सेमीफाइनल में डेजन व ग्लोरिया ने जर्मनी के मार्क लैम्सफस व इसाबेल को 21-19, 19-21, 22-20 से हराया।

प्रियांशु की हार, जापानी खिलाड़ियों का दबदबा

लखनऊ, 03 दिसंबर। चीनी ताइपे के ची यू जेन ने अपने तगड़े व दमदार स्मैश और तेज सर्विस के प्रदर्शन की बदौलत सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल बैडमिंटन चैपियनशिप एचएसबीसी वर्ल्ड टुअर सुपर 300 में पुरुष सिंगल्स सेमीफाइनल में भारत के युवा स्टार प्रियांशु राजावत की चुनौती को थामकर फाइनल में जगह बना ली। बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में दो लाख दस हजार अमेरिकी डालर की इनामी राशि वाली चैंपियनशिप के एकल वर्ग के सेमीफाइनल में चीनी ताइपे के खिलाड़ी ने 74 मिनट चले मुकाबले में 18-21, 21-14, 21-17 से जीत दर्ज की। वहीं हार के बावजूद प्रियांशु ने दर्शकों का दिल जीत लिया। नीय दर्शकों के भरपूर समर्थन के बीच प्रियांशु ने पहला गेम कड़ी टक्कर के बाद 21-18 से जीत लिया। दूसरा गेम ची यू जेन ने झन्नाटेदार स्मैश के सहारे 21-14 से जीत लिया। तीसरे गेम में प्रियांशु ने 11-9 से पिछड़ने के बाद कुछ गलतियां की। ओरलियांस मास्टर-2023 के विजेता व 2022 में थामस कप की विजेता भारतीय टीम के सदस्य रहे प्रियांशु राजावत ने वापसी की पूरी कोशिश की लेकिन चीनी ताइपे के खिलाड़ी ने यह गेम 21-17 से जीतते हुए फाइनल में प्रवेश कर लिया। गौरतलब है कि के.श्रीकांत, बी.साई प्रणीत व समीर वर्मा की पहले राउंड से विदाई के बाद प्रियांशु पर एकल में भारतीय उम्मीदों का दारोमदार था। उधर, पुरुष सिंगल्स के पहले सेमीफाइनल में दूसरी वरीय जापान के केंटा निशिमोटो (जापान) ने फ्रांस के एलेक्स लैनियर को एक रोमांचक मुकाबले में 21-17, 13-21, 21-17 से हराया। उनकी फाइनल में टक्कर चीनी ताइपे के ची यू जेन से होगी। दूसरी ओर इस चैंपियनशिप में जापानी खिलाड़ियों में से महिला सिंगल्स में नोजोमी ओकुहोरा, मिक्स डबल्स में यूकी कनेको व मिसाकी मत्सुतोमो, पुरुष सिंगल्स में केंटा निशिमोटो और महिला डबल्स में तीसरी वरीय रिन इवांगा व की नाकानिशी फाइनल में पहुंच गई। महिला सिंगल्स सेमीफाइनल में पूर्व विश्व नंबर वन जापान की नोजोमी ओकुहोरा ने जापान की ही तीसरी वरीय अया ओहारी के खिलाफ 21-19, 22-20 की जीत से फाइनल में जगह बनाई। नोजोमी की अब महिला सिंगल्स के फाइनल में पांचवीं वरीय डेनमार्क की लेन हाजमार्क केजरफेल्ड से टक्कर होगी जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में चीनी ताइपे की छठीं वरीय वेन ची सूई को 14-21, 21-17, 16-21 से हराया।

मोहन बागान सुपर जाइंट ने आईएसएल में हैदराबाद एफसी को 2-0 से हराया

भुवनेश्वर, 3 दिसंबर। मोहन बागान सुपर जाइंट ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में दूसरे हाफ में किए गए दो गोलों की बदौलत हैदराबाद एफसी को 2-0 से हरा दिया। मेरिनर्स को इस हफ्ते की शुरुआत में घरेलू मैदान पर ओडिशा एफसी के खिलाफ 5-2 से हार का सामना करना पड़ा। हैमिल ने 85वें मिनट में स्कोरिंग की शुरुआत की, और राय ने 96वें मिनट में गोल कर मेरिनर्स की जीत पक्की कर दी, इस टूर्नामेंट में मोहन बागान सुपर जायंट की पांचवीं जीत है। हैदराबाद एफसी अपना अगला मुकाबला 10 दिसंबर को गुवाहाटी में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी से खेलेगी, जबकि मोहन बागान सुपर जाइंट छह दिसंबर को साल्ट लेक स्टेडियम में ओडिशा एफसी से भिड़ेगी। हैदराबाद एफसी के थांगबोई सिंग्नल ने कहा, मोहन बागान के बारे में बोलते हुए, मुझे लगता है कि यह सितारों की टीम है, लेकिन मैंने ओडिशा एफसी के खिलाफ उनका मैच देखा और मुझे लगता है कि यह उनके साथ खेलने का अच्छा समय है। उनके पास बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं, शुरुआत में भी और बेंच पर भी।

रिंकू सिंह ने बताया लंबे सिक्सर्स का राज : जिम ट्रेनिंग से मिली लंबे शॉट खेलने की स्ट्रेंथ

रायपुर, 3 दिसम्बर। टीम इंडिया के युवा बल्लेबाज रिंकू सिंह भले ही लंबी-चौड़ी कदकाठी के न हों, लेकिन वे लंबे-लंबे छक्के जमाने की काबिलियत रखते हैं। ऑस्ट्रेलिया के साथ चल रही टी-20 सीरीज के चौथे मुकाबले में 158 के स्ट्राइक रेट से 46 रन की पारी खेलने वाले रिंकू ने अपनी पावर हिटिंग के राज खोले। मैच के बाद टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा के साथ बातचीत में रिंकू ने कहा कि जिम में वेट ट्रेनिंग करने से उन्हें बड़े शॉट्स खेलने की स्ट्रेंथ मिली। साथ ही उन्होंने आखिरी के ओवर्स में दिमाग को कूल रखकर बैटिंग करने की अपनी क्षमता का श्रेय को दिया है। मैच के बाद जितेश ने रिंकू से पूछा कि वे 100-100 मीटर के छक्के कैसे लगा लेते हैं। इसके जवाब में रिंकू ने कहा- कुछ खास नहीं। आपको पता है मैं आपके साथ ही जिम करता हूं। अच्छा खाना खाता हूं। मुझे वेट उठाने का बड़ा शौक है तो इससे नेचुरल पावर आई है मेरे पास। चाहे जिम हो या ड्ग्राउंड, रिंकू अपनी वेट ट्रेनिंग के लिए साथी खिलाड़ियों में मशहूर हैं। वे दिन में 2 से 3 घंटे एक्सरसाइज करने में बिताते हैं। जितेश ने रिंकू ने आगे पूछा- आपको देखकर लगता नहीं है कि आप पहली सीरीज खेल रहे हैं। चौथे मैच में मैं खुद जब बैटिंग के लिए पहुंचा तो प्रेशर फील कर रहा था। आपने मुझसे शांत होकर खेलने को कहा। दबाव झेलना कैसे सीखा? इस पर रिंकू ने कहा- मैं 5-6 साल से में खेल रहा हूं। काफी चुनौतीपूर्ण लीग है। वहीं से मुझे हर तरह की सिचुएशन को हैंडल करने की लर्निंग मिली है। अब वह लर्निंग इंटरनेशनल क्रिकेट में भी काम आ रही है। रिंकू सिंह ने चौथे टी-20 में 29 गेंदों पर 4 चौके और 2 छक्कों की मदद से 46 रन बनाए। इनमें से एक छक्का 100 मीटर का था। इसी मैच में जितेश ने 19 गेंदों पर 35 रन बनाए।

जयपुर ग्रामीण में कांग्रेस ने इज्जत बचाई, 11 में से 5 सीटें जीतीं

- कांग्रेस ने आमेर, शाहपुरा, चौमूं, फुलेरा और बस्सी में विजय प्राप्त की, जबकि भाजपा झोटवाड़ा, दूदू, चाकसू, जमवारामगढ़, विराट नगर और कोटपूतली में जीती।

जयपुर 3 दिसंबर (का.प्र.)। जयपुर जिले की 19 में से 11 सीटें ग्रामीण क्षेत्र में आती है। इन ग्रामीण क्षेत्रों में कांग्रेस ने उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की है। कांग्रेस ने जयपुर ग्रामीण की 11 में से आमेर, शाहपुरा ,चोमू और फुलेरा सीट जीत दर्ज की। वही सात सीटों पर भाजपा का जीत हुई है।

जयपुर ग्रामीण में कांग्रेस ने जिन चार सीटों पर जीत दर्ज की है उनमें से तीन सीटों पायलट खेमे के नेताओं ने जीती है। इनमें आमेर से प्रशांत सहदेव शर्मा ,शाहपुरा से मनीष यादव और फुलेरा से विद्याधर सिंह चौधरी शामिल है, जिन्होंने जयपुर ग्रामीण की इन तीनों सीटों पर कांग्रेस के लिए जीत हासिल की है। जयपुर ग्रामीण की इन तीन सीटों के अलावा जो चौथी सीट कांग्रेस ने जीती है वह चोमू विधानसभा है जहां पर उम्मीद के विपरीत परिणाम आया है। माना जा रहा था कि जिस तरह से जाट उम्मीदवार के रूप में कांग्रेस की शिखा मील बराला चुनाव लड़ रही है, वही यादव छुट्टन लाल आरएलपी के टिकट पर लगातार दूसरी बार चुनाव लड़ रहे थे। ऐसे में माना जा रहा था कि रामलाल शर्मा चुनाव जीत सकते हैं ,लेकिन लगातार चल रहे उतार-चढ़ाव के बाद में आखिरकार कांग्रेस की शिखा मील बराला चोमू से ना सिर्फ चुनाव जीतने में सफल रही, बल्कि कांग्रेस का वह प्रयोग भी सफल रहा है, जिसमें उन्होंने पहली बार किसी जाट उम्मीदवार को टिकट देकर जीतने का सपना देखा था।

मतगणना के दौरान झोटवाड़ा विधानसभा सीट पर हमेशा की तरह ही ग्रामीण क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार अभिषेक चौधरी की बढ़त लगातार बनी रही,जैसे कि हमेशा रहती है। इसे देखकर कांग्रेस कार्यकर्ता शुरुआत में खुश होते दिखे,लेकिन जैसे ही बाहरवां दौर शुरू हुआ, उसके बाद में भाजपा उम्मीदवार राज्यवर्धन सिंह राठौर की बढ़त शुरू हुई, जो की 50000 से ज्यादा की जीत के बाद ही रुकी।

इन सीटों के अलावा दूदू और चाकसू में पहले से ही कांग्रेस की 40000 से ज्यादा की हर देखी जा रही थी और उसी के अनुरूप कांग्रेस के दोनों उम्मीदवार वेद प्रकाश सोलंकी और बाबूलाल नगर चुनाव हारे।

जमवारामगढ़ में पहले से ही माना जा रहा था कि जयपुर ग्रामीण जिला कांग्रेस के अध्यक्ष और विधायक गोपाल मीणा इस बार जमवारामगढ़ से बड़े अंतराल से चुनाव हारेंगे। जब अंतिम परिणाम आया तो गोपाल मीणा 40000 से ज्यादा मतों से चुनाव हार गए। विराट नगर में पहले से लग रहा था कि इस बार मुकाबला कड़ा होगा। ऐसे में कांग्रेस के इंद्राज गुर्जर और कुलदीप धनकड़ तो आमने-सामने थे ही,लेकिन कांग्रेस के बागी रामचंद्र सराधना आजाद समाज पार्टी के उम्मीदवार बन गए और 18000 से ज्यादा वोट ले गए और इतने ही वोटो से कांग्रेस के इंद्राज गुर्जर को हार झेलनी पड़ी। कोटपूतली में कांग्रेस उम्मीदवार मंत्री राजेंद्र यादव और भाजपा के हंसराज गुर्जर के बीच मुकाबला काफी कड़ा हुआ।

अंत में 300 से ज्यादा वोटो से बीजेपी सीट पर जीतने में सफल रही। बस्सी में मुकाबला कांग्रेस के लक्ष्मण मीणा और भाजपा चंद्र मोहन मीणा ने काफी नजदीकी रहा और यहां लक्ष्मण मीणा ने भाजपा के चंद्र मोहन मीणा को काफी नजदीकी मुकाबले करीब 6000 वोट से चुनाव हरा दिया।

विधानसभा चुनाव परिणाम 2023

मध्यप्रदेश	
कुल	230
भाजपा	163
कांग्रेस	66
अन्य	1
छत्तीसगढ़	
कुल	90
भाजपा	54
कांग्रेस	35
अन्य	1
तेलंगाना	
कुल	119
कांग्रेस	64
बी.आर.एस.	39
भाजपा	8
अन्य	8

जयपुर शहर की 6 सीट भाजपा व 2 कांग्रेस ने जीती

- तिवारी 18 राउंड में आगे रहे 19 में हार गए
- खाचरियावास का बड़बोलापन गोपाल शर्मा के लिए वरदान साबित हुआ।
- तमाम विरोध के बावजूद सीताराम अग्रवाल को टिकट देना कांग्रेस के लिए नुकसानदेह साबित हुआ।
- दिया कुमारी ने विद्याधर नगर से भाजपा की सबसे बड़ी जीत प्राप्त की।

जयपुर 3 दिसंबर (का.प्र.)। जयपुर शहर की आठ विधानसभा सीटों पर जबरदस्त ध्रुवीकरण हुआ और उसका फायदा सीधे-सीधे भाजपा के पक्ष में गया और पार्टी ने 8 में से 6 सीटें खुद की झोली में डाली। हालांकि सबसे रोचक मुकाबला शहर की हवामहल विधानसभा सीट पर हुआ, जहां 19 राउंड की मतगणना में 18 राउंड तक कांग्रेस के आर.आर. तिवारी आगे रहे, लेकिन आखिरी राउंड की मतगणना में वे भाजपा के बल मुकुंद आचार्य से नौ सौ से ज्यादा वोटों से न्चुनाव हार गए।

जयपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "रोड शो" के बाद में कयास लगाया जा रहा था की जबरदस्त ध्रुवीकरण होगा।उम्मीद के मुताबिक ही हुआ। ध्रुवीकरण का फायदा जहां भाजपा को 6 सीटों पर हुआ, वहीं कांग्रेस को भी दो सीटों पर लाभ हुआ। किशनपौल तथा आदर्श नगर में अल्पसंख्यक समुदाय ने कांग्रेस उम्मीदवारों के पक्ष में जमकर वोट किया। यही दो सीटें कांग्रेस जीतने में सफल रही। किशनपोल में नजदीकी मुकाबले में अमीन कागजी और आदर्श नगर में रफीक खान लगातार दूसरी बार जीतने में सफल रहे। सिविल लाइंस में ध्रुवीकरण का फायदा भाजपा के पक्ष में गया, वहीं कांग्रेस के उम्मीदवार और मंत्री प्रताप सिंह के बयानों में जनता को अहंकार नजर आया और उसका नतीजा यह रहा कि गोपाल शर्मा भाजपा की ओर से 28000 वोटो से जीतने में सफल रहे। चारदीवारी के बाहर की सीटें पहले से ही भाजपा के पक्ष में मानी जा रही थी और उसी के अनुरूप परिणाम भी आए। विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा ने इस बार नरपत सिंह राजवी का टिकट काटकर राजसमंद की संसद दिया कुमारी को मैदान में उतारा। वहीं तमाम विरोध के बावजूद कांग्रेस ने सीताराम अग्रवाल को फिर से मैदान में उतारा। नतीजा यह निकला कि भाजपा जहां एकजुट हो गई ,वहीं कांग्रेस भिखर गई और राज्य की सबसे बड़ी जीत बीजेपी उम्मीदवार दिया कुमारी के हिस्से आई। उन्होंने कांग्रेस के सीताराम अग्रवाल को 71000 से ज्यादा मतों से चुनाव हराया। सांगानेर में भी 2018 में पुष्पेंद्र भारद्वाज 37000 वोटो से हारे थे, लेकिन इसके बावजूद कांग्रेस ने टिकट नहीं बदला, उन्हें फिर से मैदान में उतार दिया। वहीं भाजपा ने वर्तमान विधायक अशोक लाहौटी का टिकट काटकर संगठन के व्यक्ति भजनलाल को मौका दिया। नतीजा यह निकला कि भजनलाल शर्मा ने पुष्पेंद्र भारद्वाज को 48000 से मात दी।

बगरू में विरोध के बावजूद कांग्रेस ने टिकट नहीं बदला और वर्तमान विधायक गंगा देवी को फिर से मैदान में उतार दिया। वहीं भाजपा ने एक बार फिर कैलाश वर्मा को मौका दिया और कैलाश वर्मा ने इस मौके का फायदा उठाते हुए गंगा देवी के विरोध को अपने पक्ष में किया और 48000 से ज्यादा वोटो से जीत हासिल की। मालवीय नगर में कांग्रेस के पास ज्यादा ऑप्शन नहीं थे, ऐसे में पार्टी ने फिर से तीसरी बार डॉ अर्चना शर्मा को मौका दिया, लेकिन कांग्रेस पूरी तरह से अर्चना शर्मा के पक्ष में नहीं आई। ऐसे में भाजपा के कालीचरण सराफ ने अर्चना शर्मा को 34000 से ज्यादा मतों से हराते हुए सीट भाजपा की झोली में डाल दी।

अजमेर में संगठन की कमी के कारण हारी कांग्रेस

- केकड़ी और ब्यावर को जिला बनाने के बाद भी कांग्रेस को जीत नहीं मिली
- जिले में केवल किशनगढ़ में कांग्रेस प्रत्याशी जीता।

अजमेर, (कासं)। विधानसभा चुनाव 2023 में अजमेर में एक बार फिर कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया है। अजमेर जिले की आठ विधानसभा क्षेत्रों में से सिर्फ एक सीट पर कांग्रेस को जीत मिली है। वहीं सात सीटों पर भाजपा ने बाजी मारी है। जबकि अजमेर शहर की प्रमुख सीटों पर भाजपा के ही बागी उम्मीदवार पार्टी प्रत्याशियों को चुनौती दे रहे थे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अजमेर को बड़ी सौगात देते हुए ब्यावर व केकड़ी को जिला बनाया था लेकिन मुख्यमंत्री के इस दाव का भी लाभ कांग्रेस को नहीं मिला। ब्यावर व केकड़ी की सीटों पर कांग्रेस की हार हुई है।

अजमेर उत्तर विधानसभा सीट पर परिवर्तन की मांग करते हुए भाजपा से बागी होकर चुनाव मैदान में उतरे ज्ञानचन्द्र सारस्वत भी देवनानी का विजयी रथ नहीं रोक सके। देवनानी पांचवी बार विजयी होने में कामयाब रहे वहीं दूसरी बार कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ रहे महेन्द्र सिंह रलावता को एक बार फिर हार का सामना करना पड़ा। ज्ञानचन्द्र सारस्वत के निर्दलीय चुनाव लड़ने से देवनानी को हार का खतरा मंडरा रहा था लेकिन अजमेर में अमित शाह की रैली के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं में एक नए जोश का संचार हुआ और इसके बाद संघ के कार्यकर्ताओं ने भी देवनानी के लिए डोर टू डोर कैम्पेन किया जिसका लाभ भाजपा को मिला। साथ ही कांग्रेस उम्मीदवार महेन्द्र सिंह रलावता का कमजोर चुनाव प्रबंधन व सचिन पायलट की अजमेर में सभा नहीं होना भी महेन्द्र सिंह रलावता के हार के कारण रहे। माना जा रहा था कि ज्ञानचन्द्र सारस्वत भाजपा उम्मीदवार वासुदेव देवनानी को नुकसान पहुंचाएंगे लेकिन जानकारों का मानना है कि सारस्वत को मिले 26 हजार से अधिक मतों से प्रतीत होता है कि सारस्वत ने भाजपा से ज्यादा कांग्रेस को नुकसान पहुंचाया है।

अजमेर दक्षिण में भाजपा प्रत्याक्षी अनिता भदेल व कांग्रेस प्रत्याशी दौपद्री कोली के बीच कड़ी टक्कर रही लेकिन दौपद्री कोली के साथ कार्यकर्ताओं व संगठन की कमी के चलते कड़े मुकाबले में हार का सामना पड़ा। अनिता भदेल ने दौपद्री कोली को 4446 वोटों से हराया।

भाजपा ने विधानसभा चुनाव में सांसदों को चुनावी मैदान में उतारने की रणनीति भी बनाई थी। इसी के तहत अजमेर लोकसभा क्षेत्र से सांसद भागीरथ चौधरी को किशनगढ़ सीट से चुनावी मैदान में उतारा गया और पिछला चुनाव भाजपा के टिकट पर लड़ने वाले विकास चौधरी का टिकट काट दिया गया जिसका खामियाजा भी भाजपा को उठाना पड़ा। विकास चौधरी ने टिकट कटने के बाद कांग्रेस का दामन थामा और कांग्रेस के टिकट पर चुनावी मैदान में उतरे और उन्होंने भाजपा के पुराने बागी सुरेश टांक को शिकस्त देकर कांग्रेस के खाते में कांग्रेस की खाते में एक मात्र सीट पर विजय दिलावाई। साथ ही सांसद भागीरथ चौधरी तीसरे नम्बर पर रहे।

वहीं अजमेर की सबसे हाट सीट केकड़ी में पूर्व चिकित्सा मंत्री रघु शर्मा व शत्रुधन गौतम के बीच सीधा मुकाबला था। मुख्यमंत्री ने केकड़ी में जिला अस्पताल सहित अनेक सौगातें दी थी। रघु शर्मा के प्रयासों से केकड़ी को जिला भी बनाया गया लेकिन केकड़ी के मतदाताओं ने कांग्रेस की सौगातों को नकारते भाजपा पर विश्वास जताया और भाजपा उम्मीदवार शत्रुघन गौतम विजयी हुए। चुनाव जीतने के बाद गौतम ने रघु शर्मा के बेटे पर तंज कसते हुए कहा कि केकड़ी की जनता केकड़ी मे सागर टैक्स से पीडित थी।

ब्यावर को जिला बनाने के बाद कांग्रेस उम्मीदवार पारसमल जैन मजबूत स्थित में दिख रहे थे लेकिन शंकर सिंह रावत की मगरा क्षेत्र में मजबूत पकड और ब्यावर को जिला बनाने के लिए लगातार विधानसभा में उठाई गई मांग शंकर सिंह रावत के काम आया और वह चुनाव जीते।

मसूदा विधानसभा सीट पर कांग्रेस की फूट और भाजपा द्वारा नए चेहरे को टिकट देने का लाभ मिला। कांग्रेस से बागी होकर चुनाव लड़ रहे वाजिद खान चीता ने कांग्रेस उम्मीदवार व सचिन पायलट के करीबी राकेश पारीख को करीब 23 हजार वोट नुकसान पहुंचाया। वहीं सचिन साखला ने 18 हजार से अधिक वोटों का नुकसान पहुंचाया। यहां भाजपा के वीरेन्द्र सिंह कानावत विजयी रहे। कानावत ने अजमेर जिले की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। कानावत 26716 वोटों से विजयी रहे।

मेवाड़-वागड़ की 28 सीटों में से 17 सीटों पर भाजपा काबिज

कांग्रेस को मिली केवल सात सीटें, तीन पर भारतीय आदिवासी पार्टी (बाप) ने मारी एंट्री

- उदयपुर शहर सीट पर सबसे कम मतदान लेकिन भाजपा के ताराचंद जैन सर्वाधिक मतों से जीते।
- मावली विधानसभा सीट आखिरी तक रहा मुकाबला, अंत में जीते कांग्रेस के पुष्करलाल डांगी।

उदयपुर, 3 दिसम्बर, (कासं)। राजस्थान विधानसभा चुनाव की 199 सीटों पर मतगणना के बाद सत्ता परिवर्तन आगाज हो गया है। मेवाड़-वागड़ की 28 सीटों के परिणामों ने भी सभी को चौंका दिया है। भाजपा ने जहां इस इलाके से 17 सीटों पर अपना परचम फहराकर सत्ता तक पहुंचने की परम्परा को निभा दिया है वहीं कांग्रेस को 7 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा है। अपनी पहली ही एंट्री में भारतीय आदिवासी पार्टी (बाप) ने इलाके के राजनीतिक पंडितों को चौंका दिया है वहीं भाजपा के बागी ने जीत दर्ज करते हुए भाजपा को तीसरे स्थान पर धकेल दिया। वहीं जनजाति के संभाग में आरक्षित 16 सीटों में से 7 पर भाजपा, 6 पर कांग्रेस जबकि 3 पर भारतीय आदिवासी पार्टी (बाप) ने धमाकेदार कब्ज़ा किया है।

उदयपुर जिले के आठ विधानसभा सीटों की बात करें तो उनमें छह सीटों पर भाजपा व दो पर कांग्रेस ने जीत हासिल की है। उदयपुर शहर व उदयपुर ग्रामीण सीट पर तो भाजपा ने भारी मतों से जीत हासिल की। इस जिले की तीन विधानसभा मावली, गोगुन्दा व खेरवाड़ा सीटों पर कई बार उतार-चढ़ाव देखने को मिला। मावली सीट पर तो कांग्रेस प्रत्याशी पुष्कर डांगी केवल 1567 मतों से अपनी लाज बचा पाए। वहीं खेरवाड़ा सीट पर भी प्रत्येक राउंड में उथल-पुथल मची रही और आखिरी राउंडों में पूर्व मंत्री व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दयाराम परमार बढ़त ली और आखिर में यह बढ़त 16,311 मतों तक पहुंच गई और वे विजयी बने। इधर, गोगुन्दा विधानसभा सीट पर पूर्व मंत्री मांगीलाल गरासिया अंत में अपनी लाज नहीं बचा पाये और आखिर में उन्हें भी हार का सामना करना पड़ा।

उदयपुर शहर सीट पर भाजपा प्रत्याशी ताराचंद जैन ने अप्रत्याशित जीत हासिल करते हुए कांग्रेस के प्रत्याशी राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रो. गौरव वल्लभ को 32771 मतों से परास्त किया। वहीं ग्रामीण सीट पर फूलसिंह मीणा का झलवा बरकरार रहा और उन्होंने अपनी जीत की हैट्रिक लगाई। इधर, वल्लभनगर जो कि हॉट सीट मानी जा रही थी वहीं त्रिकोणीय मुकाबला था। उदयलाल डांगी पहले राउंड से ही बढ़त बनाए हुए थे जो आखिरी राउंड तक बरकरार रही और उन्होंने कांग्रेस की प्रीति शक्तावत को 20060 मतों से हरा दिया। मावली विधानसभा सीट पर सबसे रोमांचक मुकाबला रहा। भाजपा के कृष्णगोपाल पालीवाल को पुष्कर डांगी के सामने कमजोर माना जा रहा था वहां पर हार-जीत का अंतर केवल 1567 मतों में ही रहा।

गोगुन्दा विधानसभा सीट पर कांग्रेस के मांगीलाल गरासिया व भाजपा के प्रताप भील के बीच मतगणना के दौरान कई बार उतार-चढ़ाव देखा गया। प्रताप भील ने भी इस सीट पर तीसरी बार जीत दर्ज कराते हुए अपनी हैट्रिक बनाई। सलूम्बर विधानसभा सीट पर कांग्रेस के कद्दावर नेता रघुवीर मीणा अपनी साख नहीं बचा पाए यहां भारतीय आदिवासी पार्टी (बाप) ने कांग्रेस का सारा समीकरण बिगाड़ते हुए यह सीट तीसरी बार भाजपा की झोली में डाल दी। यहां से भाजपा के अमृतलाल 14691 मतों से विजयी रहे। झाड़ोल सीट पर भाजपा ने बाबूलाल खराड़ी ने कांग्रेस के हीरालाल दरांगी को 6488 मतों से पराजित कर अपनी सीट को कायम रखा।

चित्तौड़गढ़ जिले में कांग्रेस अपना खाता नहीं खोल पाई यहां पर चार भाजपा व एक निर्दलीय के खाते में गई। चित्तौड़गढ विधानसभा सीट पर भाजपा के बागी निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़े चन्द्रभान सिंह आक्या ने कांग्रेस के सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत को हराते हुए यहां भाजपा के नरपत सिंह राजवी को तीसरे स्थान पर धकेलते हुए उनकी जमानत जब्त करवा दी। जिले की कपासन सीट पर भाजपा के अर्जुनलाल जीनगर, बड़ीसादड़ी सीट पर भाजपा के गौतम दक, बेगूं में भाजपा के सुरेश धाकड़, निम्बाहेड़ा में भाजपा के श्रीचंद कृपलानी ने जीत हासिल की। निम्बाहेड़ा सीट पर गहलोत सरकार में मंत्री रहे उदयलाल आंजना को हार का मुंह देखना पड़ा।

राजसमंद विधानसभा की चारों सीटों पर भाजपा ने अपनी पकड़ कायम रखी। चारों सीटे भाजपा के खाते में गई। इस जिले की नाथद्वारा विधानसभा सीट पर मेवाड़ राजपरिवार के विश्वराज सिंह ने कांग्रेस के दिग्गज व विधानसभा स्पीकर डॉ. सीपी जोशी को मात दी। यहां पर भी कांटे की टक्कर देखी गई और आखिरी में विश्वराज सिंह विजयी रहे। राजसमंद सीट पर किरण माहेश्वरी की पुत्री दीप्ति माहेश्वरी ने अंत:विरोध के उपरांत भी 31 हजार से अधिक मतों से जीत हासिल कर अपनी सीट कायम रखी। कुंभलगढ़ सीट पर भाजपा के भाजपा के सुरेन्द्र सिंह राठौड़, भीम विधानसभा सीट पर भाजपा के हरिसिंह रावत ने जीत हासिल की। प्रतापगढ़ जिले में दो विधानसभा सीटों पर हुई मतगणना में एक पर भाजपा तो दूसरी सीट पर भारतीय आदिवासी पार्टी (बाप) ने कब्जा जमाया। इधर, वागड़ क्षेत्र के बांसवाड़ा जिले में पांच विधानसभा सीटों में से बांसवाड़ा, बागीदौरा, कुशलगढ़ व घाटोल सीटों पर कांग्रेस जबकि गढ़ ी विधानसभा सीट भाजपा के खाते में गई।

डूंगरपुर जिले की चौरासी व आसपुर सीट पर आदिवासियों ने अपने वोट बैंक में कब्जा जमाए रखा और दोनों सीटों पर नवगठित भारतीय आदिवासी पार्टी (बाप) ने कब्जा जमाया। चौरासी विधानसभा सीट पर बाप के राजकुमार रोत का परिणाम तो दोपहर 12 बजे के करीब ही आ गया और उन्होंने भारी मतों से 69166 वोट से जीत दर्ज की। आसपुर सीट भी बाप पार्टी के खाते में गई। वहीं डूंगरपुर विधानसभा सीट पर कांग्रेस के गणेश घोघरा ने 19 हजार से अधिक मतों से जीत दर्ज की। सागवाड़ा सीट पर भाजपा के शंकरलाल डेचा ने भारतीय आदिवासी पार्टी के मोहनलाल रोत को 11999 मतों से पराजित किया यहां कांग्रेस को तीसरे स्थान पर संतुष्ट होना पड़ा।

अब गहलोत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सनक (ओबसैशन),जिसमें वे पायलट को सत्ता से बाहर रखने के लिये किसी भी हद तक जाते रहे।

गहलोत को सोते-जागते यह एक भयावह सपना रह-रह कर आता था कि सचिन पायलट उनकी सरकार को गिराने का प्रयास कर रहा है तथा जो भी उनकी बात सुनने को तैयार होता था, उसे वे यह बात पूरे विस्तार के साथ दोहराते थे। वे सार्वजनिक रूप से पायलट के खिलाफ अपशब्द बोलते थे, जिससे यह स्पष्ट संकेत जाता था कि कांग्रेस में गहरा विभाजन है।

हारने वालों में प्रमुख हैं- विधानसभा अध्यक्ष सी.पी. जोशी, मानवेन्द्र सिंह, दिव्या मदेरणा तथा उनके अधिकांश मंत्री। हारने वाले मंत्री हैं, भंवर सिंह भाटी, बी.डी. कल्ला गोविन्द मेघवाल, सुखराम बिश्नोई, रामलाल जाट, परसादी मीणा, उदयलाल आंजना, प्रताप सिंह, रमेश मीणा, ममता भूपेश, राजेन्द्र यादव, सालेह मोहम्मद, प्रमोद जैन भाया, शकुंतला रावत, जाहिदा खान, विश्वेन्द्र सिंहं, भजनलाल जाटव, महेन्द्र चौधरी तथा अन्य।

राजस्थान में सत्ता से बाहर होना अशोक गहलोत के राजनीतिक कैरियर का अंत माना जा रहा है, क्योंकि केन्द्रीय नेतृत्व उन्हें राज्य अथवा केन्द्र में कोई भी पद अथवा पावर देने को तैयार नहीं है।

यह स्पष्ट है कि अशोक गहलोत राजस्थान में कांग्रेस का भूतकाल थे और सचिन पायलट को पार्टी का युवा, कर्मठ तथा करिश्माई चेहरा बना कर राज्य की राजनीति में अब बड़ी भूमिका देने में कोई अड़चन नहीं है।

जादूगर की जादूगरी और तिलिस्म समाप्त: शेखावत

- केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री बोले, जनता ने गहलोत जी की मुराद पूरी करते हुए कुर्सी उनसे छुड़वा दी।

जयपुर, 3 दिसम्बर (का.प्र.)। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने राज्य में भाजपा की जीत पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि जादूगर की जादूगरी और तिलिस्म अब समाप्त हो गया है। जो अशोक गहलोत कहते थे कि "मुख्यमंत्री की कुर्सी उन्हें नहीं छोड़ रही", जनता ने उनकी मुराद पूरी करते हुए वह कुर्सी उनसे छुड़वा दी। शेखावत ने रविवार को राजस्थान के चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अशोक गहलोत कहते थे कि वे मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ना चाहते हैं, लेकिन यह कुर्सी उन्हें नहीं छोड़ रही। इस चुनाव में जनता ने उनकी मुराद पूरी कर दी है और यह कुर्सी उनसे छुड़वा दी। अब जादूगर की जादूगरी और तिलिस्म खत्म हो गया। उन्होंने कहा कि एक साल पहले जब हमने जनाक्रोश यात्राएं निकाली थी और राजस्थान में घूमकर जनता के मन की थाह लेने की कोशिश की थी, तब ही यह स्पष्ट हो गया था कि जनता के मन में इस सरकार के प्रति आक्रोश का भाव है, सरकार भी मानती है कि वह मात्र संवैधानिक आयुष्य पूरा कर रही है। परिवर्तन यात्रा के समय में भी जिस तरह जनता का रुख देखने को मिला, उस समय भी लग गया था कि राजस्थान में प्रचंड बहुमत से भाजपा की सरकार बनेगी।

शेखावत ने कहा कि पी.एम. नरेन्द्र मोदी की नीतियों, उनके द्वारा दिए गए स्वच्छ शासन और जनता के उनके ऊपर अटूट भरोसे को देखते हुए हम न केवल राजस्थान अपितु मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी सफल हुए। प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में हम सफल हुए। तीनों राज्यों में भाजपा की सरकार बनने के कारण भाजपा प्रचंड उत्साह में है। अभी विधानसभा चुनाव में भी जब जनता ने प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे और काम को देखकर हमें जिताया है तो वर्ष 2024 तो उनका अपना चुनाव है, उसमें तो तीनों राज्यों में ही अपितु पूरे देश की जनता उन्हें तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए चुनाव करेगी।

कई नेताओं का हुआ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- रतन देवासी तथा समरजीत सिंह भी कई चुनाव हारने के बाद इस बार सफल हुए है।

और उस समय भैरों सिंह शेखावत के बुलाए जाने के बावजूद उनके साथ नहीं गए और कांग्रेस का साथ दिया था। उसके बाद से वह लगातार चुनाव लड़ते रहे और दो बार कांग्रेस ने उन्हें टिकट भी दिया, लेकिन वे चुनाव हार गए। इस बार भीमराज भाटी ने पाली में भाजपा के दिग्गज नेता और लगातार चुनाव जीत रहे ज्ञानचंद पारख को हराकर कांग्रेस के टिकट पर जीत हासिल की है। इसी तरह दिग्गज नेता हरेंद्र मिर्धा की भी लंबे समय बाद सदन में वापसी हुई है। 1998 में अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री रहे हरेंद्र मिर्धा उसके बाद से लगातार चुनाव हार रहे थे। हाल ही कांग्रेस सरकार के दौरान हनुमान बेनीवाल के सांसद बनने के बाद खींवसर में हुए उपचुनाव में भी हरेंद्र मिर्धा चुनाव हार गए थे। इस बार कांग्रेस ने उन्हें नागौर से टिकट दिया था और उनके सामने कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुई ज्योति मिर्धा भाजपा की उम्मीदवार थी। वहीं कांग्रेस की ओर से टिकट नहीं मिलने पर पूर्व मंत्री हबीबुर रहमान बागी लड़ रहे थे। ऐसे में यहां इस बार उनका कड़ा मुकाबला था। इस मुकाबले में हरेंद्र मिर्धा ने जीत करते हुए न सिर्फ सदन में वापसी की, बल्कि उन्हें एक तरह से राजनीतिक जीवन दान भी मिल गया।

इसी तरह कांग्रेस में दो विधानसभा चुनाव और एक लोकसभा चुनाव हार चुके रतन देवासी को भी जीवन दान मिला है और वह रानीवाड़ा से जीतकर सदन में पहुंचने में सफल हो गए हैं। भीनमाल से समरजीत सिंह भी लगातार चुनाव हार रहे थे। ऐसे में उनके लिए भी यह चुनाव इस बार जीवन मरण का प्रश्न था, लेकिन समरजीत सिंह ने बहुत नजदीकी मुकाबले में जीत दर्ज करते हुए एक तरह से राजनीतिक वापसी की है।

इसी तरह लगातार दो चुनाव हार कर कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए रमेश खींची ने भी इस बार भाजपा के टिकट पर कठूमर से जीत हासिल करते हुए राजनीतिक वापसी कर ली है।

तीन राज्यों में जीत, 2024 में हैट्रिक की गारंटी: मोदी

नयी दिल्ली, 03 दिसंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तीन राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत को 'ऐतिहासिक' एवं 'अभूतपूर्व' बताते हुये रविवार को कहा कि यह जीत सबका साथ, सबका विकास की भावना की जीत हुई है और इससे एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ है जिसने विकसित भारत की नींव को मज़बूत किया है। मोदी ने यहां पार्टी मुख्यालय पर भाजपा कार्यकर्ताओं के विजयोत्सव समारोह को संबोधित करते हुये पार्टी की जीत को माताओं, बहनों, युवा साथियों और गरीब परिवारों को समर्पित किया और कहा, मैं उनके निर्णय के सामने नतमस्तक हूं। आज की जीत ऐतिहासिक है। सबका साथ, सबका विकास की अनुभूति की जीत हुयी है। विकसित भारत की आवाज जीती है। आत्मनिर्भर भारत का संकल्प जीता है। प्रधानमंत्री ने इस तीन राज्यों की जीत को भ्रष्टाचार पर ईमानदारी की जीत और वर्ष 2024 में लोकसभा चुनावों में भाजपा की हैट्रिक की गारंटी भी करार दिया। उन्होंने कहा, मैं अपनी माताओं, बहनों, बेटियों के सामने, मैं अपने युवा साथियों के सामने, अपने किसान साथियों के सामने, मैं अपने गरीब परिवारों के सामने, उनके निर्णय के सामने नतमस्तक हूं।

कांग्रेस हारी,...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से, रमेश मीणा सपोटरा से, प्रशांत बैरवा निवाई से, दानिश अबरार सवाई माधोपुर से , चेतन डूडी डीडवाना से, सुदर्शन सिंह रावत भीम से और धीरज गुर्जर जहाजपुर से चुनाव हार गए हैं।

झुंझुनूं में कांग्रेस का गढ़ बरकरार रहा

जिले की सात सीटों में 5 पर कांग्रेस जीती

- संतोष अहलावत की करारी हार, श्रवण कुमार की जिले में सबसे बड़ी जीत
- बृजेंद्र ओला ने तोड़ा मिथक, परिवहन मंत्री रहते चुनाव जीता।

झुंझुनूं, (निसं)। रविवार को झुंझुनूं जिले की सात विधानसभा सीटों पर हुए चुनाव परिणाम की मतगणना जिला मुख्यालय के सेठ मोतीलाल कॉलेज में सुबह 8 बजे शुरू की गई जिसमें सर्वप्रथम डाक मत पत्रों की गिनती हुई। झुंझुनू जिला कांग्रेस का गढ़ रहा है उसी के अनुरूप परिणाम दोहराते हुए 5 सीटों पर कांग्रेस और दो सीटों पर भाजपा की जीत हुई। लाल डायरी को लेकर चर्चित विधानसभा क्षेत्र उदयपुरवाटी का पेच अंतिम समय तक प्रशासन के लिए सर दर्द बना रहा। उदयपुरवाटी के 24 राउंड की गिनती संपूर्ण होने पर कांग्रेस के भगवाना राम सैनी 418 मतों से भाजपा प्रत्याशी शुभकरण चौधरी पर जीत दर्ज कर रहे थे। अपनी हार देखते हुए शुभकरण चौधरी ने डाक मत पत्रों की गणना दोबारा करने की मांग की जिस पर प्रशासन ने दोबारा डाक मत पत्रों की गणना की जिसमें शुभकरण चौधरी 153 मतों से हार रहे थे। वहीं देर रात पुन: काउंटिंग के बाद जारी परिणाम में कांग्रेस के भगवानाराम सैनी विजेता रहे। कांग्रेस के भगवानाराम सैनी ने भाजपा के शुभकरण चौधरी को 418 वोटों से हराया। लेकिन उन्होंने अपनी हार नहीं मानी और जिला निर्वाचन अधिकारी को पत्र सौंप कर रिकाउंटिंग की बात रखी।

प्रदेश में बनने वाली संभावित भाजपा सरकार के लिए झुंझुनू जिले से पहली बार नवलगढ़ से भाजपा का कमल का फूल खिलाने वाले विक्रम सिंह जाखल कांग्रेस के बड़े चेहरे लगातार नवलगढ़ से तीन बार चुनाव जीतने वाले डॉक्टर राजकुमार शर्मा को पराजित करने में सफल रहे। भाजपा के लिए जहां नवलगढ़ में कमल खिलना खुशी का इजहार है वहीं झुंझुनू सांसद नरेन्द्र कुमार का मंडावा विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी रीटा चौधरी से चुनाव हारना दुखदायी।

झुंझुनू विधानसभा सीट से लगातार तीन चुनाव जीतने के बाद बृजेंद्र ओला ने इस बार जीत का चौका लगाया। बृजेंद्र ओला को माना जाता है सचिन पायलट समर्थक हालांकि इस बार ओला की बढ़ त पिछले चुनाव के बनिस्पत कम रही लेकिन जीत को रखा बरकरार। प्रदेश में परिवहन मंत्री रहते चुनाव हारने का मिथक बना हुआ था जिसे अब की बार झुंझुनू विधानसभा सीट से परिवहन सडक़ सुरक्षा मंत्री बृजेंद्र ओला ने जीतकर मिथक को धराशायी कर दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शेखावाटी चुनावी सभा करना और प्रत्याशी का हारना नया मिथक बन गया। विदित रहे सन 2018 के विधानसभा चुनाव में पीएम मोदी शेखावाटी में सीकर जिले की लक्ष्मणगढ़ और झुंझुनू जिले में खेतड़ी चुनावी सभा करने आए थे। चुनाव परिणाम में लक्ष्मणगढ़ में भाजपा प्रत्याशी की हार हुई वहीं खेतड़ी में भी भाजपा प्रत्याशी को हार का मुंह देखना पड़ा था। इस बार हुए चुनाव में भी पीएम मोदी की शेखावाटी में दो चुनावी सभा चूरू जिले की तारानगर सीट जहां से नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ चुनाव लड़ रहे थे वहीं झुंझुनू विधान सभा सीट पर निषित कुमार उर्फ बबलू चौधरी भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित किया था और चुनाव परिणाम में दोनों ही भाजपा प्रत्याशियों पराजित हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शेखावाटी दौरा नये मिथक को जन्म दे गया।

सूरजगढ़ विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी श्रवण कुमार की जिले में सबसे बड़ी जीत हुई है। श्रवण कुमार ने पूर्व सांसद और विधायक संतोष अहलावत को 37414 वोटों से करारी शिकस्त दी है वहीं बृजेंद्र ओला जिले में सबसे बड़े नेता बनकर उभरे हैं। बृजेंद्र ओला समर्थक पिलानी ए उदयपुरवाटी समेत स्वयं 28863 से बड़ी जीत के साथ झुंझुनू विधानसभा सीट से जीत का चौका लगाने में कामयाब रहे। ओला को इस वक्त जिले में कांग्रेस के बड़े नेता बनकर उभरे हैं ऐसा दिग्गजों का मानना है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908